

# Une Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Hio 30]

301

No.

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 29, 1978 (श्रावण 7, 1900) NEW DELHI, SATURDAY, JULY 29, 1978, (SRAVANA 7, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग III--खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1978

सं० ए० 12019/1/76-प्रशा-II—सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक अधिकार (हाल०) श्री जगदीश लोल को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर 19-6-1978 से 31-8-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

प्र० न० मुखर्जी, उप सचिव, ऋते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1978

सं० ए० 38014/8/76-प्रशा०-III संघ लोक सेवा ग्रायोग में सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ शाधार पर कार्य करते हुए ग्रनुभाग ग्राधकारी श्री को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ई '7/3-स्था०(क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 प्रसारं

1-156GI/78

30-6-78 के अपराह्न से वार्द्धक्य निर्वतन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

REGISTERED NO.

प्रभात नाथ मुखर्जी, उप सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० ए-19021/7/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ग्रार० डी० त्यागी, भारतीय पुलिस सेवा (1964-महाराष्ट्र) को दिनांक 26-6-78 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

> के० के० पुरी, उच-मिदेशक (प्रमोसन)

(4209)

## नई विल्ली-1, विनांक 1 जुलाई 1978

सं० वार्ष-11/72-प्रशासन-5—केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो में प्रितिनियुक्ति की भ्रविध समाप्त हो जाने पर, श्री वार्ष० पी० सभरवाल, तकनीकी सलाहकार (लेखा एवं भ्रायकर) की सेवाएं दिनांक 12-6-78 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड को वापस सौप दी गई है।

महेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी (लेखा)

#### महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 जुलाई, 1978

सं० श्रो० दो०-1070/77-स्थापना—-राष्ट्रपति ने चिकित्सा श्रधिकारी, डाक्टर (श्रीमती) सुशीला बागड़ी, ग्रुप सेटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, श्रावाड़ी (मद्रास) का त्यागपत्न दिनांक 6 मर्ड 1978 ग्रपराह्न से स्वीकार कर लिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—हिरद्वार को स्थानां तरण हो जाने पर श्री श्रार० श्रार० भारद्वाज ने 29 श्रप्रैल, 1978 के श्रपराह्न से के० श्रो० सु० व० यूनिट बोकारो स्टील लिमिटेड के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 9 मई, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रो० सु० ब० यूनिट बी० एच० ई० एल०/एच० ई० ई० पी०/हरिद्वार के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

- स० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रंपति, श्री डी० के० मुकर्जी को के० श्रो० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० एल० नामरूप (श्रासाम) को स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर सहायक कमांडेट नियुक्त करते हैं श्रौर उन्होंने 25 मई, 1978 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाव लिया।
- 2. नामरूप से स्थानांतरण होने पर श्री पी० पी० मिन्ना ने उसी तारीख से के० श्रो० सु० व० यूनिट एच० एफ० सी० एल० नामरूप (श्रासाम) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।
- सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री के० एल० लुके को के० भ्रो० सु० ब० यूनिट विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट का स्थानापन्न रूप से तदर्थ भ्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं ग्रौर उन्होंने 26 मई, 1978 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

स० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक---ग्राई० एस० ग्रार० ग्रो० थुम्बा से स्थानांतरण हो जाने पर श्री इन्दर मोहन ने 24 ग्रप्रैल, 1978 के पूर्िह्स से के० ग्रो० सु० ब० यनिट, बी० एच० ई० एस० (एच० ई० ई० पी०) हरिद्वार के सहायक कमांग्रेंट पद कई। कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक-के० म्रो० सु० ब० यूनिट एच० एम० टी०, श्रीनगर से स्थानांतरण होने पर श्री जे० ध्रार० गुप्ता ने 29 मई 1978 के पूर्वाह्म से के० म्रो० सु० ब०. मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (भर्ती) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया.

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट से स्थानांतरण होने पर श्री के० पी० नायक ने 6 मई 1978 के श्रपराह्म से के० श्रो० मु० ब० यूनिट एफ० सी० श्राई० न्यू जलपायगुरी के महायक कमाँडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री एल० बी० जोसफ को के० श्रो० सु० ब० यूनिट श्राई० एस० श्रार० श्रो० युम्बा का स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रीर उन्होंने 25 मई, 1978 के श्रषराह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री जी० एस० जोहल को के० श्रो० सु० ब० यूनिट श्राई० श्रो० सी० बरौनी का स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं श्रौर उन्होंने 28 मई, 1978 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भास लिया।

ं सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक----राष्ट्रपति, श्री एन० जी० डी० गुप्ता को के० भ्रो० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० झरिया कर स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं भौर उन्होंने 25 मई, 1978 के पूर्वाह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

# दिनाक 6 जुलाई 1978

सं० ई-32015(1)/4/78-कार्मिक—के० स्रो० सु० ब० में भ्रपनी पुर्नानयुक्ति की भ्रवधि की समाप्ति पर ले० कर्नल एस० एस० देश पाण्डेय (सेवा निवृत्त) ने 18-5-78 (श्रपराह्म) से के० ग्रो० सु० ब० यूनिट एफ० सी० भ्राई० (श्रब एफ० सी० एफ०) ट्राम्बे के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक- बरौनी से स्थानांतरण होमें पर श्री श्रमोक दरबारी, भा० पु० से० ने 5 जून, 1978 के पूर्वाह्म से के० श्रो० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट कलकत्ता के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया श्रीर उसी तारीख से ले० कर्नल एस० एम० लाल की भार मुक्त किया गया।

सं० ई-38013(2)/1/78-कार्मिक—पिम्परी से स्थानांतरण होने पर श्री वी० के० ग्रग्निहोत्री, भा०पु०से० ने 15 मई, 1978 के ग्रपराह्म से के० ग्रो० सु० ब० बम्बई के ग्रुप कमांडेंट के पद का का

> रा० च० भोपालः महानिरीक्षकः

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० 10/13/76-प्रशा०-I---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री डी० पी० खोबरागडे को, महाराष्ट्र बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 15 मई, 1978 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थाई तौर पर सहायक निदेशक जनग्रुमा कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करतेहैं। उनका मुख्यालय बम्बई में होगा।

सं० 11/1/77 प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में कार्यालय प्रधीक्षक ग्रौर इस समय संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ रूप में कार्यरत श्री बी० डी० शर्मा को तारीख 27 मई, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक संघ राज्यक्षेत्र चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ में जनगणना निदेशक के कार्यालय में नियमित ग्राधार पर ग्रस्थायी तौर से सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में ही रहेगा।

सं० 11/1/77 प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल में जनगणना कार्यालय में कार्यालय ग्रधीक्षक ग्राँर इस समय जनगणना कार्यालय प्रदेण, लखनऊ में महायक निदेशक के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत श्री एम० के० मजूमदार को तारीख 27 मई, 1978 के पूर्वाल्ल से ग्रगले श्रादेणों तक जनगणना कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में ग्रस्थायी तौर से नियमित ग्राधार पर सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में ही रहेगा।

# दिनाक 10 जुलाई 1978

सं० 2/1/75 म० पं० (प्रशासन-I) — राष्ट्रपति, तिमलनाडु और पांडिचेरी में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्रौर इस समय सिक्किम, गंगटोक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री ए० एस० डागे को सिक्किम, गंगटोक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में 7 जून, 1978 की पूर्वाह्म से अगले खादेशों तक निर्यामत श्राधार पर ग्रस्थाई क्षमता में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहधं नियुक्त करते हैं। जनका मुख्यालय गंगटोक में ही रहेगा।

सं० 2/1/75 म० पं०(प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) भ्रौर इस समय तमिलनाडु भ्रौर पांडिचेरी, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एम० थंगाराजू को तिमलनाषु श्रीर पांडिचेरी, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में 5 जून, 1978 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर अस्थाई क्षमता में उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय मद्रास में ही रहेगा।

सं० 2/1/75-म० पं०(प्रशा०-1)—राष्ट्रपति, उड़ीसा में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्रौर इस समय दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री जगदीश सिंह को दिल्ली में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में 5 जून, 1978 की पूर्वाह्म से अगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर श्रस्थाई क्षमता में उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय दिल्ली में ही रहेगा।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, कर्णाटक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) श्रौर इस समय गोवा, दमन श्रौर दीव, पणजी में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एस० राजेन्द्रन को गोवा, दमन श्रौर वीव, पणजी में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में 6 जून, 1978 की पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर श्रस्याई क्षमता में उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय पणजी म ही रहेगा।

मं० 10/23/77-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री आर० सी० कथूरिया को तारीख 24 मई, 1978 के पूर्वीह्न से छः मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उसी कार्याजय में पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ अधिर पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

स० 10/23/77-प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्रन्वेषक, श्री यू० एस० चतुर्वेदी को तारीख 24 मई, 1978 के पूर्वाह्म से छ माम की श्रवधि के लिए श्रथवा नियमित श्रधिकारी के उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तद्र्थं श्राधार पर श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 10/23/77-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक, श्री पी० मी० पाण्डे को तारीख 24 मई, 1978 के पूर्वाह्न से छः मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० पद्मनाभ, महापंजीकार वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग)

बैक नोट मुद्रणासय

देवास, दिनांक 8 जुलाई 1978

नस्ती क्रमांक बीएनपी/ई/स्पैशल/34—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 22-8-76 के ग्रनुकम में श्री सी० एन० लक्ष्मणराव, सहायक ग्रिभियन्ता (वातानुकूलन) की प्रतिनियुक्ति की श्रविध विद्यमान शर्ती पर, दिनांक 16-2-78 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1978

%मांक प्रशासन-I/5-5/प्रमोगन/77-79/कार्यालय श्रादेश 179/593—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 25013/7/77-एस्टा $(\mathfrak{V})$  दिनांक 26-8-77 के नियमों के श्राधीन 20 वर्ष की श्रार्ट्क सेवा के पूर्ण होने पर इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखाधिकारी श्री ब्रज भूषण, राजकीय सेवा से 30-6-78 श्रपराह्म से स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो ग $\mathfrak{V}$  है।

श्री क्रज भूषण 11:5-1949 को राजकीय सेवा में प्रविष्टि हुए थे तथा उनकी जन्म तिथि 17-10-1928 है।

कमांक प्रशासन-I/5-5/प्रमोशन/कार्यालय स्रादेश 180/595 — स्रिधवार्षिकी प्रायु प्राप्त कर लेने पर इस कार्यालय के स्थायी प्रनुभाग स्रिधकारी तथा स्थानापन्न लेखाधिकारी श्री श्रार० सी० शर्मा राजकीय सेवा से 30 जून, 1978 श्रपराह्न से मेवानिवृत्त किए जाते हैं।

उनकी जन्म तिथि 12-6-1920 हैं।

हस्भा० श्रपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)

इलाहाबाद, दिनांक 29 जून 1978

का० ग्रा० सं० प्रशासन/11-144/(XIII)/68—महा-लेखाकार, उत्तर प्रदेश प्रथम, इलाहावाद ने श्री दया नन्द जोशी, ग्रनुभाग ग्रधिकारी को 5-6-1978 से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानायन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

> उ० रामचन्द्र राव, वरिष्ठ उपमहासेखाकार (प्रशासन)

कार्याक्षय महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 6 जुलाई 1978

मं० प्र०-I/60(57)/78-79/1428-29—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने भ्रागामी श्रादेश तक के लिए इस कार्यालय के श्राचीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री कंसी लाल चकू (22-1-1933) को 3-7-1978 के भूविह्न से लेखा श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

एम० एम० मुबारकी, तरित उप महालेखाकार प्रशासन तथा ग्रधिकरण

कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटक वेंगलूर, दिनांक 24 जून 1978

सं ० स्था ० I/ए 4/78-79/211---महालेखाकार, इस कार्यालय-के निम्नलिखित स्थायी/स्थानापन्न श्रनुभाग श्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, श्रगले श्रादेश जारी होने तक, लेखा श्रधिकारी पद में, उस पर का कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से केवल श्रस्थायी रूप में पदोक्षत करते हैं।

सर्वश्री

- 1. भ्रार० वीरास्वामी
- 2. एस० अनंतरामन्

एम० ए० **सौन्दरराज**न, वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड II 108 श्री ए० पद्मनाभ अध्यर, स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा और लेखापरीक्षा) को 1 जुलाई, 1978 पूर्वाह्म से ग्रगले आदेणों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न करने के लिए नियुक्ति करने को महालेखाकार केरल संतुष्ट हुए हैं।

एस॰ अथरामन्, उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, दिनांक 3 जुलाई 1978

सं० प्रशा० - II / जी० जी० न/455 महालेखाकार राजस्थान ने श्री ओम नारायण नाग, श्रनुभाग श्रिकारी को 12/6/78 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० **श्र० बोरकर**, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय मुख्य निरीक्षक उतरी रेलवे नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० प्रशा०/17-14/77/8898— प्रधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य सर्वश्री रामकृष्ण गुप्ता श्रीर मुलकराज कपूर को ग्रागामी आदेश तक क्रमशः 14-4-78 श्रीर 14-6-78 पूर्वाह्म से स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा श्रधिकारी 840-40-1000-द० श्र०-40-1200 के बेतनमान में इस कार्यालय में नियुक्त किया जाता है।

रघुनन्दन जोशी, मु<mark>ख्</mark>य लेखापरीक्षक

केन्द्रीय सलाह सेवा भीर श्रम विश्वान केन्द्र, महानिदेशालय बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० 5/11/78-प्रशासन—महानिदेशक ने श्री डी० सी० दास को स्थाई रूप से प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर इस कारखाना सलाह सेवा भौर श्रम विज्ञान केन्द्र में 14 जून 1978 से नियुक्त किया है।

> डा० एस० एस० रामस्वामी, उप महानिदेशक

#### उद्योग मंत्रालय

#### ं श्रौद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1978

सं० 12(53)/61-प्रशासन (राजपितत)—सहायक निदेशक (ग्रेड-I)पद के स्थाई ग्रधिकारी एवं लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री डी० ग्राट० मलहोता के निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर उन्हें राष्ट्रपित दिनांक 31 मई, 1978 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रनुसित सहर्ष प्रदान करते हैं।

सं • 12(182)/61-प्रशार्ध(राज)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-II)(रसायन), श्री श्रार् एन ० चक्रवर्ती को दिनांक 31 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-) (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री चक्रवर्ती ने दिनांक 31 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची में निदेशक (ग्रेड-II) (रसायन) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 31 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से ही शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान रांची में निदेशक (ग्रैड-I) (रसायन) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० ए-19018 (346) / 78-प्रशासन (राजपितत) — राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, क्षेत्रीय कार्यचालन प्रभाग, के उप निदेशक श्री जी० रवीन्द्रन की राष्ट्रपति दिनांक 15 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से श्रगले द्यादेण जारी होने तक के लिए सघु उद्योग विकास संगठन में उपनिवेशक (डाटा बैंक) (भारतीय सांख्यिकी सेवा का ग्रेड-III) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री जी० रवीन्द्रन ने दिनांक 15 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यानय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) में उप निदेशक (डाटा बैंक) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

### दिनांक 30 जून 1978

सं० 12(186)/61-प्रणासन (राजपितत)—लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (चर्म/पादुका) श्री श्रार० श्रीनिवासन को राष्ट्रपति दिनांक 12 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (चर्म/पादुका) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री श्रार० श्रीनिवासन ने दिनांक 5 जून, 1978 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास, में सहायक निदेशक (ग्रेड-!) (चर्म/पादुका) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 12 जून, 1978 (ग्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, ख्रिचुर, में उप निदेशक (चर्म/पादुका) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

त्री० वेंकटरायलु, उपनिदेशक (प्रशासन)

# नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1978

सं० 12(676)/71—प्रशासन (राजपितत)—कार्यालय, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) के श्री जी ० रामन, निदेशक (ग्रेड-I) को राष्ट्रपति जी दिनांक 1 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से 12 मार्च, 1978 तक की प्रविध के लिए कार्यालय, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) में ही ग्रौद्योगिक सलाहकार (ग्राधुनिकी-करण) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. नियुक्ति के परिणामस्यरूप श्री जी० रामन ने दिनांक 1 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) में निदेशक (ग्रेड-I) (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 1 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ही उसी कार्यालय में औद्योगिक सलाहकार (ग्राधुनिकी-करण) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।
- 3. श्री जी० रामन को राष्ट्रपति जी दिनांक 13 मार्च, 1978 में ग्रगले श्रादेश जारी होने तक ग्रौद्योगिक सलाहकार (ग्राधुनिकीकरण) के पद पर नियमित श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## विनांक 30 जून 1978

सं० 12(93)/61-प्रशासन (राजपवित) — केन्द्रीय ग्राँजार कक्ष एवं प्रशिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति से धापसी पर श्री एस० के० घोष ने दिनांक 16 जून, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में निदेशक (ग्रेंड-II) पद का कार्यभार ग्रहण कर सिया ।

सं॰ 12(324)/62-प्रशासन (राजपित्तत)—राष्ट्रपति, कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्रौर स्थानापन्न उप निदेशक (जी॰ ए॰ डी॰), श्री बी॰ वेंकटरायलु को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 जून, 1978 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत होने की सहर्ष श्रनुमति देते हैं।

# विनांक 1 जुलाई 1978

सं० 12(568)/68-प्रशासन (राजपितत)—लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) श्री पी० डी० मेयी को राष्ट्रपति जी दिनांक 8 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (कांस/सिरेमिक्स) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री पी० डी० मेयी ने दिनांक 1 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनाक 8 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रहमदाबाद में उप निदेशक (कांच/मिरेमिक्म) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

# दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० 12(233)/61-प्रणासन (राजपित्रत)—शाही भूटान सरकार में माचिम उद्योग विशेषज्ञ के रूप में छः सहीने की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्ति के परिणाम-स्वरूप श्री के० सी० नारायणन् ने दिनांक 19 जून, 1978 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के निदेशक (ग्रेड-II) पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

श्री के० सी० नारायणन् की सेवाएं दिनांक 19 जून,
 1978 (अपराह्म) में शाही भूटान सरकार को सींप दी गईं।

महेन्द्र गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय, हथकरघा विकास ग्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1978

म० 50011/30/76-डी० सी० एव० (श्रनुभाग)-II)— राष्ट्रपति, हथकरघा विकास श्रायुक्त, श्रौद्योगिक विकास विभाग के बुनकर सेवा केन्द्र, सम्बई में पुर्नानयुक्त निदेशक श्री डी० एस० वी० श्रय्यर की उसी केन्द्र में पुर्नानयुक्त की ग्रविध समाप्त होने पर, उन को 30 जून, 1978 के अपराह्म से इस पद को छोड़ने की सहर्षे अनुमति प्रदान करते हैं।

> (कु०) ग्रार० साहनी उप विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

# पटसन भ्रायुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1978

मं० जूट (ए)/147/65--पटसन श्रायुक्त एतद्द्वारा श्री के० पी० दास के सहायक निदेशक (श्राधिक) के रूप में प्रोन्नत होने के फलवरूप दिनाक 28-6-1988 (पूर्वाह्न) से रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में श्री एम० के० हजरा निरीक्षक (श्रतकनीकी) को इस कार्यालय में एक तदर्थ स्थानापन्न ग्रुप "बी" (राजपत्नित) सहायक निदेशक (निर्यात) के नौर पर नियुक्त करते हैं।

के ० के० बनर्जी, प्रणासनिक श्रधिकारी

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० सी०-5388/707—श्री श्रार० एल० कारवान, सर्वेयर मलेक्शन ग्रेड को भारतीय मर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810 -द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में 28 फरवरी 78 (पूर्वाह्न) मे श्रिधकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर स्थानापश्र क्य में सं० 70 (वन) पार्टी (उ० म०) देहरादून में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5389/718-ए०--श्री ए० बी० सरकार, मैंप क्यूरेटर को श्री एन० श्रार० बोस, स्थानापन्न एवं लेखा श्रधिकारी जो 27-4-78 (पूर्वाह्न) में छुट्टी पर चले गए हैं, के स्थान पर पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में स्थानापन्न एवं लेखा श्रधिकारी के पद पर दिनांक 27-4-78 (पूर्वाह्न) में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं॰ 5837/707—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द॰ रो०-35-880-40-1000-द॰ रो०-40-1200 र० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से पूर्णतया तदर्थ आधार पर अनन्तिम रूप से अधिकारी सर्वेक्षक (भूप 'बी' पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

ऋम सं०	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय		नियु	क्त की	तारीख	-
= :	द रंजन चौधरी,	सं० 62 पार्टी (पू०स०)	10	मार्च	1978	 (पूर्वाह्न)	
मर्बेयर	सलेक्शन ग्रेड	कलक्रा					

<b>क्रम</b> सं०	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	नियुक्ति की तारीख
2.	श्री जी० एल० शर्मा, ड्राफ्टसमैन डिवीजन/सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 1 स्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०) देहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म)
3	श्री पी० वी० गणेश, ड्राफ्टसमैन डिबीजन/सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 4 श्रारेखण कार्यालय (द० स०) बैंगलूर ।	७ ग्रप्रैल 1978 (पूर्वाह्न)
4.	श्री पी० एस० विष्ट, सर्वेक्षण सहायक सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 15 पार्टी (स० प्र० सं०) हैदराबाद ।	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
5	श्री एन० श्रीनिवास, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	द० म० स० का० हैदराबाद	13 मार्च, 1978 <b>(पूर्वाह्न)</b>
6.	श्री डी० पी० गोश, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 11 पार्टी (पू० स०) रांघी ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
7.	श्री बन्सीघर चिल्डियाल, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
8.	श्री सांति रंजन मुखर्जी, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 77 (फोटो) पार्टी (द० पू० स०) भुवनेम्बर ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
9.	श्री जय प्रकाश सिह तोम <i>र</i> , सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 20 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
10.	श्री सुबोध रंजन विष्वास, सर्वेगर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 30 (फोटो) पार्टी (पू० स०) कलकत्ता ।	10 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
11.	श्री सुकुमार दास, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	ग्र० एवं वि० निदेशालय हैदराबाद ।	7 भ्रप्रैल, 1978 (ग्रपराह्न)
12	श्री जानमन एच० दाम, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 4 पार्टी (प० स०) श्रजमेर ।	3 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
1 3.	श्री दिलीप कुमार चौधरी, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 30 (फोटो) पार्टी (पू० स०) कलकत्ता।	30 मार्च, 1978 <b>(पूर्वाह्म</b> )
1 4.	श्री मृणाल कान्ति गुहा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 10 द्वारेखण कार्यालय (द० पू० स०) ∙   भुवनेश्वर ।	31 मा <del>र्घ</del> 1978 (पूर्वाह्न)
1 5.	श्री म्राई० एम० गणपति, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	ग्र० एवं वि०  निदेशालय हैदराबाद   ।	1 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
16.	श्री के० के० खेरा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म)
17.	श्री प्रेम मागर चोपड़ा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सीमा सेल (म० स० का०) नर्ई दिल्ली ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
18.	श्री एस० जी० भ्रग्नवास, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ०स०) देहरादून ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
19.	श्री प्रमोद चन्द सर्वेयर सले <del>क</del> ्शन ग्रेड ।	सं० 45 पार्टी (म० स०) जबलपुर ।	28 मार्च, 1978 (पूर्वाह्म)
20.	श्री रामदास <del>घक्र</del> वर्ती , सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 45 पार्टी (म० स०) कलकत्ता ।	10 मार्च 1978 (पू <b>र्वाह्न</b> )
21.	0.0	सं <sup>र्ड</sup> 46 पार्टी (म० स०) जबलपुर ।	30 मार्च, 1978 <b>(पूर्वाह्म</b> )

क्रम सं०	नाम तथा पर्वनाम	यूनिट/कार्यालय	नियुक्ति की तारीश्व
22.	श्री बी० एल० चौधरी सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० ७४ पार्टी (द० पू० स०) राची ।	29 भ्रप्रैल, 1978 (पूर्वाह्स)
23.	श्री प्रीतम सिह, मर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 73 (ए० पी० एफ० पी० एस०) पार्टी (सर्वेक्षण हवाई), नई दिल्ली ।	30 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
24	श्री राम पाल गुप्ता, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 58 पार्टी (प० स०) श्रजमेर ।	6 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
25	श्री टी० एन० नैयानी, सर्वेयर सलेक्यन ग्रेष्ठ ।	सं० 20 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न')
26.	श्री चिमन लाल, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 68 (ज्वार-भाटा) पार्टी (ज्यो० एवं श्रनु० शा०), देहरादून ।	27 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
27.	श्री <b>डी० एन० पाण्डे,</b> सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 23 पार्टी (उ० स०) मसूरी ।	13 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
28.	श्री कुन्दन लाल करारहा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	ज्योडीय एवं ग्रमुसंधान शाखा, देहरादून ।	10 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
29	श्री जीवन कृष्ण दास, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 11 श्रारेखण कार्यालय (द० पू० स०) भृवनेश्वर ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
30.	श्री एन० इय्यादुरई, ड्राफ्टसमैन डिविजन । सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 4 भारेखण कार्यालय (द० स०), वैंगलूरू ।	1 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
31.	श्री जैकव कुजुर, ड्राफ्टसमैन डिविजन, सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 11 म्रारेखण कार्यालय (द० पू० स०) भुवनेश्वर ।	3 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
32.	श्री सी० वी० कुट्टी कृष्णन, सर्वेक्षण सहायक सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 17 पार्टी (द० स०) बैगलूरू ।	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
33.	श्री रवि मोहन, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	ज्योडीय एवं श्रनुसंधान शाखा, देहरादून ।	30 मा <del>र्च</del> , 1978 (पूर्वाह्न)
34.	श्री समरेन्द्र नाथ वत्ता, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 10 द्वारेखण कार्यालय (द० पू० स०) भुवनेश्वर ।	3-1 मार्थ, 1978 (पूर्वाह्न)
35	श्री चमन लाल, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 75 पार्टी (द० पू० स०) मधुपुर ।	30 मार्च 1978 (पूर्वाह्न)
36.	श्री राखाल चन्द्र चक्रवर्ती ड्राफ्टसमैन डिविजन/ सनेक्शन ग्रेड ।	सं० 1 स्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०) वेहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
37.	श्री मुकन्द राम फुलेरा, ड्राफ्टसमैन डिविजन/ सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 1 म्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०) देहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
38.	श्री डी० वी० वायली, ड्राफ्टसमैन डिविजन/ सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 3 मारेखण कार्यालय (प० स०) जयपुर ।	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्म)

ऋम सं०	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	नियुक्ति की तारीख
39.	श्री हरी राम सिह, ड्राफ्टसमैन डिविजन/ सलेक्णन ग्रेड ।	मा० प्र० नि <b>देशाल</b> य देहराष्ट्रन ।	28 फ़रवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
40	श्री सुदर्शन लाल, सर्वेगर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	31 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
41.	श्री जे० पी० ग्रहुजा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	म० सकिल कार्यालय जबलपुर ।	29 ग्रप्रैल, 19 <b>78 (पूर्वाह्म)</b>
42.	श्री एम० एम० जैन, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	ध्र० एवं वि० निदेशालय हैदराबाद ।	23 ऋप्रैल. 1978 (पूर्वाह्न)
43.	श्री एस० एन० कुमार, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 51 पार्टी (द० म० म०) हैदराबाद ।	20 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
44.	श्री डी० श्रार० शर्मा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	श्र० एवं वि० निदेशालय हैदराबाद ।	20 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
45-	श्री एस० डी० चटर्जी , सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 34 पार्टी (प्रा० मा० उ०) हैदराक्षाद	1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
46.	श्री जी० मु <b>ख</b> र्जी, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 18 पार्टी (पू० स०) रांची ।	31 मार्च, 1078 (पूर्वाह्न)
47.	श्री उदय सिंह, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 46 पार्टी (म० स०) जबलपुर।	6 मार्थ, 1978 (पूर्वाह्न)
48-	श्री एस० डी० सेमवाल, सर्वेयर मलेक्शन ग्रेड ।	सं० 13 पार्टी (प० स०) मसूरी ।	3 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
49.	श्री एम० एस० बाल, सर्वेक्षण सहायकः सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 33 पार्टी (उ० स०) देहरादून ।	28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
50.	श्री एस० के० कर, ड्राफ्टसमैन डिविजन/ सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 2 श्रारेखण कार्यालय (उ० स०) वेहरादून ।	28 फरवरी 1978 (पूर्वाह्न)
51.	श्री ग्रजीत कुमार स <sup>र</sup> कार, मर्वेगर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 37 पार्टो (पू० स०) कलकत्ता ।	10 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
52.	श्री जान मुन्डु, ड्राफ्टसमेंन डिविजन/ मलेक्शन ग्रेड ।	सं० 10 घारेखण कार्यालय (द० पू० स०) भुवनेष्वर ।	6 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न)
53,	श्री एन० एल० हसीजा, सर्वेयर सलेक्शन ग्रेड ।	सं० 1 4 पार्टी (ज्यो्० एवं अ० शा०) देहरादून ।	12 मई, 1978 (पूर्वाह्न)
54.	श्री एस० पी० गोयल, वैज्ञानिक सहायक, सलेक्शन ग्रेड ।	ज्योडीय एवं श्रनुसंधान शाखा, देहरादून ।	27 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)
55.	श्री एम० एस० नागाराजन, वैज्ञानिक सहायक, ग्राडिनरी ग्रेड ।	सं० 68 (ज्यार-भाटा) पार्टी (ज्यो० एवं ग्रनु० णा०) देहरादून ।	27 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न)

ऋम सं०	नाम तथा पदनाम	यूनिट/कार्यालय	नियुम्ति की तारीख
56.	श्री जे० एस० उधेराय, ज्योडेटिक कमप्यूटर सलेक्शन ग्रेड ।	ज्योडीय एवं श्रनुसंधान शा <b>खा</b> , देहरादून ।	27 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म)
57.	श्री मलखान सिंह वर्मा, ज्योडेटिक कमप्यूटर, मलेक्शन ग्रेड ।	सं० 68 (ज्वार-भाटा) पार्टी (ज्यो० एवं भ्रनु० शा०) वेहरादून ।	27 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्म)
	श्री टीका राम जोशी, वैज्ञानिक सहायक, म्राडिनरी ग्रेड ।	सं० 19 पार्टी (ज्यो० एवं घ० शा०) देहरादून ।	12 मई, 197 <b>8 (पूर्वाह्न)</b>
59.	श्री सन्तोख सिंह, ज्योडेटिक कमप्यूटर, श्राडिनरी ग्रेड ।	सं० 19 पार्टी (ज्यो० एवं भ्र० भा०) देहरादून ।	12 मई, 1978 <b>(पूर्वाह्न)</b>

के० एल० खोसला, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेकक

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जेलाई 1978

सं 10/141/77-एस० III— महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री के० के० श्रप्रवाल, को उच्च शक्ति प्रेषित श्रकाशवाणी श्रलीगढ़ में दिनांक 7-6-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थान्नाप रूप से नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह प्रशासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक,

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० 4(111)/77-एस०-I — महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी तसरिंग डोलकरे काबू को श्राकाशवाणी, लेह में 12-6-1978 (ग्रपराह्म) से श्रगले श्रावेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन निदेशक, कृते महानिदेशक

# सूचना भ्रौर प्रसारण मंद्रालय प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, विनाम 5 जुलाई 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्रशासन I—निदेशक, प्रकाशन किभाग, श्री के० सी० सिघल, लेखाधिकारी को 3 जुलाई, 1978 से 40 दिन का श्रमकाश प्रदान किये जाने के

परिणामस्वरूपश्री जी० डी० मदान स्थायी लेखाकार को प्रकाशन विभाग में तदर्थ ग्नाधार पर स्थानापन्न रूप से लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

2. यह तवर्थ नियुक्ति श्री जी० डी० मदान को लेखा-धिकारी के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का अधिकार नहीं देती। वरिष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति ग्रेड में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

> इन्द्रराज सिंह, उपनिदेशक (प्रशासन)

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० ए० 19012/1/78-सिब्बन्दी I—प्रमुख परीक्षक कार्यालय उत्तरीय रेसवे, नई दिल्ली के लेखा परीक्षा प्रधिकारी श्री देव राज को फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थानायन लेखा प्रधिकारी के पद पर दिनांक 26-6-78 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति श्राधार पर तीन बरसों के लिये नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० ए० 24013/18/78-सि० I— फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने फिल्म प्रभाग के स्थानापन्न सिलेक्शन ग्रेड सहायक अनुरक्षण श्रिभियन्ता श्री बी० व्ही० कृष्णन, को दिनांक 15-5-1978 के पूर्वीक्ष से श्री टी० कृष्णन स्थाई अनुरक्षण श्रिभियन्ता को छुट्टी मंजूर करने की वजह से स्थानापन्न अनुरक्षण श्रिभियन्ता के पद पर नियुक्त किया है।

[एम० चन्दन नायर, प्रशासकीय श्रधिकारी, इते प्रमुख निर्माता विशापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-1, दिनांक 5 जून 1978

सं० ए० 20012/3/70-एक्र्स्ही (ए०)--विज्ञापन भौर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री श्रमल मुखर्जी को इस निदे-शालय में 30-4-78 (श्रपराह्न) से श्रगले श्रादेश तक बिल्कुल श्रस्थाई श्राधार पर क्षेत्रीय प्रदर्शनी श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० के० मुखर्जी, उप निदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, विनांक 5 जुलाई 1978

सं० ए०19010/23/76-(एच० क्यू०)/प्रशासन-I— सरकारी मेडिकल स्टोर डिपू, मद्रास को बदली हो जाने के फलस्वरूप श्री डी० एस० डेसिकन ने 16 जून, 1978 पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के उप सहायक महानिदेशक (स्टोर) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2 श्री वाई० के० श्रग्रवाल ने 16 जून, 1978 पूर्वाह्म से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशक (स्टोर) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

# दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० ए० 12025/2/77-(सी० द्यार० ग्राई०)/प्रशासन-I— राष्ट्रपति, डा० भूप सिंह को 2 जून, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय ग्रनुसन्धान संस्थान, कसौली में पशु चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर ग्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

नई विल्ली, दिनांक 10 जुलाई 978

सं० ए० 12026/7/78एस० आई०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डीपो, बम्बई में आफिस सुपरिन्टेन्डेन्ट के पद पर काम कर रहे श्री एम० बी० नेरूरकर को 23 जून, 1978 पूर्वाह्न से इसी डीपो में सहायक डीपो प्रबन्धक (बी० ग्रुप) अराजपित्रत के पद पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय फरीदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० ए० 1902 5 / 61 / 78 प्र०-III — संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तृतियों के ग्रनुसार श्री भनानी प्रसाद पट्टनायक की इस निदेशालय में बम्बई में दिनांक 31 मई, 1978 (पूर्वाह्म) से भ्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

# दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० ए० 19025/75/78 प्र० तृ०—श्री सद्द तैयब रजा वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय, चिराला में दिनांक 12-6-1978 (पूर्वीह्म) से तीन माह की श्रविध के लिए श्रल्पकालीन श्राधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चावला प्रशासन निदेशक कृते कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

बम्बई-400085, दिनांक 26 जून 1978

सं० पी० ए०/79(6)/78 स्थापना-II/2336—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्रीनूचीकोट बालकृष्णन, एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को दिनांक 20 जून 1978 (पूर्वाह्र) से अगले श्रादेशों तक इसी श्रनुसंधान केन्द्र में, सहायक प्रणासनिक श्रधिकारी के ग्रेड (२० 650-960) में एक स्थानापन्न श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम, उप स्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग

क्य घौर भंडार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० ऋ० भ० नि०/म०/32011/3/76/संस्थापन/
17407—इस निदेशालय की समसंख्यक भ्रधिसूचना दिनांक
16 जून, 1978 के तारतम्य में निदेशक, ऋय भ्रौर भंडार
परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० जोसफ, सहायक कार्मिक
म्रधिकारी के प्रशासन भ्रधिकारी नियुक्त होने के कारण,
इस निदेशालय के म्रस्थायी सहायक, श्री करूबित्थल रवीन्द्रन
को स्थानापन्न सहायक कार्मिक म्रधिकारी के पद पर म्रिम
समय 19 जुलाई, 1978 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते
हैं।

बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

### भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 6 जुलाई 1978

सन्दर्भ भाषोप०/स्था०/1/म० 13/3115—भारी पानी परियोजना के विणेष कार्य-ग्रिधिकारी, श्री वसन्त कृष्ण महा-गांवकर भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को उसी कार्यालय में श्रस्थायी स्थानापन्न रूप से तदर्थ ग्राधार पर 17 श्रप्रैल, 1978 से 17 जून, 1978 तक के लिए, श्री पी० ए० एम० वैद्य, महायक लेखा ग्रिधकारी जो छुट्टी पर गए हैं के स्थान पर, सहायक लेखा ग्रिधकारी, नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

# तारापुर परमाणु बिजलीघर थाना-401504, दिनांक 26जून 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/20 (1)/76 श्रार०—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक तारापुर परमाणु बिजलीघर के एक श्रस्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री ए० पी० पाटिल को 15 जून, 1978 से 15 जुलाई, 1978 तक के लिये 650-30-740-35-810-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेंतनमान में सुरक्षा अधिकारी के पद पर तद्यं श्राधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सुरक्षा श्रिधकारी श्री डी० डी० बनर्जी जो खुट्टी पर चले गये हैं, के स्थान पर की जा रही है।

ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशासनिक श्रधिकारी,

# पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई विल्ली-3, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० ई० (1) 03734—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास में सहायक मौसम विज्ञानी श्री के० वेंकटचलम निर्वतन की श्रीयु पर पहुंचने पर 31 मई, 1978 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 04159—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत वेधशालाओं के महानिवेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री एच० एस० रायबर्मन निर्वतन की श्रायु पर पहुंचने पर 31 मई, 1978 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता मौसम विज्ञानी इते वेधशालाश्रों के महानिदेशक

# महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जन 1978

सं ०. ए० 38015/9/78 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन मखेद घोषणा करते हैं कि श्री एस०ए० एक्सवीयर, महायक तकनीकी श्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम का दिनांक 2-4-78 को निधन हो गया है।

(इस विभाग की दिनांक 20-5-78 की भ्रधिसूचना सं० ए०-38015/9/78 ई० सी० को एतव्द्वारा रद्द किया जाता है)

> सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1978

सं० ए० 19014/147/72- ई०-I—श्री एस० दयाल, सकनीकी श्रिधिकारी विमान सुरक्षा नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली का 9 जून, 1978 को सरकारी सेवारत होते हुए निधन हो गया है।

सं० ए० 31013/1/77-ई०-І-—राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० वी० रणदिवे, स्थानापन्न निदेशक विनियम ग्रौर सूचना, नागर विमानन विभाग को 10 जून, 1976 से उसी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन, सहायक निवेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई, 1978

सं० ए०-32013/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गोपाल, वरिष्ठ विमान क्षेत्र ग्रिधिकारी को दिनांक 26 मई, 1978 से तदर्थ ग्राधार पर क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र दिल्ली को पद पर नियुक्त किया है। वे इस पद पर तब तक काम करते रहेंगे जब तक कि श्री जगदीश चन्द्र, जिन्हें मुख्यालय में उपनिदेशक (टैरिफ परीक्षण) के रूप में स्थानांत्रित किया गया, क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र के पद का कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेते।

विक्व विनोद जौहरी सहायक निदेशक प्रशासन

रेल मंस्नालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिस्सी, दिनांक 30 जून 1978

संव 78/डब्ल्यू० 6/टी० के०/2—रेल मंत्रालय (रेलबे बोर्ड) के रेलपथ के निम्नलिखित भाग के ग्रनुरक्षण का काम ग्रीर इससे सम्बंधित सारी परिसम्पत्तियों को दक्षिण मध्य रेलवे से मध्य रेलवे की स्थानान्तरित करने का ग्रनुमोदन किया है:---

बल्हारशाह—खाजीपेंट खंड पर बल्हारशाह श्रौर मानिक गढ़ स्टेशनों के बीच कि० मी० 134.25 से कि० मी० 135.00 तक का रेल पथ श्रब श्रन्तेंरेलवे सीमा 135.00 कि० मी० पर होगी।

यह समायोजन रेलपथ के समुचित श्रनुरक्षण के हित
 में किया गया है।

पी० एन० मोहिले सचिव रेलवे घोर्ड भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

कार्यालय महानिदेशक (निर्माण)

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1978

सं० 23/2/77-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित ग्रिधकारी वार्डक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर 30-6-1978 (ग्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हुए है।

٠٠٠,	
नाम॰	वर्तमान पदनाम
सर्वश्री	
1. ग्रार० जी० गोखले	मुख्य इंजीनियर (सिविल), लोक उद्यम ब्यूरो में निर्माण सलाहकार की प्रतिनियुक्ति पर ।
2. ई० के० विश्वनाथन्	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), मद्रास विमानन विद्युत मण्डल मद्रास।

# दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० 27-ई०/बी० (39)/73-ई० सी०-2—राष्ट्रपति, श्री के० एस० बालसुन्नमण्यम, कार्यपालक इंजीनियर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग जो महानिदेशक, ग्राकाशवाणी (सिविल निर्माण विग), समाचार भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर थे, का स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नोटिस स्वीकार करते है, ग्रौर उन्हे दिनांक 22 जून, 1978 (दोपहर बाद) से सेवा निवृत्त होने की ग्रनुमति देते है।

सु० सू० प्रकाश राव प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022 दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० 2/178/73-प्रशा०-2 — ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधि-करण एतदृद्वारा श्री जी० सी० जोशी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में ग्रतिरिक्त सहायक निर्देशक/सहायक ग्रभियन्ता के ग्रेड में 25-5-78 (पूर्वाह्न) से ग्रन्य ग्रादेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

> एम० सी० जोशी ग्रवर सचिव '

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय ग्वालियर, दिनांक जुलाई 1978

सं० 916/लिक्वीडेशन/3625—मैंसर्स ट्रस्ट एसोसियेशन ग्राफ किश्चियन इन्स्टीट्यूशनस् का पंजीकृत कार्यालय रायपुर मध्य प्रदेश में है ग्रौर इस कम्पनी का परिसमापन किया जा रहा है,

श्रौर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास इस बात पर विश्वास करने के समुचित कारण हैं कि कोई परिसमापक कार्य नही कर रहा है श्रौर परिसमापक द्वारा दी जाने वाली कार्य-विवरणियां लगातार पिछले छः महीने से नही दी गई है।

ग्रतः ग्रव कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबंधों के ग्रनुसरण में इसके द्वारा यह नोटिस जारी किया जाता है कि जब तक विपरीत कारण न बताये जाएं, तब तक इस नोटिस की तारीख से तीन मास की ग्रविध बीत जाने पर कम्पनी का नाम रिजस्टर में से काट दिया जायेगा ग्रौर कम्पनी विघटन हो जायेगा।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर।

कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटंबा

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रौर ईस्ट इण्डिया सत्संग स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :---

पटना, दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० (133) 31560/77-78—कम्पनी . म्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्ट इण्डिया सत्संग स्टोर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी म्रधिनियम, 1956 भौर बोकारो गीयर इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :---

पटना, दिनांक 4 जुलाई 1978

सं० 12 (5) 560/77-78— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसार एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भवसान पर बोकारो गीयर इन्डस्ट्रीज श्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० बनर्जी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर फूट प्रिन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 5 जुलाई 1978

सं० 6737/3537-एल० सी० कम्पनी प्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर फूट प्रिन्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काठ दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० नारायनन् रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज यू० पी०, कानपुर।

कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 श्रौर गोवालन्दो ग्राइस कम्पनी लिमिटेड (सम।पनग्रन्तर्गत) के विषय में:----कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० एल०/7/968/एच० डी० (1804)—कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के श्रनुसरण में एतव्दारा यह सूचना दी जाती है कि श्रादरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने विनांक, 29-1-76 के श्रादेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का श्रादेश विया है श्रीर राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर नेशनल मेटल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (समापनश्रन्तर्गत) के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 7 जुलाई 1978 सं० एल/7130/एच० डी (1823)---कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्बारान्य स्मूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनाक 17-6-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्या-यालय कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल कलकत्ता

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर श्रल्लाय एन्ड स्पेशल स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड के विषय में:—

बंगलौर, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० 560/3164/78—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्रल्लाय ऐण्ड स्पेशल स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिस कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, कर्नाटक ।

# ग्रायकर विभाग (केन्द्रीय) बम्बई

केन्द्रीय सरकार के कार्यालय, जुडवां भवन, महर्षि कर्ये मार्ग, बम्बई-400020, दिनांक 2 मार्च 1978

सं० श्रार० 174/77-78—नीचे उन निर्धारितियों की सूची दी गई है, जिनका निर्धारण विलीय वर्ष 1976-77 के दौरान—(1) व्यक्तियों या हिंदू श्रविभक्त परिवारों का—दो लाख रुपये से श्रधिक की श्राय पर, (2) फर्मों, कम्पनियों या व्यक्तियों के संगठनों का—दस लाख रूपये से श्रधिक की श्राय पर हुश्रा श्रौर जिनमें पहली श्रपील का निपटारा हो चुका या फिर पहली श्रपील वायर करने का समय ग्रपील दिये बिना समाप्त हो चुका है। यहां—(1) हैसियत क्यं व्यक्ति का, 'हि० श्र० प०' हिन्दू श्रविभक्त परिवार का, 'कं०' कम्पनी का, 'फ०' रजिस्ट्रीकर्त्ता फर्म का, (2) निर्धारण वर्ष का, (3) रिटर्न में वर्णायी श्राय कर, (4) निर्धारित श्राय का, (5) निर्धारिती द्वारा वेय कर श्रौर लगाई गई व्याज का श्रौर, (6) निर्धारिती द्वारा चुकाए गए कर श्रौर लगाई गई व्याज का संकेत करता है।

#### धनुसूची-I

- श्री श्रग्नवाल सत्यनारायण विश्वनाथ, 35/39,
   मिर्जा स्ट्रीट, बम्बई।
- (1) व्य॰, (2) 1974-75, (3) रु॰ 24,000, (4) रु॰ 4,66,000, (5) रु॰ 4,11,000, (6) कुछ नहीं।
- श्री श्रन्बा ईसा भ्रब्दुल गनी, नवाब मंजिल, 107, जंजीकर स्ट्रीट, बम्बई ।
- (1) व्य॰, (2) 1970-71, (3) रु॰ 8,000 (4) रु॰ 12,20,000, (5) रु॰ 14,74,260, (6) কুন্ত নহী।
- 3. श्री बावाजी ग्रब्दुल ग्रार० ग्रब्दुल ग्रार०, 20, ताब्देव, ए० सी० माकट, बम्बई।
- (1) व्य॰, (2) 1973-74, (3) श्राय का रिटर्ने दाखिल नहीं किया, (4) रु० 2,00,000, (5) रू० 1,75,170, (6) कुछ नहीं।
- 4. श्री भाटिया म्राई० एच०, 101, कामर्स हाउस, मीडोज स्ट्रीट, बम्बई।
- (1) হ্বাও, (2) 1974-75, (3) হও 5,68,394, (4) হও 9,78,827, (5) হও 9,41,750, (6) হও 9,35,649।
- 5. श्रीमती ज्योत्स्ना विक्रम सिंह, पी० विक्रमसिंह शूरजी बल्लभदास (मृत) की कानूनी वारिस कच्छ कैसल, 4 थी मंजिल, ग्रांपेरा हाउस बम्बई।
- (1) न्य०, (2) 1973-74, (3) ह० 3,26,020, (4) ह० 4,90,635, (5) ह० 4,30,237, (6) कुछ नहीं। (2) 1975-76, (3) ह० 1,89,470, (4) ह० 2,24,310, (5) ह० 1,60,199, (6) कुछ नहीं।
- 6. श्री कमानी एच० ग्रार०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (1) হ্বত, (2) 1974-75, (3) হত 1,24,290, (4) হত 2,08,750, (5) হত 1,60,354, (6) হত 79,631।
- 7. श्री कपाडिया कान्तिलाल मगनलाल, निशान्त, लिकिंग रोड, खार, बम्बई।
- (1) অব০, (2) 1962-63, (3) ছ০ 31,400, (4) ছ০ 5,36,900, (5) ছ০ 4,18,361, (6) ছ০ 4,18,361 l(2) 1963-64, (3) ছ০ 31,066, (4) ছ০ 3,15,570, (5) ছ০ 2,40,443, (6) ছ০ 1,54,691 l
- 8. श्रीमती करीम बेगमबी एन०, 61/1, बैंतूल सिरुर, वार्डन रोड, बम्बई।

- (1) ब्य॰, (2) 1969-70, (3) ध्राय का रिटर्न वाखिल नहीं किया, (4) रू॰ 8,00,000, (5) रू॰ 9,93,972, (6) कुछ नहीं।
- 9. श्री करीम नसरुद्दीन अब्दुल, 61/1, बैतूल सिरुर, वार्डन रोड, बम्बई।
- (1) स्थ॰, (2) 1970-71, (3) रु० 59,000, (4) रु० 3,63,000, (5) रु० 4,68,807, (6) रु० 42,457 (2) 1974-75, (3) रिटर्न दाखिल नहीं किया, (4) रु० 4,10,000, (5) रु० 5,85,609, (6) कुछ नहीं।
- 10. श्री पटेल जे० बी०, मेवान, 40ए० पेंडर रोड, बम्बई।
- (1) ब्य॰, (2) 1974-75, (3) ६० 1,54,464, (4) ६० 2,87,487, (5) ६० 2,29,425, (6) ६० 1,35,201।
- 11 श्रीमती पटेल लीलाबेन एम०, 67सी०, प्रवीप कुंज, वालकेश्वर, बम्बई।
- (1) চ্যাত, (2) 1969-70, (3) চ্চ 2,65,820, (4) চ্চ 2,69,210, (5) চ্চ 1,83,335, (6) চ্চ 1,83,335 (2) 1974-75, (3) চ্চ 1,86,902, (4) চ্চ 2,74,810, (5) চ্চ 3,07,963, (6) চ্চ 1,01,721 ।
- (2) 1975-76, (3) হ০ 12,83,798, (4) হ০ 13,14,410, (5) হ০ 10,12,572, (6) হ০ 9,14,773
- 12. श्री रुपानी जे० बी० 184, शेख मेमन स्ट्रीट, बम्बई।
- (1) অ্বত, (2) 1974-75, (3) হ০ 2,42,270, (4) হ০ 2,53,010, (5) হ০ 82,909, (6) হ০ 81,880 ।
- 13. मृत एच० एच० सर जे० एम० सिंघिया का भवि-भक्त हिंदू परिवार, नेविले हाउस, बैलार्ड इस्टेट, बम्बई।
- (1) বি০ মা০ ব০, (2) 1973-74, (3) সুক্ত नहीं, (4) 6,09,045, (5) হ০ 3,04,380, (6) হ০, 3,04,380।
- ' 14. श्रीमती सिंधिया विजया राजे, नेविले हाउस, **बैलार्ड** इस्टेट, बम्बई ।
  - (1) হ্বত, (2) 1971-72, (3) হত 1,41,774, (4) হত 3,60,890, (5) হত 2,84,002, (6) হত 1,02,889 (2)1973-74, (3) হত 1,31,037, (4) হত 3,55,108, (5) হত 3,67,168, (7) 1,68,958।

- 15. श्री शाह डी० एन० कृष्ण निवास, 212, वाल-केश्वर रोड, बम्बई।
- (1) व्य॰, (2) 1972-73, (3) रु० 17,500, (4) रु० 3,15,000, (5) रु० 3,17,144, लगाई गई व्याज को जोड़ कर, (6) कुछ नहीं।
- 16. श्री शर्मा एम० एल०, 61-61ए, ग्रब्दुल रहमान स्ट्रीट, बम्बई।
- (1) ब्य॰, (2) 1974-75, (3) रु० 41,154, (4) रु० 6,35,470, (5) रु० 7,84,309, (6) कुछ नहीं, (2) 1975-76, (3) रिटर्न देखिल नहीं किया, (4) रु० 3,96,130, (5) रु० 3,56,972, (6) कुछ नहीं।
- 17. श्री शूरजी दिलीप बल्लभदास, (श्रीमती) जयलक्ष्मी (मृत) की सम्पदा के निष्पादक कच्छ कैंसल, 4 थी मंजिल, श्रांपेरा हाउस, अम्बई।
- (1) ह्य., (2) 1973-74, (3) ह० 4,04,400, (4) ह० 5,40,804, (5) ह० 5,03,427, (6) कुछ नहीं।
- 18. श्री शूरजी प्रताप बल्लभदास, कच्छ कैसल, 4थी मंजिल, ग्रपेरा हाउस, बम्बई।
- (1) আৰে, (2) 1973-74, (3). হ৹ 3,48,830, (4) হ০ 5,10,912, (5) হ০ 4,27,882, (6) হ০ 5,874। (2) 1975-76, (3) হ০ 2,05,820, (4) হ০ 2,46,363, (5) হ০ 1,57,443, (6) কুন্ত নহাঁ।
- 19. श्री शूरजी, दिलीप वल्लभदास, भ्र**च्छ कैस**ल, 4थीं मंजिल स्रांपेरा हाउस, बम्बई।
- (1) ল্বত, (2) 1973-74, (3) ছ০ 3,54,320, (4) ছ০ 5,15,109, (5) ছ০ 4,34,234, (6) ছ০ 49,311 \ (2) 1975-76, (3) ছ০ 2,27,750, (4) ছ০ 2,64,150, (5) ছ০ 1,72,225, (6) ছ০ 25,000 \

## ग्रनुसूची-II

- 1. मैसर्स भ्रमरतारा प्रा० लि०, साकी बिंहार रोड, पबई, बम्बई।
- (1) হ্ৰত, (2) 1967-68, (3) হত 24,64,713, (4) হত 25,54,520, (5) 14,82,712, (6) হত 14,82,712।
- (2) 1972-73, (3) to 11,36,160, (4) to 11,12,840, (5) to 6,31,431, (6) to 6,31,431,
- (2) 1973-74, (3)  $\overline{6}$ 0 19,25,110, (4)  $\overline{6}$ 0 19,65,380, (5)  $\overline{6}$ 0 11,47,591, (6)  $\overline{6}$ 0 11,48,591 1

- 2 मैसर्स बजाज श्राटो लि०, डा० एनी० बिसेंट रोड, बम्बई।
- (1) 可, (2) 1973-74, (3) 医。 2,33,88,970, (4) 医。 2,74,10,710, (5) 医。 1,57,13,347, (6) 医。 1,47,77,677 +
- 3. मैसर्स क्रालको मैटाल्स इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, गुप्ता मिल्स एस्टेट , रे-रोड, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1974-75, (3) হ০ 11,48,750, (4) হ০ 11,50,107, (5) হ০ 7,20,393, (6) হ০, 7,20,393 ।
- 4. मैसर्स केवल कारपोरेशन श्राफ इंडिया लि०, लक्ष्मी बिल्डिंग, 6, एस० व्ही० मार्ग, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1965-66, (3) ক০ 1,48,44,261, (4) ক০ 1,48,61,900 (5) ক০ 57,59,558,(6) ক০ 57,59,558, (2) 1966-67, (3) ক০ 1,60,06
- 298, (4) ₹0 1,60,46,660, (5) ₹0 88,42,874, (6) ₹0 ₹0 88,42,874 | (2) 1973-74, (3) ₹0 72,76,450, (4) ₹0 81,35,090, (5) ₹0 46,80,563, (6) ₹0 46,80,563, (2) 1974-75, (2) ₹0 37,06,300, (4) ₹0 38,52,610, (5) ₹0 21,86,725 |
- 5. मैसर्स इन्डैंब्रेटर लि॰, एन॰ एस॰ ई॰ एस्टेट, गोरे-गांव, (ई॰), बम्बर्ध।
- (1) 苛o, (2) 1973-74, (3) 17,63,990, (4) 克o 18,72,270, (5) 克o 11,14,116, (6) 克o 11,14,116।
- मैसर्स कमानी मैटल्स एण्ड एलाइज लि०, कमानी चेम्बर्स 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1973-74, (3) হ০ 40,09,117, (4) হ০ 42,26,656, (5) হ০ 26,10,294, (6) হ০ 25,82,753।
- मैसर्स कमानी मैटलिक् ग्राक्साइड्स लि०, कमानी चेम्बर्स, 32 निकोल रोड, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1971-72, (3) ড০ 17,72,430, (4) ড০ 17,89,262, (5) ড০ 10,25,200, (6) ড০ 10,13,680।
- 8. मैसर्स कमानी ट्यूब्ज प्रा० लि०, कमानी चेम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (1) 時の, (2) 1971-72, (3) 東の 20,76,630, (4) 東の 22,59,644, (5) 東の 13,05,786, (6) 東の 12,96,206, (2) 1973-74, (3) 東の 64,41,660, (4) その 74,14,685, (5) 東の 46,18,752, (6) 東の 46,18,752 (

- 9. मैसर्स मोहनलाल रायचंद एण्ड सन्स, 311, मेहता भवन, 5वीं मंजिल, चर्नी रोड, बम्बई ।
- (1) फo, (2) 1969 70, (3) to 10,39,060, (4) to 10,39,060, (5) to 2,57,812, (6) to 2,57,812
- 10. मैसर्स मुकुंद भ्रायरन एण्ड स्टील वर्क्स, कुर्ला, बम्बई।
- (1) र्कं0, (2) 1973-74, (3) रु० 2,03,63,170, (4) रु० 2,87,98,730, (5) रु० 1,63,99,550, (6) रु० 1,47,22,954।
- 11. मैससं न्यू स्टैण्डर्ड इंजीनियरिंग कं० लि०, एन० एस० ई० एस्टेट, गोरेगांव (ई), बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1973-74, (3) ই০ 16,86,947, (4) হ০ 17,91,000, (5) হ০ 10,23,767, (6) হ০ 10,23,767.
- 12. मैसर्स पीरामल स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लि०, भार्मी एण्ड नेवी बिल्डिंग, एम० जी० रोड, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1973-74, (3) চ০ 38,69,000, (4) চ০ 36,32,000, (5) চ০ 22,35,584, (6) চ০ 22,35,584।
- 13. मैसर्स श्रीनिवास कॉटन मिल्स लि॰, श्रीनिवास हाउस, हजारीमल सोमानी मार्ग, फोर्ट, बम्बई।
- (1) ক'০, (2) 1970-71, (3) হ০ 15,02,770, (4) হ০ 15,10,530, (5) হ০ 8,30,792, (6) হ০ 8,30,792।
- 14. दि वैस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लि०, श्रीनिवास हाउस, हजारीमल सोमानी मार्ग, फोर्ट, बम्बई।
- (1) ক০, (2) 1970-71, (3) ব০ 1,24,60,247, (4) ব০ 1,25,01,320, (5) ব০ 68,73,958, (6) ব০ 68,73,958.
- 15. वि वैस्टर्न इंडिया स्पिनिंग एण्ड मैन्यू० कं० लि०, (दिवाले में), मार्फत सरकारी समापक, 5वीं मंजिल, बैंक झॉफ इंडिया बिल्डिंग, एम० जी० रोड, बम्बई।
- (1) कं०, (2) 1973-74, (3) कुछ नहीं, (4) रू० 29,81,240, (5) रू० 17,46,917, (6) कुछ नहीं। (2) 1974-75, (3) घाटा—रू० 38,43,020, (4) रू० 1,14,87,370, (5) रू० 84,91,450, (6) कुछ नहीं।

# धन-कर विभाग (केन्द्रीय) .

# बभ्बई, दिनांक 28 मार्च 1978

स० ग्रार०-18/डब्ल्यू०टी०/1977-78—केन्द्रीय सरकार का मत है कि त्रितीय वर्ष 1976-77 के दौरान धन-कर ग्रीध-3--17601/78 नियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रधीन जिन निर्धारितियों का निर्धारण 10 लाख रू० से ग्रधिक के णुद्ध धन पर हुआ है, उनके नाम व ग्रन्य संबंधित न्यौरे प्रकाणित करना जनहित में जरूरी ग्रीर नयोजित है। ग्रतः उक्त ग्रधिनियम की धारा 42 क द्वारा प्रदक्ष गक्तियों, तथा इस बार्ग में इसे समर्थ बनाने वाली ग्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश दिया है कि पूर्वोक्त ऐसे निर्धारितयों के नाम य ग्रन्य ब्यौरे, प्रकाशित किए जायों, जिनके मामलों में या तो पहली ग्रपील निपटाई जा चुकी है या पहली ग्रपील पेश करने का समय गुजर चुका है ग्रीर यह अपील पेश नहीं की गई है, तदनुसार उन्हें इस क्रम से प्रकाणित किया जाता है जिस में हैसियत—व्यक्ति के लिए 'व्य', हिन्दी ग्रविभक्त परिवार के लिए—'हि० ग्र० प०', (ii) निर्धारण वर्ष, (iii) रिटर्न में दर्शाए धन के ग्रांकडे, (iv) निर्धारित धन, (v) निर्धारिती द्वारा देय धन-कर, (vi) निर्धारिती द्वारा ग्रदा किया गया है।

- श्री भाटिया प्राई० एच०, 101, कॉमर्स हाउस, नगीनदास मास्टर रोज, बम्बई।
- (i) ম্বত, (ii) 1968-69, (iii) ছ০ 10,00,256, (iv) ছ০ 18,63,000 (v) ছ০ 24,300, (vi) ছ০ 24,300।
- (ii) 1969-70 (iii) হ০ 9,92,372, (iv) হ০ 11,27,237, (v) হ০ 10,181, (vi) হ০ 10,181
- (ii) 1971-72, (iii) to 8,95,351, (iv) to 16,20,169, (v) to 61,229, (vi) to 61,229,
- (ii) 1973-74, (iii) to 7,26,804, (iv) to 18,19,755, (v) to 5,5,580, (vi) 55,580 l
- श्रीमती भाटिया मोहिती भाई, 101, कॉमर्स हाउस, नगीनदाय मास्टरे रोट, बम्बई।
- (i) Eq., (ii) 1972-73, (iii) Fo 14,06,596, (iv) Fo 18,99,615, (v) Fo 61,960, (vi) Fo 61,960 l

- (ii) 1975-76, (iii) to 12,38,940, (iv) to 19,99,676, (v) to 79,970. (vi) to 79,970 I
- श्री भाटिया प्रकाण ग्राई०, 101, कॉमर्स हाउस, नगीनदास मास्टर रोड, अम्बई।
- (i) स्व०, (ii) 1971-72, (iii) रु० 9,72,898, (iV) 11,93,185, (v) रु० 19,795, (vi) रु० 19,795।
- (ii) 1972-73, (iii) to 8,77,081, (iv) to 12,25,971, (v) to 21,780, (vi) to 21,780 t
- 4. श्रीमती जालान भगवानी देवी, 139, मीडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।
- (i) ব্যু০, (ii) 1967-68, (iii) হ০ 1,14,743, (iv) হ০ 10,70,966, (v) হ০ 8,419, (vi) হ০ 74 ৷
- (ii) 1968-69, (iii) হত 98,511, (iv) হত 12,03,746, (v) হত 11,075, (iv) হুস্ত নহী।
- (ii) 1969-70, (iii)  $\pi_0$  1,03,550, (iv)  $\pi_0$  11,72,736, (v)  $\pi_0$  11,318, (vi)  $\pi_0$  18 1
- (ii) 1970-71, (iii) ए० 1,74,410, (iv) ६० 12,12,707, (v) ६० 12,318, (vi) ६० 373।
- 5. श्रीमती जासान गीतादेत्री, 139, मीडोज्ञ स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई ।
- (i) व्य०, (ii) 1963-64, (iii) रू० 4,50,573, (iv) रू० 10,16,413, (v) रू० 8,287, (vi) कुछ नहीं।
- (ii) 1965-66, (iii) হত 2,36,211, (iv) হত 10,12,353, (V) হত 7,247, (Vi) ফুন্ড নস্থা।
- (ii) 1967-68, (iii) रु० 2,67,109, (iv) ६० 10,46,471, (v) रु० 7,929, (vi) कुछ नहीं।
- (ii) 1968-69, (iii) হত 1,214, (iv) হত 11,69,020, (v) হত 10,380, (vi) কুন্ত नहीं।
- (ii) 1969-70, (iii) ६० 23,589——(घाटा), (iv) ६० 11,42,829, (V) ६० 10,521, (V) কুछ नहीं।
- (ii) 1970-71, (iii) হত 39,729—(ছাटো), (iv) হত 10,32,878, (v) হত 7,822, (vi) দুন্ত নহী।
- 6. श्रीमती जालान गिकीदेवी, 139, मीडोज स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।
- (i) অব০, (ii) 1966-67, (iii) চ০ 1,39,180, (iv) চ০ 10,06,754, (v) চ০ 7,135, (vi) চ০ 525,

- 7. श्रीमती जालान जानकीदेवी, 139, मीडोज स्ट्रीट, फोर्ट, वम्बई ।
- (i) न्य०, (ii) 1967-68, (iii) ६० 71,736, (iv) দ০ 10,07,951, (v) দ০ 7,159, (vi) দুন্ত নহী।
- (ii) 1968-69, (iii) रु० 65,011, (iv) रु० 11,38,045, (<sup>v</sup>) रु० 9,761, (vi) कुछ नहीं ।
- (ii) 1969-70, (iii) হ০ 91,280, (iv) হ০ 11,50,146, (V) হ০ 10,754, (Vi) সুন্ত নहीं।
- (ii) 1970-71, (iii) হ০ 6৪,415, (iv) হ০ ১০,19,036, (v) হ০ 7476, (vi) কুন্তনন্ত্ৰী।
- 8. श्रीमनी जालान कुन्तीडेत्री, 139, मीडोग स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।
- (i) ब्य०, (ii) 1969-70, (iii) হ০ 6,586, (घाटा) হ০ (iv) হ০ 10,63,703, (v) হ০ 8,593, (vi) মুগুনর্রী।
- (ii) 1968-69, (iii) হ০ 34,865, (iv) ৼ০ 13,77,203, (v) ৼ০ 14,544, (vi) দুন্তান্ধী।
- 9. श्रीमती जालान शारदावेबी, 139, मोडोज, स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई ।
- (i) व्या०, (ii) 1966-67, (iii) হ০ 1,98,637, (iv) হ০ 10,09,700' (V) হ০ 7196, (vi) बुछ नहीं।
- (ii) 1967-68, (iii) হ০ 1,21,107, (iv) হ০ 11,05,981, (V) হ০ 9,120, (vi) হুন্ত নহী
- (ii) 1968-69, (iii) ६० 1,12,972, (iv) ६० 12,04,594, (v) ६० 11,092, (vi) कुछ नहीं।
- (ii) 1969-70, (iii) হ৹ 1,12,221, (iv) হ৹ 12,15,785, (v) হ৹ 12,395, (vi) কুছ নহাঁ।
- (ii) 1970-71, (iii) হ০ 1,67,068, (iv) হ০ 12,33,087, (v) হ০ 12,827, (vi) শুন্ত नहीं।
- 10. श्री कमानी एच० द्यार०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (i) দ্বিত স্থাত বত, (ii) 1973-74, (iii) হব 12,69,600, (i) হব 13,67,670, (iv) হব 26,030, (vi) হব 24,824, (ii) 1974-75,

- (iii) 10,95,700 (iv) to 13,45,881, (v) to 52,670, (vi) to 38,7491
- 11. श्री कमानी नवीन श्रार०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (i) দ্ভি০ সাও ৭০, (ii) 1973-74, (iii) ছ০ 12,03,400, (iv) ০ 12,97,775, (v) ছ০ 23,933, (vi) ছ০ 22,677,
- 12. श्री कमानी नवनीत ग्रार० कमानी चैम्बर्स 32 निकोल रोड बम्बई।
- (i) हि॰ শ্রু০ प॰ (ii) 1973-74 (iii) ছ॰ 12,64,400 (iv) ছ॰ 13,62,694 (v) ছ॰ 25,881, (vi) ছ॰ 24,160
- 13. श्री कमानी पी० धार०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड बम्बई।
- (i) হি০ সাত ৭০, (ii) 1973-74, (iii) চ০ 12,55,400, (i) ছ০ 13,37,153, (iv) চ০ 25,115, (vi) ছ০ 23,854 ।
- (ii) 1974-75, (iii) to 10,52,600, (iv) to 12,89,008, (v) to 48,120, (vi) to 29,209 i
- 14. श्री कमानी श्रार० एच०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (i) हि॰ प्र० प॰ (ii) 1973-74 (iii) হ॰ 17,56,000 (iv) হ॰ 18,67,820, (v) হ৹ 59,426, (vi) হ॰ 52,981।
- (ii) 1974-75, (iii)  $\epsilon$ 0 15,48,400, (iv)  $\epsilon$ 0 18,87,202, (v)  $\epsilon$ 0 95,976, (vi)  $\epsilon$ 0 68,870  $\epsilon$ 1
- 15. श्री कमानी श्रार० श्रार०, कमानी चैम्बर्स, 32, निकोल रोड, बम्बई।
- (i) हिं० শ্ব০ प० (ii) 1973-74, (iii) ह० 12,74,300, (iv) ६० 13,73,305, (v) ६० 26,199, (vi) ६० 25,119।
- (ii) 1974-75, (iii) to 11,12,000, (iv) 30 13,57,394, (V) to 53,592, (Vi) to 37,0201
- 16. श्री मगनलाल सी० कापिइया, 391, लिकिंग रोड, खार, बम्बई।
- (i) ध्य॰, (ii) 1970-71, (iii) फ० 8,08,660, (iv) फ० 10,18,120, (v) फ० 7,453, (vi) कुछ नहीं।

- 17. जी मैन्यूश्रल मींडिस, 15, हयूजैस रोड, बम्बई।
- (i) ভ্ৰ্মণ, (ii) 1971-72, (iii) ছ০ 14,11,915, (iv) ছ০ 18,36,430, (v) ছ০ 40,824, (vi) ছ০ 40,824,
- 18 श्री शाह एम० जे०, 25व, पोव्दार चैम्बर्स, एस० क्रेलबी रोड, बम्बई।
- (i) न्य, (ii) 1971-72, (iii) रु० 1,29,889 --(घाटा), (iv) रु० 10,77,816, (v) रु० 16,124, (vi) कुछ नहीं।
- 19 श्री णाह समीर पी०, मार्फत मै० इन्डो फैन्च टाइम इन्ड० लि०, 12, उद्योग नगर, एस० बी० रोड, गौरेगांव (प०) बम्बई।
- (i) ব্যুক্ত, (ii) 1971-72, (iii) ছ০ 25,40,070, (iv) ছ০ 25,43,880, (v) ছ০ 76,200। (vi) ছ০ 76,200।
- (ii) 1972-73, (iii) হ০ 24,89,162, (iv) হ০ 24,89,177, (v) ६০ 1,09,138, (vi) হ০ 71,067, (ii) 1973-74, (iii) হ০ 24,84,279, (iv) হ০ 24,83,570, (v) হ০ 1,08,690, (vi) কুন্ত नहीं।
- (ii) 1974-75, (iii) হ০ 25,68,790, (iv) হ০ 24,61,850, (v) হ০ 1,06,940, (vi) कुछ नहीं। (बचाव निर्धारण)।

सं० आर० 18/77-78—जबिक केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि जिन निर्धारितियों पर निम्निलिखित कारणों के लिए 1-4-1976 से 31-3-1977 की अविधि के दौरान लगाई गई शास्ति (पैनल्टी) 5000/- रु०से कम नथी, उनके नाम व अन्य सम्बन्धित ब्यौरे प्रकाशित करना जनहित में जरूरी और सम-योजित है:—

- (क) श्राय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशगी कर का ऐसा श्रनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि वह श्रसत्य है,
- (ख) श्राय विवरणी दाखिल न करने या देरी से दाखिल करने प्रथवा लेखा बहियां प्रस्तुत न करने के लिए,
- (ग) कर न चुकाने के लिए,

ग्रीर इसलिए श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 287 द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि पूर्वोक्त निर्धारितियों के नाम श्रीर श्रम्य ब्यौरे प्रकाणित किए जाये, तबनुसार उन्हें एतद्द्वारा यहां संलग्न श्रनुसूची I, II ग्रौर III में प्रकाणित किया जाता है जिसके साथ (1) हैसियत 'व्य'—व्यक्ति के लिए, 'क'—कम्पनी के लिए, 'फ' —रजिस्ट्रीकृत फर्म के लिए, 'क्य स०',

---व्यक्तथों के संगठन के लिए, (2) निर्धारण वर्ष भौर (3) लगाई गई शास्ति की रकम भी दिखाई गई है।

## अनुसूची----I

ऐसे निर्धारिती जिन पर आय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशगी कर का ऐसा अनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि वह असत्य है, 1-4-1976 से 31-3-1977 की श्रवधि के दौरान लगाई गई शास्ति (पैनल्टी) 5000/- रु० से कम नथी और जिन मामलों में ऐसो शास्ति के खिलाफ श्रनुमत्य समय के श्रन्दर ध्रपील दायर नहीं की गई, या दायर की गई श्रीर मामले को श्रन्तिम रूप दिया जा चुका है।

- ा मै० अजय प्लास्टिक्स, मार्फत मै० लक्ष्मी बैगल इंडस्ट्रीज, 6 कार्टर रोड, बोरिवली (पू०), बम्बई। (i) फ., (ii) 1971-72, (iii) फ॰ 2,69,178, भागीदारों के नाम (1) श्री सी० पी० णाह, (2) श्री एच० पी० णाह व (3) श्री एस० बी० णाह।
- 2 श्री चरनिया फारोज इस्माइल 47, पायघुनी रोड, खड़क, बम्बई।
  - (i) 可, (ii) 1972-73, (iii) ぞ。 39,270
- 3 मै० कलौल बोन मिल्म, 47 पायधुनी रोड. खड़क बम्बई।
- (i) फ़0, (ii) 1972-73, (iii) रु० 75,500। भागीदारों के नाम (i) श्री फारोजग्रली इस्माइलभाई, (2) श्री इस्माइलभाई जमालभाई व (3) श्री शौकतग्रली इस्माइलभाई।
- 4 श्रो कापिश्चिया बाबूभाई लालजीभाई डेम्जहाउस, इंकलाब नेन गुलाब टकरा श्रम्बोली नवरंगपुरा, श्रहभदाबाद। (i) व्य०, (ii) 1970-71, (iii) रु० 11,000।
- 5. श्री करीन नसरुद्वीन, 61/1, बैतूल सिरुर, वार्डन रोड, बम्बई।
  - (i) অব০, (ii) 1971-72, (iii) ছ০ 1,19,030,
  - (ii) 1972-73, (iii) ₹∘ 31,800 l
- 6. मै० मगनजाल छगनलाल प्रा० लि०, गोवनपाड़ा गांव, मार्गिका (कारिडर) रोड, चैम्बूर बम्बई।
  - (i) कं0, (ii) 1967-68, (iii) रु० 1,00,000 निदेशक का नाम: श्री कांतिलाल एम० कापड़िया।
- 7. मास्टर पटेल श्रंशोककुमार एम०, श्रंपने कुवरती वारिस (मां) श्रीमती पटेल लीलावेन एम०, 67 सी० प्रदीप कुंज, वालकेश्वर रोड, बस्बई के माध्यम से।
  - (i) व्य $\circ$ , (ii) 1972-73. (iii) रू $\circ$  12,105।
- 8. मैं० रतलाम बोन एड फर्टिलाइजर कं०, 47 पायधुनी रोड, खड़क, बम्बई।
- (i) फ०, (ii) 1972-73, (iii) फ० 42,500। भागीवारों के नाम (1) फीरोजग्रली इस्माइलभाई, (2) श्री करीमभाई उस्माइलभाई व (3) श्री यौकतग्रली इस्माइलभाई।

- 9. मैं० स्ट्रैंच फाइबर इंडिया लि०, 20, हैम्स रोड, महा-लक्ष्मी, बम्बई।
  - (i) 本o, (ii) 1968-69, (iii) 表o 7,1631
- 10. मैं० स्ट्रैंचलोन, प्रा० लि०, बम्बई काटन मिल्स एस्टट, दत्ताराम लाड पथ, बम्बई।
  - (i) ずo, (ii) 1965-66, (iii) 页o 82,200,
- $\binom{(ii)}{1}$  1966-67,  $\binom{(iii)}{5}$  रु० 10,300 । निदेशक का नाम : श्री हरिकशोर जैन ।

# भ्रनुसूची—II

ऐसे निर्धारिती जिन पर आय विवरणी दाखिल न करने या देरी से दाखिल करने श्रयवा लेखा-बहियां प्रस्तुत न करने के लिए 1-4-1976 से 31-3-1977 की श्रवधि के दौरान लगाई गई शास्ति 5000/- रु० से कम न थी श्रीर जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर अपील दायर नहीं की गई या दायर की गई श्रीर मामले को अन्तिम रूप दिया जा चुका है।

- श्री श्रशरफुर्रहमान श्रजामुल्ला, रजब महल, 144, नवीन्स रोड, बम्बई ।
  - (i) ब्य॰, (ii) 1971-72, (iii) रू॰ 17,960 ।
  - (ii) 1972-73, (iii) to 10,460 t
- 2. श्री चरणिया फीरोज इस्माइल, 47, पायधुनी रोड खड़क, बम्बई।
  - (i) অবত, (ii) 1972-73, (iii) হত 6,472 ৷
  - (2) मैं कलोल बोन मिल्स, 47, पायधुनी रोड, खड्क, बम्बई।
    - (i) দি০, (ii) 1972-73, (iii) বৃত 6,695 ৷
- 4. मैं० खेमका एंड कं० (एजेंसीज) प्रा० लि०, 2 डी०, बल्कन इंग्र्योरेंस बिल्डिंग, बीर नरीमन रोड, बम्बई।
  - (i) कं०, (ii) 1973-74, (iii) ह० 12,460।
  - (ii) 1974-75, (iii) रु॰ 7,400।
- 5. मै० महेन्द्र इलक्ट्रिक वर्क्स, 25 बी, पोव्दार चैम्बर्स, एस० ए० क्रेलवी रोड, बम्बई।
  - (i) फo, (ii) 1972-73, (iii) रु० 10,640 ।
- 6. मै॰ मैडीकेम लेबोरेटरीज (प्रा॰) लि॰, बीच व्यू, भौपाटी सी॰ फेस, बम्बई।
  - (i) 南o, (ii) 1984-65, (iii) 夜o 7,935 l
  - (ii) 1965-66, (iii) to 12,958 |
  - (ii) 1969-70, (iii) to 11,970 |
  - (ii) 1971-72, (iii) रू० 33,656—धारा 271(i) (क)।
  - (ii) 1971-72, (iii) रू॰ 11,293 धारा 271 (1) (स)।
  - (ii) 1972-73, (iii) र 23,188।
  - (ii) 1973-74, (iii) হ০ 13,224।
  - (ii) 1974-75, (iii) to 6,512 |

- 7. मैं० राजपूताना टैक्सटाइस्स ऐजेन्सी प्रा० लि०, 346, हॉर्नेबी रोड, बम्बई।
  - (i) कं०, (ii) 1972-73, (iii) रू० 16,656।
  - (ii) 1973-74, (iii) to 17,062, 1
  - (ii) 1974-75, (iii) to 5,460 I
- 8. मै॰ रिलायबल ट्रेडर्स, 47, पायधुनी रोड, खड़क, बम्बई।
- (i) श्ररजिस्ट्रीकृत फ॰, (ii) 1972-73, (iii) ६० 8,83,637।
- 9. मैं० सरस्वती कामिशयल ट्रेडिंग कं० (प्रा०) लि०, मार्फत सरकारी समापक, बैंक श्रॉफ इंडिया बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, बम्बई।
  - (i) 崎o, (ii) 1972-73, (iii) も 8,328 1
- 10. मै० स्ट्रैंच फाइबर इंडिया लि०, 20 हैन्स रोड, महा-लक्ष्मी, बम्बई ।
- (i) कं०, (ii) 1968-69, (iii) रु० 21,013। श्रनुसूची—III
- े ऐसे निर्धारिती जिन पर कर न चुकाने के लिए 1-4-1976 से 31-3-1977 की भ्रवधि के दौरान लगाई शास्ति (पैनस्टी) ए॰ 5000/- से कम नथी, और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के भ्रन्दर कोई भ्रपील दायर नहीं की गई

- या लगाई गई शास्ति (पैनल्टी) के खिलाफ प्रपील दायर की गई भीर मामले को श्रन्तिम रूप दिया जा चुका है।
- श्रीमती ज्योत्स्ना विक्रमसिंह, (मृत श्री विक्रमसिंह गूरजी वल्लभदास की कानूनी वारिस), कच्छ कैसिल, 4थी मंजिल, श्रोपेरा हाउस, बम्बई।
  - (i) ব্ৰু০, (ii) 1973-74, (iii) হ০ 27,200 t
- 2. श्री शूरजी दिलीप वल्लभदास, कच्छ कैसिल, 4थी मंजिल, श्रोपेरा हाउस, बम्बई।
  - (i) 超0, (ii) 1973-74, (iii) 死0 27,900 t
- 3' श्री शूरजी दिलीप वल्लभदास,—मृत (श्रीमती) जग्नलक्ष्मी की संपदा के निष्पादक कच्छ कैसिल, 4थी मंजिल. श्रोपेरा हाउस, बम्बई।
  - (i) ब्य॰, (ii) 1972-73, (iii) रु० 6,800।
  - (ii) 1973-74, (iii) ह० 34,000 I
- 4. श्री शूरजी प्रताप वल्लभदास, कच्छ कैंसिल, 4थीं मंजिल, ग्रोपेरा हाउस, बम्बई।
  - (i) ब्य., (ii) 1973-74, (iii) . 27,300 I
- मै० यूनीवर्सल एजेंसीज, कच्छ कैसिल, 4थी मंजिल, ग्रोपेरा हाउस, बम्बई।
  - (i) फo, (ii) 1972-73, (iii) 页o 8,700 l
  - (ii) 1973-74, (iii) ह0 14,900 t

जे० सी० सूथर, ग्रायकर श्रायुक्त, (केन्द्रीय), बम्बई । प्रस्प भाई० टी • एन • एस •--

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जुलाई, 1978

सं० प्रजंन/1503-ए०/भेरठ/77-78/2025—अतः मुझे आर० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ ६० य प्रधिक है और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद स्रमुस्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता

श्रीविकारी के कार्यालय मवाना में, रजिस्हीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवित्यम तारीख 19-10-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) पौर मन्तरिती (प्रनरितियां) के बीत ऐसे पन्तरण के तिए तय पाया पावा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त मन्तरण निम्नति विदा गया है:---

- (ह) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मांध-नियम के मधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसा धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्त: भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् :--  श्री महेन्द्र सिंह एस० पुत्न लेखराज निवासी ग्राम खजुरी खलेयरपुर वर्तमान पता : ग्राम राजपुरा पो० खरसौदा, तह० व जिला मेरठ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शिवदत्त शर्मा पुत्र बहादुर शर्मा निवासी ग्राम खजुरी श्रालेयरपुर परणगना किडौर तहसील मवाना, जिला मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के सबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ल से 30 दिन की शविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बदा किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरक्टाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परि-माषित हैं वही मर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अम्**सूध**ो

कृषि भूमि 7 बीघा 2 बिस्वा 19 विस्वासी स्थित ग्राम खजुरी ग्रलेयरपुर तहसील मवाना जिला मेरठ 60000) में बेची गयी।

> श्रार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) (म्रर्जन रेंज), कानपुर ।

तारीख: 6 जुलाई, 1978।

मोहर :🌡

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 जुलाई 1978

सं० 13-म्रो०/म्रर्जन—मृतः मुझे म्रमर सिंह विसेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है,

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 578 साहूकारा बरेली का भाग है तथा जो साहूकारा बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई
है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक
(मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है —

- (क) मन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घछिनियम, के घछीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घर्य्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के प्रधीन निस्तिनिखत स्पक्तियों, प्रथीत् :-- साह जगदीश कुमार ग्रंग्रवाल,

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती श्रोमवती पत्नी केलाश नारायण

(भ्रन्तरिती)

- विकेसा (37 जी० के श्रनुसार )
   वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है
  - 4. श्रीकिशन लाल बार्षने जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह मुत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन का भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्थीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढों का, जो उक्स प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

मकान नं० 578 स्थित मोहल्ला साहूकारा वरेली का भाग तथा समपीत्त का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी० तथा सेल डी० में जोकि सब-रजिस्ट्रीर बरेली के कार्यालय में दिनांक 30-11-77 को दर्ज है

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 13-7-1978।

अरूप घाइ• टो० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनोक 12 जुलाई, 1978

निदेश सं० फीग्नार० 594/एसीक्यु० 23-1006/19-7/ 77-78—श्रतः मुझे डी० सी० गोयल

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्ष्पए से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी० एन सं० 1469 जमीन का व मकान (कुल माप 1015 वर्ग गज) है। तथा डो 58, श्रादर्ग सोसायटी, श्रथवा लारनस, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिष्ठकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन नवम्बर, 1977

पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संयापूर्वीक्त सम्पत्ति का जित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है

- (क) धन्तरण मे हुई किसो ग्राम की बाबत, उक्त प्रधितियल के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कना करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रस्य ग्रास्तियों को जिन्हें रारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्री ठाकुर भाई मगन लाल देसाई, भादर्श सहकारी गृह मठाली, भठवा लाइन्स, सूरत ।

(मन्तरक)

(2) श्री गौतम कुमार ठाकोर भाई देसाई, कुल मुखतार: ठाकुर भाई मगन लाल देसाई, श्रादर्श सहकारी गृह मंडली, श्रथमा लाइन्स, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पान लिखित म् किए जा सकीं।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो भौर पदों का, जा उक्त भिक्षित्यम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्** भूषी

श्रचल सम्पत्ति जो 1015 वर्ग गज जमीन व मकान है जिसका सी॰ एस॰ नं॰ 1469 है तथा जो 58, श्रादर्श सोसायटी श्रयवा लाइन्स, सूरत में स्थित र जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सूरत के नवेम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3042 में प्रदर्शित प्रदर्शित है ।

> (डी० सी० गोयल) सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-,II ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 12-7-1978।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मिन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० : 1811—यतः, मुझे बी० एस० घहीया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो 8-5, श्रीन पार्क, जलंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलंधर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत प्रधिक है, और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत सकत अधिनियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तिरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त भ्रष्टिनियम, की धारा 269-ग के भनु-परण में, में, उक्त श्रष्टिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थातः---4—176GI/78

- श्रीमती हरभजन कौर पुत्री उजागर सिंह, गांव, डाक घर : शंकर, तहसील नकोदर । (श्रन्तरक)
- श्री मेजर रिजन्द्र सिंह पुत्र श्री चरन सिंह, मंडी रोड, कपूरथला।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर दो में है। वह व्यक्ति, जिसके प्रिधिभोग में सम्पति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
  किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पब्यीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिनियम, के घड़्याय 20-क में परिभाषित है बढ़ी घर्ष होगा जो उस बड़्याय में दिया गया है।

## अमुसूची 🕝

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4832 नवम्बर 1977, को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जलंधर में लिखा है।

> वी० एस० दहीया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलंधर

सारीख:: 11-7-78

#### प्ररूप नाई• टी• एन• एस•---

आयकर भिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीम सूचना

#### भारत सरकार

गर्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालंधर जालन्धर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 1812---यतः मुझे बी० एस० दहिया,

म्नापकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय को बाबन उक्त श्रिष्ठिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्म भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धन-कर भिक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थं भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिन्नियम की घारा 269-ए के भ्रनुसरण में। में, उक्त भिन्नियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री संता सिंह पुत्र साधु सिंह, बस्ती शेख, जालन्धर

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) सुरिन्दर कौर पत्नी जसबीर सिंह
  - (2) सुदर्शन कौर पत्नी लखबीर सिंह
  - (3) महिन्द्र कौर पत्नी, राजिन्द्र मिह वासी न्यू जवाहर नगर—जालंधर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है।
   बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है सेकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, ओ उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

मकान जैसा कि विलेख नं० 5043, नवम्बर, 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया स**क्षम प्राधि**कारी सहायक स्रायकर स्रायु**क्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-7-78

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एम • एस •--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जलन्धर

जलंधर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं०-1813, यत मुझे, बी० एस० दिहया,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू जवाहर नगर, जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से मधिक है घौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घौर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त यिधनियम के भ्रधीन कर देने के घ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपद्वारा (1) के मधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्चीत्:——  श्री हाकिम सिंह पुत्र जै सिंह, (2) ग्रमृत सिंह पुत हाकिम सिंह 328 ग्राविंश नगर-जलंधर ।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती श्राणा शर्मा पत्नी श्रार० के० शर्मा (वकील)
 455-ए०, न्यू जवाहर नगर-जलंधर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 मे ऊपर है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अग्नि-नियम के प्रध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 5155 नवम्बर-77 को रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी जलंधर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जलंधर

तारीख : 11-7-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी०-257/भटिंडा/78-79:--यतः, मुझे, श्रो० पी० मदान ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत मञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोट शमीर में स्थित है (भीर इससे उपाग्वत प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इत्प से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देन के भ्रन्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः—  श्री गज्जन सिंह पुत्र रुड़ सिंह गांव कोट शमीर जिला भटिडा।

(मन्सरक)

 सज्जन सिंह पुत्र वरियाम सिंह गांव सुंगबाली जिला, भटिंडा ।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )।

को यह सूचना, जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति ढारा, ग्रिघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोट समीर में 62 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 4238 नवम्बर 1977 में लिखा है । रजिस्ट्रीकर्सा मधिकारी भटिंडा ।

> श्रो० पी० मदान सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 22-6-1978

प्ररूप ग्राई० टी • एन० एस०—

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन युचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भटिडा

भटिंडा, दिनाक 22 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी० 258/फरीदकोट/78-79:—यतः मुझे, स्रो०पी०मदान,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम', कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान भ्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान भ्रतिफल

का परवह प्रतिशत से मिधिक है भीर भन्तरक (भन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी बाय या किनी घन या अन्य ब्रास्तियों वो, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--  श्री विरयाम सिंह पुत्र मल्ला सिंह पुत्र जवाहर सिंह गांव रामपुर जिला जीद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री लाभ सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह वासी फरीदकोट ।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारें में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

क्को यहसूचनाज।री करके पूर्वीक्त पम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्उत सम्पत्ति के अपजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---(क) इस सुबना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से

- ) इस सूचना के राजपक्ष मंप्रकाशन का ताराखा स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पहों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

फरीदकोट में 52 कनाल 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2794 दिसम्बर 1977 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फरीदकोट में लिखा है।

> श्री० पी० मदान सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भटिडा।

तारीख: 22-6-1978.

प्रकप धाई • टी • एन • एस •--

मामकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 प (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>प्रर्जन रेंज, भटि</mark>डा

भटिडा, दिनांक 22 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी० 259/फिरोजपुर/78-79:—यतः मुझे, श्रो०पी० मदान,

भायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६५ए से भ्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु हरसहाए में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखिन में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिष्ठी कर देने के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रस्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घम-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्निए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ए के अयुसरण में, में, उस्त प्रश्चिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निजिखित व्यक्तिमों, ग्रथित :--  श्री प्रजैब सिंह, सुहेल सिंह, पुत्रान उत्तम सिंह पुत्र वसाखा सिंह गांव मोढ़ौ वाला जिला फिरोजपुर ।

(भ्रन्तरिती)

 संतोख सिंह, फोजा सिंह पुत्रान सीदागर सिंह पुत्र चन्दा सिंह गांव मोढ़ाँ वाला ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

े उक्त सम्पत्ति के **भर्जन** के संबंध में कोई भी खाक्षेपः

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी क्यक्ति में पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गुरु हरसहाए 76 कनाल 18 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1430 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> श्री० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर धायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978.

प्ररूप थाई• टी• एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के मधीन सूचमा

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> भ्रजीन रेंज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 260/फिरोजपुर,/78-79:—यतः मुझे, स्रो० पी० मदान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गुरु हरसहाए में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रज, उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निक्रनिखित व्यक्तियों. धर्षात: ---  श्री बगीया सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र गुरिदत्त सिंह वासी गुष हर सहाए तहसील, फिरोजपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चावला मोटर कं० जलंधर श्री सुरिन्दर कुमार , कृष्ण लाल, कशमीरी लाल पुत्रान माघी मल पुत्र सरदारी लाल वासी, जलन्धर ।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भध्याय 20क में परिमा-धित हैं, बही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अ**नुसृ**ची

गुरु हर सहाए में 46 कनाल 18 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1461 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

> ग्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, स**हाय**क ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण),** स्रजैन रेंज, भटिंडा, ।

तारीख: 22-6-1978.

प्ररूप ग्राई• टी॰ एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सङ्खायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज, भटिंडा . भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए०पी० 26 1/एन० डब्लू० एस० / 78-79:—यतः मुझे, ग्रो० पी० मदान

स्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269य के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार मूल्म 25,000/- क॰ मे ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो पाली झिक्की में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और सन्तरक (भ्रम्तरकों) भीर धन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण न हुई किसी भाष की बाबत उक्त भरिधानियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविखा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें नारसोय याय-हर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर यापिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जनारिंगे तर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंश्रतः श्रब, उना प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उना अजिनियम को धारा 269-व की अपसारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्यस्नियों. अवांत ।——

 श्री मंगल सिंह पुत्र श्री बल सिंह गांव पाली झिक्कों तहसील नवां शहर ।

(भन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह पुत्र गुरिंदत्त सिंह ग्रीर सोहन सिंह लगकर सिंह, सतनाम सिंह ग्रीर संतोख सिंह पुत्रान सरवन सिंह गांव पाली झिक्की तहसील नवां ग्रहर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधीहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छी करण: -- इसमें प्रयुक्त गर्न्से ग्रीर पदों का, जो उका ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

#### समस्यो

पाली झिक्की गांव में 20 कनाल और 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 4469 मार्च 1978 रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

ग्रो० पी० मदान, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण).** ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 22-6-1978.

प्ररूप साई• टी० एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी०-262/भटिंडा/78-79:—यतः मुझे, प्रो० पीं० मदान,

रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें सके पश्चात् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख रू ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ; कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ० मे ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो झंडुवाला े स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में गिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्री-ग्ररण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, तारीख .सम्बर, 1977

बॉक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिज्ञ के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने
ज्ञ कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
सके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह्र
तिशत से प्रधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
क्षिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में
स्तिविक कप से कथिन नहीं कियागया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर्या
- (ख) ऐसो किसी श्राय या किनी घन या श्रम्य श्रास्ति हों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसाव श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया नाता चाहिए था, श्रियाने में मुविधा के लिए;

नतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण , मैं, जक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती गुरदयाल कौर पुत्री स्वर्ण सिंह पुत्र धर्म सिंह बासी गांव झंडुबाला तहसील भटिंडा। (नजदीक गोनि-याना) i

(भ्रन्तरक)

2. श्री संतोख सिंह, बलविन्द्र सिंह थ्रौर हरजिन्द्र सिंह पुत्रान जगजीत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह गांव झंडुवाला (नजदीक गोनियाना) तहसील, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जि

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में घची रखता है ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबब है ) ।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में होई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविष्या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी
  भविष्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्यब्दोत्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुमुखी

झंडुवाला गांव में 127 मकनाल 14 मरले जमीन जैमा कि विलेखनं० 4423 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

श्रो० पी० मदान, सक्षम श्राधिकारी, सहायक <mark>भ्रायकर भ्रा</mark>यु**क्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 22-6-1978

प्रस्प भाई० टी० एन० एस •~~

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून- 1978

निदेश सं० ए० पी०-263/भटिडा/78-79:—यतः मुझे, श्रो० पी० मदान,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो झंडुवाला में स्थित हैं।(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से घिष्ठक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में शक्तविक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्रिधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घत या ग्रन्थ थास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः भवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अमुसरण में में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्मनिवितं व्यक्तियों, वर्षात्।---

- श्रीमती गुरो पुत्री स्वर्ण सिंह पुत्र धर्म सिंह बासी गांव झंडुवाला (नजदीक गोनियाना) तहसील, भटिंडा । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री संतोख सिंह, बलविन्द्र सिंह ग्रौर हरजिन्द्र सिंह पुत्रान, जगजीत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह वासी झंडुवाला नजदीक गोनियाना, तहसील, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति

में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूत्रांका सम्पति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ें 45 दिन की मबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित, हैं, वही श्रयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

झंडुवाला गांव में 127 कनाल 15 मरले जैसा कि विलेख नं० 4422 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 22-6-1978

मोहर:

1(194 - 22—0—197 S प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश स० ए० पी०-264/कपुरथला/78-79:---यतः मुझे, स्रो०पी० मदान,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपुरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कपुरथला में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिष्टक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया चिया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कयित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-न के श्रनुसरण री, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत् :---

- 1. श्री मोहन लाल, सोहन लाल, हीरा लाल पुत्रान कांगी राम जिलाधीश की कोठी के सामने कपुरथला।
  - (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सत्या रानी पत्नी राम कृष्ण सामने, जिलाधीश की कोठी, कपुरथला ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाध-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भाषें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कपुरथला में 30 मरले का एक प्लाट जैसा कि विलेख न० 2592 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपुरथला में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा।

तारीख: 22-6-1978।

प्र∉प आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 22 जुन 1978

निदेश स०ए०पी०-265/एम०जी०ए०/78-79.—यतः, मुझे, ग्रो० पी० मदान,

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो इन्द्रगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नयम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई िहसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के असीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविसा के लिए; सौर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना 'वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः मब, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में मैं, उक्त प्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के ग्राचीन मिस्निलिखत व्यक्तिकों, ग्राचौत्:—  श्री बचन सिंह पुल मंगल सिंह पुल बघेल सिंह वाक्री इन्द्रगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलराज मिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र बियत्तर सिंह वासी मोगा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग सम्पत्ति है )।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम के भव्याय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं मर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

इन्द्रगढ़ गांव में 34 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 4216 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जीरा में लिखा है।

> ग्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 22-6-1978.

प्ररूप आई० टी० एन• एस•———

आयकर प्र**धिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के **प्रधीन सूचमा** 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिङा भटिङा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी०-266/एम०जी०ए०/78-79.—यत. मुझे, स्रो० पी० मदान.

भायकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से धिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा ओ इन्द्रगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐ । अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण स हुई िकसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधितियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम या धन-कर ग्रंधिनियम या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा क लिए;

ग्रतः प्रबं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्रलिखित व्यक्तियों, प्रयान् :— 1. श्री बचन सिंह पुत्र श्री मगल सिंह पुत बघेल सिंह बासी इन्द्रगढ ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलराज सिंह पुत्र बलवंत सिंह पुत्र बिचत्तर सिंह वासी मोगा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में घ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)।

को यह यूचना जारी हरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स≠पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की प्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
  ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति
  भें हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

इन्द्रगढ़ गांव में 34 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 4217 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> ग्रो०पी० मदान, मक्षम प्राधिकारी, स**हायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 22-6-1978

प्रकप माई० टी∙ एन० एस∙-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ(1) के भधीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा भटिडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 267/फिरोजपुर/78-79.—यतः मुझे, श्रो० पी० मदान,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधितियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीत सक्षम भिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ख० से भिधिक है

श्रोर जिमकी सं जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (अश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत जनन प्रधि-नियम के घंधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी कियी घाय या कियो घर या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रप्त: अत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के शतु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 थ की उपशास (1) के ग्रधीन निभ्नासिश्वत स्थक्तियों, प्रशिष्ट:— 1. श्री लाल सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, वीरो पुत्री सुन्दर सिंह पुत्र चत्तर सिंह वासी फिरोजपूर, मिटी ।

(अन्तरक)

2. (1) महताब सिंह पुत्र सता सिंह पुत्र दित्ता सिंह (2) हरभजन सिंह पुत्र ग्रात्मा सिंह पुत्र संता सिंह वासी गोबिन्द नगरी, फिरोजपुर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के <mark>प्रज</mark>ंग के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वडरीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रश्र्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस प्रथाय में दिया गया है।

# अनुसूची

निजामुद्दीन में 11 कनाल 13 $rac{1}{2}$  मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3686 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी **फिरोज-**पुर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

निदेश सं० ए० पी०-268/फिरोजपूर/78-79:--यतः मुझे,

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

ग्रो० पी० मदान, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-ग्रीर जिसकी सं० जैमा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मनसुर देवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसा किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों हैं को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त भविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित्:—  श्री रिखी राम पुत्न देवी चन्द, वेद व्यास पुत्न हंस राज सिरकी बजार, फिरोजपुर मिटी।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुखर्चैन सिंह, जरनैल सिंह पुतान मल्ल सिंह रोशन सिंह पुत्र राजिन्द्र सिंह, फिरोजपुर सिटी।

(भ्रन्तरिती)

3' जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मनसुर देवा में 46 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 3641 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

> श्रो० पी० मदान, स**क्षम प्राधि**कारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978

मोहरः

प्ररूप माई० टी∙ एन∙ एस∙———— भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण)

**प्र**र्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी०-269/एम जी ए/78-79:—यतः मुझे, ग्रो० पी० मदान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वाडा विरयाम सिंह वाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णस्प में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निच्चित में वास्तिविक कप ने कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुक्षिम के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

धता प्रव, उर्देन प्रधितियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, उर्देन प्रधितियम की धारा 269-च की तपधारा (1) के प्रधीन निम्नलियन व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री लाहमन निह पुत्र ग्रानीख सिंह वासी वाड़ा वरियाम सिंह वाला तहसील जीरा।

(भ्रन्सरक)

2. श्री बलजिन्द्र सिह पुत्र करनैल सिंह पुत्र लख्मन सिह ग्रौर गुरचर्ण सिंह पुत्र मंगल शिह पुत्र करनैल सिह वासी वाड़। वरियाम सिंह वाला ।

(भ्रन्सरिती)

3. जैमा कि न० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी ग्राधीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण :---इसमें प्रशुत्त शब्दों श्रीर पदों का, श्रो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उक्त श्रध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसू ची

वाड़ा विरियाम सिंह में 94 कनाल 12 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 5472 फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> स्रो० पी० मदान, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षक) भ्रर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 22-6-1978

## प्ररूप भाई०एन०एस०----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1 978

निदेश सं० ए० पी० 270/फिरोजपुर/78-79:——यतः मुझे, ग्रो० पी० मदान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/- द० से घष्टिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो धक काला सिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुरु हरसहाए में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत ृष्ठक्त प्रधिनियम के मधीन कर बेंने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भामकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम' या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रोधनियम की धारा 269च को उपध्नरों (1) के श्रधीन निम्नविधित व्यक्तियों, श्रवीत :→  श्री मुखत्यार सिंह पुत्र लाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह गांव चक काला सिंह तहसील गुरु हर महाए।

(ग्रन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र दर्शन सिंह पुत्र फुला मिंह गांव लाधुवाला उत्तर सहसील फाजिल्का ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बद्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकोंगे।

श्वच्छी करण : इसमें प्रमुक्त मन्दों घीर पदों का, जो उत्तत ग्राधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रायं होगा, जो उस ग्राध्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

चक काला सिंह में 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख न० 1291 दिसम्बर 1977 रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी गुरु हर सहाए में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्ष्म प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978

मोहर:

6-176GI/78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याचय, महायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भटिंखा

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेण सं०ए० पी०-271/एम० जी० ए०/78-79:—यतः मुझे, श्रो०पी० मदान,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रमुसूची में लिखा है तथा जो कोट इसे खान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकर्रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छइ प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिस उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिंविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिये;

शतः, प्रव, उका प्रवितियम की धारा 269म के धनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम, की धारा 269म की उपधारा (1) के धारी में, निम्नसिखित स्पित्सों स्वांतु:--- शी विजय कुमार पुत्र सत प्रकाश पुत्र लभु राम मुख्यत्यारे ग्राम श्री बलराज कुमार पुत्र सत प्रकाश पुत्र लभु राम गाव कोट इसे खान, तहसील जीरा।

(ग्रन्सरक)

 श्री बलदेव सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र गुरदित्त सिंह गांव गलोटी, तहसील जीरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना गारो करके पूर्वीश्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयें होगा, जो उस श्रध्याय में ,दिया क्या है

# अनुसूची

कोट इसे खान गांव में 27 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 5224; जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

> ग्रो० पी० मदान, मक्षम प्राधिकारी, **सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-78

प्ररूप अर्राई • टी० एन० एस •------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के मधीन सूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 272/नवां शहर/78-79: —यतः मुझे, श्रो० पी० मदान,

स्वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-स्व के प्रधीन सद्धम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है और जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो चरन गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के घल्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धनकर घिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मजिक्कि व्यक्तियों अर्थीव्ः—  श्रीमती चर्णा कौर पत्नी आसा सिंह श्रीर महिन्द्र कौर पत्नी भगत सिंह वासी भगांरा तहसील नशवां शहर जिला हुशियार पुर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चनन सिंह पुत दरबारा सिंह ग्रौर महिन्द्र कौर पत्नी चनन सिंह वासी चर्ण तहसील नवां शहर (हुशियार पुर)।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है) । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ब है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सर्केंगे।

स्वाचीकरण:--इसमें प्रमुक्त अन्यों धीर पर्वो कां, जो उक्त घड़ि-नियम के घड़्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

## प्रनुसूची

चरण गांव में 63 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलेख न॰ 4515 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> झो० पी० मवान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर आयुक्स, (निरीक्षण) झर्जन रेंज, भटिंडा

सारीख: 22-6-1978.

#### प्रकप माई• टी• एन• एस•---

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा,दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 273/नवाशहर/78-79:—यतः मुझे, ओ० पी० मदान,
श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
प्रधिक है भौर प्रन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरितो
(भन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या बन्य ब्रास्सियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में भूविधा के लिए;

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुगरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सकीन निरुनलिजित व्यक्तियों सर्थात् :--  श्री बृज रानी पन्नी हर प्रकाण वासी राहों तहसील नवांशहर।

(भ्रन्तरक)

- श्री शिगारा सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव जुंड मुजाना । (श्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
    45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
    किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
    लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्तर भछि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही भक्षे होगा, जो उस भ्रश्याय में विया गया है

### भ्रनुसूची

राहों गांव में 63 कनाल 8 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 4563 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गवां शहर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम श्रधिकारी, स**हायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6**-**1978.

## प्ररूप भाई० टी०एन० ०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक दिनांक 22 जून 1978

निदेश सं० ए० पी०-274/फिरोजपुर/78-79:यतः, मुक्षे, स्रो०पी० मदान,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बाधु वाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्ट्रुप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुरु हर सहाए में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिधिवियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—  श्री कुलदीप राज एडवोकेट पुत्र दिवान चन्द पुत्र सुन्दर दास वासी फिरोजपुर शहर द्वारा रुलदु राम पुत्र टहल सिंह गांव बाघुवाला तहसील, फिरोजपुर ।

(भन्तरिती)

2ू श्री बलवत सिंह पुत धारा सिंह पुत्र फतह सिंह गांव सुना कदीम तहसील, फिरोजपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के श्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, े वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

बघुबाला गांव में 62 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख न० 1476 दिसम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरु हर सहाए में लिखा है।

> स्रो०पी० मदान, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978

मोहरः

# प्राक्षप माई० टी० एत◆ एस◆-

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 22 जून 1978 निदेश सं० ए० पी०-275|फिरोजपुर/78-79ः—यतः मुझे, ग्रो० पी० मदान.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मोहन के उत्तड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुरु हरसहाए में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर (भन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसो माय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी वन या अन्य आस्तिनों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निशिवास स्थितियों, धर्षात्:—  श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री जगत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह वासी रोहतक रोड नई दिल्ली द्वारा गुरु गुरमीत सिंह पुत्र गुरु नरजीत सिंह वासी गुरु हरसहाए।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शमेर चन्द, चमन लाल, जगीर चन्द, बलदेव चन्द पुत्रान सुन्दर राम पुत्र चम्बा राम गांव नूरपुर सेठां। (ग्रन्सरिसी)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है) । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रविक नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूचो

मोहन के उत्तड़ गांव में 53 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1401 दिसम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुरु हर सहाए में लिखा है।

> ग्नो० पी० मवान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), भ्रजीन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22 जून 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269∸ष (1) के ग्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक द्यायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 22 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी० 276/फिरोजपुर/78-79:—यतः मुझे, श्रो० पी० मदान,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रूपये से प्रधिक है,

भीर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

नवम्बर, 1977

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप के कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अव, उक्त धिवियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के मिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मात !--- श्री श्रमरीक सिंह पुत्र बेदी शेर सिंह पुत्र बेदी गंगा राम, झोक रोड, फिरोजपुर कैट।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राजिन्द्र कौर पुत्री सन्त सिंह सयाल, झोक रोड, फिरोजपुर कैंट ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

जो व्यक्ति सम्पित में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्नितियम के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

मान्हु रोड फिरोजपुर में 9 कनाल 1 मरला 7 सरसाई जमीन जैसा कि विलेख नं० 3722 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> स्रो० पी० मदान, सक्षम श्रधिकारी, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेंज, फिरोजपूर

तारी**ख**: 22-6-1978.

प्ररूप भाई • टी • एम • एस • →-

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की खारा 269-च (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिडा, दिनांक 22 जुन, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 277/कपूरथला/ 78-79:—स्तः मुझे, स्रो० पी० मदान,

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के श्रश्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ष 25,000/- द॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए मन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिये तस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उपत भन्तरण लिखित में बास्तिक्त, कम के कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रिष्ठिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किमी वन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या घम-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रम, उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त ग्रिमियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:—  श्री मोहन लाल, सोहन लाल श्रीर हीरा लाल पुतान दीवान कांगी राम, जिलाधीश के मकान के सामने कपुरथला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चर्णजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह और दिवन्द्र कौर पत्नी गुरदीप सिंह जिलाधीश की रिहाइश के सामने।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के सिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य अपनित्र द्वारा, भ्रभोहस्साक्षरी के पाख जिबात में किए बा सकेंगें।

स्पक्की करक: --इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिणाबित है, नहीं भर्ष होना, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

कपूरथला में 1 कनाल 8 मरले का एक पलाट जैसा कि विलेख नं० 2881 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> स्रो० पी० मदान, सक्षम स्रधिकारी, स**द्वायक घायकर घायुक्**स (निरो**क्षण**) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 22-6-1978.

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एम०----

भ्रायकर प्रधिनिग्नम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 26 जन 1978

निदेश सं० ए० पी० 278/एच० एस० श्रार०/78-79:—— यतः मुझे, श्रो०पी० भदान,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बलाचौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, बलाचौर में रजिस्ट्रीकरण भिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर यह कि धन्तरक (प्रन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, मैं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:— 7—176GI/78  श्रीमती गांति देवी विधवा गाम लाल गांव बलाचीर जिला हुशियारपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरबंस सिंह पुत्र जगत सिंह गांव दारापुर तहसील गढ़ शंकर जिला हिशायारपुर ।

(भ्रन्तिरती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन ही श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय म दिया गया है।

### अनुसूची

बलाचौर में 49 कनाल 17 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं॰ 1521 जनवरी, 1978 में लिखा है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बलाचौर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 26-6-1978.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 279/नवां शरह/78-79 — यत मुझे, ग्रो० पी० मदान,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से ग्रंधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से घिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए मा, छिपानें में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रतु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नश्विवित स्पक्तियों, प्रथात्:—- 1. श्री विशवा मित्र पुत्र मेला राम, शकुन्तला रानी पुत्री बसन्त राम, सुदर्शन कुमारी उर्फ दर्शना कुमारी पुत्री राम प्यारी श्रीर बलदेव राज पुत्र राम प्यारी गांव राहों तहसील नवां शहर।

(भ्रन्तरक)

 श्री दिलबाग सिंह पुत्र बख्शी सिंह गांव राहों तहसील नवां शहर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्सि, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

ृको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न का किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धाध-नियम के धड़पाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

राहों गांव में 25 कनाल जमीन जैसा कि विलेख विं 4199 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

म्रो०पी० मदान सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 22-6-1978.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

बायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 म (1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 280/फिलौर/78-79 — यत मुझे, श्रो०पी० मदान,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शमसा-बाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिक् नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, में, उन्त मधिनियम की घारा 269-च की उपजारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।⊶∽  श्री दलीप सिंह पुत्र व धावा सिंह पुत्र नरायण सिंह गांव गमसाबाद तहसील नकोदर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री फुमन सिंह पुत्र अत्तर सिंह (2) हरभजन सिंह, चर्ण सिंह ग्रौर महिन्द्र सिंह पुत्रान लाल सिंह पुत्र ग्रत्तर सिंह गांव फतहपुर तससील फिलौर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओ प:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

# सनुसूची

शमसाबाद गांव में 32 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 3811 जनवरी, 1978 ररजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> श्लो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 26-6-1978.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्र श्रर्जन रेंज, भटिडा भटिडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश स० ए०पी० 281/फिलौर/78-79—यत , मुझे श्रो०पी० मदान,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से ग्रिधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो फतहपुर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1978

मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भिष्ठिनियम के श्रश्चीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों

  को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम
  या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ भन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं
  में सुविधा के लिए;

अतः बन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त धिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री सोहन सिंह पुत्र सुन्दर सिंह वासी फतहपुर तहसील फिलौर

(भ्रन्तरक)

 श्री तरसेम सिंह, जसवन्त सिंह स्रादि पुतान राम सिंह वासी कुकड़ पिड जिला जलन्धर

(भ्रन्तरिती)

- .3. जैसा कि नं० 2 में है।
   ं (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हनक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भ्राषित हैं, बद्दी भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

फतहपुर गांव में 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 4002 जनवरी, 1978 रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> ग्रो० पी० मदान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 26-6-1978 ।

### प्रकप माई • टी • एन • एस • —

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 26 जून, 1978

निदेश सं० ए० पी० 282/फिलौर/78-79---यत, मुझे

ग्रो० पी० मदान, आंधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रानुसूची में लिखा है तथा जो गना पिंड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप

से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फिलौर में

रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1978

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिबन व्यक्तियों, अर्थात्।---

 श्रीमती रतनी विधवा धनी पुत्र ज्ञान वासी गना पिंड तहसील फिलौर।

(ग्रन्तरक)

 श्री मंगल सिंह पुत्र रोडा सिंह गांव गना पिंड तहसील फिलौर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग से संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ती में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यन्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्यविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त स्रिधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गना पिंड गांव में 32 कंनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3846 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फिलौर में लिखा है।

श्रो० पी० मदान सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भागकर भायुक्त (निरीक्षण),** ग्रजॅन रेंज, भटिडा ।

तारीखः 26जून, 1978। मोहरः प्ररूप भाई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 26 जून, 1978

निदेश सं० ए०पी० 283/होशियारप्र/ 78-79--यत ,

मुझे ग्रो० पी० भदान

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु∙ से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है । तथा जो होशियार पुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उत्सके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इस्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (बा) ऐसी किसी आयया किसी घनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः ग्रब, उक्त ग्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्वात्:--

1. श्री हेम राज पुत्र बैज नाथ पुत्र सीता राम द्वारा बैज नाथ हेम राज कनक मंडी होशियारपुर ।

(म्रन्तरक)

2. श्री डिपटी राम मरगाई पुत्र हंस राज पुत्र णिव राम मकान नं० बी० IV/420-ए०, महल्ला धुमारां, नई भ्राबादी, होशियारपुर।

(श्रन्तरिती)

3. जसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति,, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्बवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिके धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इप स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीसासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

ह्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# म्रनुसूची

घुमारां मुहल्ला हुशियारपुर में एक मकान जैसा कि विलेख न॰ 3183 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीखा: 26 जून, 1978।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय भटिंडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० ए०पी०-284/नवांगहर/78-79—यत , मुझे श्रो० पी० मदान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम भाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो ताजोवाल में स्थित है (और इससे उपाब क्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांगहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिशत से मिक्क है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरित्तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ति जिला उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखत में वास्त्रविक रूप से किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की नावत, उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या जससे बचने में मुनिधा के जिए; भौर/ण
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी अन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त ग्रिष्टिनियम भी धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिष्टिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन निक्विखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री कर्भ चन्द पुत्र मेला राम गांव ताजोबाल सहसील नयां शहर जिला होशियारपुर

(ग्रन्सरक)

 श्री सोहन सिह पुत्र सावण सिंह भ्रौर खरदेहड़ा जिला होणियारपुर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

हपब्छीकरण: इसमें प्रयुक्त भव्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ताजोवाल गांव में 36 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 4479 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> (ग्रो० पी० मदान) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रावुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख 26 जून, 1978। मोहर: प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, विनांक 26-6-1978

निर्देश सं०ए०पी० 285/एन डब्ल्यू एस/78-79---ग्रतः, मृझे, स्रो० पी० मदान, स्थान्त्र स्पिनियम् 1961 (1961 स्थ. 42) (स्थि स्पर्मे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो ताजोबाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नयांशहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक हथ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबन, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लि**ए**; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः भव, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, 'उन्त भविनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के बभीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात् :—  श्री कर्म चन्द पुत्र मेला राम गांव ताजोवाल तहसील नवां शहर जिला हुशियारपुर।

(श्रन्तरक)

2. श्री भोहन सिंह पुत्र सावण सिंह ग्रीर परसिनी पत्नी सोहन मिंह खरदेहड़ा जिला होशियारपुर। (ग्रन्तरिती)

जैसा कि उपर नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग
- में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किमी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम सिखित में किए जा मको।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रमुत्त गध्दों यौर पदों का, जो ग्रायकर अधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

# वन्सूची

ताजोबाल गांव में 77 कनाल 9 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 4568 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में लिखा है।

म्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भर्टिडा

तारीख: 26-6-1978

अधिक है

### प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

# 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्र, महारक श्रायक्षण आपुनत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 26 जुन 1978

निदेश सं० ए० पी० 286/नकोदर/78-79---यतः मुझे भ्रो० पी० मदान आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इ० से

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अदरामन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्रायकी वावत उनत मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के **मनुसरण** में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों मर्थात् :— 8—176 GI/78  श्री रसान लाल पुत्र नानक चन्द पुत्र पूर्ण चन्द गांव श्रदरामन तहरीान नकोदर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राम सरूप पुत्र दिवन्द्र दास पुत्र लाल चन्द गाव श्रदरामन तहसील नकोदर ।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)]
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति ये ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रष्मधिया तत्सम्बधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रष्मधि, जो भी भ्रष्मधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

ग्रदरामन गांव में 62 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं०2365 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नकोदर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, स**क्षम श्रधिकारी** महायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण**) श्रजन रेंज, भटिडा ।

तारीख : 26 जून, 1978। मोहर:

## प्ररूप बाई • टी • एम • एस • ---

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय भटिंडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० ए०पी०-287/नकोदर/78-79<del>-</del>-यतः, मुझे श्रो०पी० मदान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो उग्गी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ह्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निज्जित में वास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिष्टिनयम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम, या घन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त ग्रीधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रजीन निम्निशिषित व्यक्तियों भ्रचीत् :---  श्री बचन सिंह पुत्र सुदागर सिंह पुत्र नत्था सिंह गांव उग्गी, तहमील नकोदर।

(ग्रन्तरक)

- 2 श्री कुलबीर सिंह, सुखवीर सिंह, पुत्रान तारा सिंह,
  - (2) हरभजन सिंह पुत्र राम सिंह,
  - ( 3) गुरचरन सिंह पुत्र भजन सिंह पुत्र हरनाम सिंह गांव रहीम पुर तहसील नकोदर ।

(स्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्र<mark>िधभोग</mark> में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहण्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना अन्ति करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचिंगा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचिंगा की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों श्रीर पदों का, जो उसत श्रिधितयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वहीं शर्य होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

### श्रमुखो

उग्गी गांव में 35 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2394 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> ग्रो० पी० मदान, सक्षम श्रीधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीखाः 26 जून, 1978।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 26 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 288/जी० एस० ग्रार०/78-79— यतः मुझे श्रो० पी० भदान,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मोरावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गढणंकर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त शसम्पत्तं के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यम्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रीर अन्तरक (भन्तरकों) भ्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धता, धब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गुरिदयाल सिंह पुत्न चिन्ता सिंह गांव मोरा-वाली, मुख्त्यारे श्राम चिन्ता सिंह पुत्र जैमल सिंह जाट मोरावाली (ग्रव इंगलेंड में)।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दर्शन सिंह पुत्र ईशर सिंह पुत्र जस्सा सिंह गांव मोरावाली तहसील गढ़ शंकर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्ना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्र्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घ्रिध-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ध्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

मोरावाली गांव में 29 कनाल 12 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3168 फरवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी गढ़ शंकर में लिखा है।

> श्रो० पी० मदान, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 26-6-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

**बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की प्रारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भटिडा

भटिंडा, दिनाक 6 जुलाई 1978

निदेश स० ए० पी० 289/ए० बी० एच०/78-79--यत मुझे पी० एन० मिलक,
श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त ग्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मुल्य 25,000/- र० से ग्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी स० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जा खुब्बन में स्थित हैं (थ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में थ्रौर पूर्ण म्प से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी क कार्यालय भ्रबोहर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को र्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और प्रन्तरक (भन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप में किया नहीं किया गया है:--

- (क्त) ग्रश्नरंग सं हुई िहना अध्य की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देन के ग्रश्नरंग के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाप या किसी धन या भन्य भास्तियों रो, जिन्हें भारतिय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उन्न अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम का धारा 269-घ की सपधारा (1) के धरीन निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री डिकी राज (नाबालिक) पुत्न श्री विनोद कुमार, पुत्न गुलाब राए, वासी लाजपत नगर, श्रबोहर (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्यारा सिहं पुत्न मुख्त्यार सिहं पुत्न कर्म सिहं, 2 करतार सिहं, जरनैल सिहं पुत्नान कर्म सिहं पुत्र गरैंग सिहं, गांव सुब्बन, तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 भे है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यवितया पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दो और पद्यो का, जो उनत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सुब्बन गाव में 37 कनाल 8 मरले जमीन जैसा कि विलख नं 1678 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता श्रधि-कारी, श्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकरी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, भटिडा

तारीख 6-7**-**78 मोहर प्रसप आई० टी० एन० एस०------

# श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा; भटिंडा, दिनांक 11 जून 1978

निदेश सं० 257/78-79/जीरा---यतः मुझे पी० एन० मलिकः

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जीरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जीरा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य स कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नड़ी किया गया है:---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, जनत अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः **भव, उक्त मधिनियम को** धारा 269म के धनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269म की उपचारा (1) के **धधीन,** निम्नलिखित म्यक्तियों प्रार्थात् :---

- (1) श्री म्रोम प्रकाश पुत्र तेलू राग म्रोर श्रीमती फूलाँ देवी, पत्नी श्री सुरिन्द्र कुमार, जीरा (म्रन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री मुकन्द लाल, श्रीमती सन्तोष रानी पत्नी श्री तुलसी राम, श्रीमती ग्रमरजीत कौर वेटी श्री सतनाम सिह, जीरा (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नम्बर 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके क्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त भछ-नियम के श्रष्टयाय 20क में परि भाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भष्टयाय में दिया गया है।

# अनु सूची

जीरा में एक सिनेमा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4226 मिति नवम्बर, 77 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जीरा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, स**क्षम प्राधि**कारी, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, भटि<del>ड</del>ा

तारीख: 11-7-78

मोहर.

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 र्ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 11 जुलाई 1978

निदेश सं० 258/78-79/फिरोजपुर--यतः मुझे पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है ग्रौर जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर शहर में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नयम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उरेश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तविक हन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्त) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को वाबन, उक्त पश्चि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और∤या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्निकिखित व्यक्तियों अर्थात् ।---

- (1) श्री फकीर चन्द पुत्र श्री घुमंडी मल, फिरोजपुर शहर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री घुमंडी मल, मोरी गेंट के श्रन्दर, फिरोजपुर शहर (अ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नंबर 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फिरोजपुर में मोरी गेट के श्रन्दर एक कोठी जैसा कि विलेख नं० 3852 मिति नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रधिकारी (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिडा,

तारीख: 11-7-78.

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 घ (1) के ब्रधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1316/78-79/ 1701—श्रतः, मुझे एन० एस० चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है,

भ्रौर जिसकी संख्या 26/70 है तथा जो शक्ती नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26 नवम्बर, 1977 की

पूर्वोक्त अम्पत्ति के उचित बाजार तूम्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है भीर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रथं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के प्रकीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् —  श्री आर०पी० शर्मा, सुपुत्र पं० राम चन्द, निवासी 36, मोहन कोठी, श्रीनगर कालोनी, भरत नगर, के पास, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री राकेश मितल, सुपुत्र श्री बलोक चन्द, निवासी 5-एफ०, कमला नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को पह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

एक फी होल्ड प्लाट जिसका नं० 70, ब्लाक नं० 26 (26/70) है और क्षेत्रफल 176 वर्ग गज है, शक्ती नगर (रोशनग्रारा एक्सर्टन्शन स्कीम), दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :——

पूर्व : मकान नं० 26/69 पश्चिम : मकान नं० 26/60 उत्तर / लेन

उत्तर/ लन दक्षिण : रोड़

> एन० एस० चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 जुलाई, 1978।

प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०--

धायकर घ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269 घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यु०/2/1315/78-79/1701—श्रत, मुझे एन० एस० चोपड़ा, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 832 है तथा जो मोहल्ला जटवाड़ा, कुंचा पाती राम/दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रान्तरक (भ्रान्तरकों) भीर प्रान्तरितों (भ्रान्तरितों) के बीच ऐसे भ्रान्तरण के लिथे तम पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाव की साबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किती आय या किसी धन या भन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या, या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुविधा के खिये।

मतः भव, उक्त मर्धिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री लखमी चन्द निवासी 832, कुंचा पाती राम, बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरोज बाला पत्नी श्री रामेश्वर दयाल, निवासी 8987 सिश्रीपुरा करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

(1) सुभाष चन्द, (2) महेश चन्द, (3) राम धारी
जैन, (4) श्रोम प्रकाश, (5) मुकट बिहारी, (6)
राजिन्दर कुमार, (7) रामेश्वर दयाल,

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूवता अपरी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रर्शत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी आसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक तीन मंजिला जायदाद जिसका न० 832 तथा क्षेत्रफल 157 वर्ग गज जो कि मोहल्ली जटवारा, कुंचा पाती राम, दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरी हुई है —

उत्तर : दूसरों की जायदाद दक्षिण : दूसरों की जायदाद पूर्व : दूसरों की जायदाद पश्चिम : गली

> एन० एस० चोपड़ा सक्षम श्रधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज 2**, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 जुलाई, 1978

अ**क**प याई०डी०एन०एस०----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, विख्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /एक्यु०/2/1314/78-79/ 1701—म्रतः, मुझे एन० एस० चोपड़ा,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 6 है तथा जो बिरहमपुर, श्रीराम नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिज़स्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृहक से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर झन्तरक (झन्तरकों) और झन्तरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण जिल्लिख में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (वा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अफिनियम की घारा 269ग के अनुसरण ्गें, में उक्त अधिनियम की घारा 269घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निकित व्यक्तियों, धर्मीत्:— श्री चमन लाल पुत्र श्री नर सिंह दास
 196/ए०/6 श्रीराम नगर, इलाका णाहदरा,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती करतार कौर पत्नि श्री गुरबक्स सिह,
 2478/9, दासमेस, करोल बाग, नई दिल्ली-5 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के घर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजँन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब का किसी भ्रम्थ व्यक्ति क्वारा भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

200 वर्ग गज जमीन का प्लाट जिसका नं० 6 जो कि खसरा नं० 414 का हिस्सा है तथा बिरहमपुरी, श्रीराम नगर, इलाका शाहदरा दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुन्ना है ——

उत्तर: दूसरों की जायबाद। दक्षिण: जायदाद नं० 196/6-ए०

पूर्व: 15 फुट की गली पश्चिम: 20 फुट की गली।

> एन० एस० चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

**तारीख**ः 15 ज्लाई, 1977

मोहरः

9-176GI/70

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीकण)

ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1978

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/1313/78-79— श्रतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 23 म्यु० नं० 662-बी०/3 है तथा पंडित पार्क, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 8 नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्यति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तयपाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिधक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के भ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/ण
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, मा धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, जक्त प्रधिनियम, को धारा 269 व के बनुसरण में, में, जक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपद्यारा (1) के प्रधीन निम्निस्थित ध्यक्तियों, अर्थात्:——  श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री दुर्ग प्रसाद 662-बी०/3, पंडिस पार्क, घोंडली, शाहदरा, दिल्ली-51।

(भ्रन्तरक)

मै० बीज राज बुलाकी राम
 1809, कटरा बंसीधर खारी बावली,
 दिल्ली
 बारा श्री मोहन लाल, हिस्सेदार,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उश्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिमें हितव के किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अ**मुसूची**

एक मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 195 वर्गगज जोकि प्लाट नं० 23 म्युनिसिपल नं० 662/बी०-3 जो कि पंडित पार्क, घोंडली,-शाहबरा दिल्ली में निम्न प्रकार से घरा है —

उत्तर: दूसरों की जमीन

दक्षिण : सडक

पूर्व प्लाट नं० 22 पर बनी जायदाद पश्चिम: प्लाट नं० 24 पर बनी जायदाद

> एन० एस० चोपड़ा पहायक ग्रायकर भायुक्त (निरी**क्षण),** श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दल्ली-1

तारीख: 15 जुलाई, 1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनाक 12 जुलाई, 1978

श्रौर जिसकी संख्या डी० 16 है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भ्रष्टिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रघीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (आ) ऐंसी किसी भाय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ए की उपधारा (1) के भ्रजीन निश्निधिवत व्यक्तियों, अर्थात् —  श्री जगदीश लाल मेहता सुपुत्त श्री राम नाथ मेहता, निवासी: डी०-16, कमला नगर, दिल्ली। इनकी जनरल ग्रटारनी श्रीमती पुष्पा मेहता के द्वारा, पत्नी श्री मोहन लाल मेहता, निवासी डी०-16, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री रामेश कुमार मेहता तथा नरेश कुमार मेहता, सुपुत्र श्री मोहन लाल मेहता,

निवासी : 16-डी०, कमला नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

3. मै० गुप्ता इन्डस्ट्रीज

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी झन्य व्यक्ति द्वारा घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं डी०-16 का 1/2 हिस्सा जोकि 323 वर्ग गज क्षेत्रफल के ऊपर बना हुन्ना है, इसके पिछला हिस्सा जोकि दुर्मजिला है श्रीर साथ में मिन्नानी भी है, कमला नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: खुला

पश्चिम : जायदाद नं० 17-डी०

उत्तरः रोड़ दक्षिणः : सर्विस लेन ।

> एन० एस० चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I<sup>I</sup>, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 12 जुलाई, 1978

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के भ्रषीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उजिन बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 25/75 है तथा जो शक्ती नगर, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4 नवम्बर, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए, प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पख्यह प्रतिगत से प्रधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
  - (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय भायकर श्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम या घन-कर श्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः धव, उक्त अधिनियम की घारा 269-न के समुखरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निस्नशिखित व्यक्तिमों, अर्थीत् :---  श्री बूर चन्द, सुपुत्र लाला बहाली राम, निवासी कादर बिल्डिंग, मुकिम पुरा, मुन्यसिपल नं० 957, मलका गंज, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम किशन श्रग्रवाल सुपुत्त श्री किशन सरूप, निवासी 8247, न्यू श्रनाज मण्डी, फिलमिस्तान के पास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंत्ति के धर्जन के सिमें कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पाव
  लिखित में किए जा सकेंगे

स्पच्चीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ब्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

'प्लाट जिसका नं० 75, ब्लाक नं० 25 है श्रौर क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, शक्ती नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

् पूर्व : रोड़

पश्चिम प्लाटनं० 74

उत्तर : रोङ् दक्षिण : गली

> एन० एस० चोपज़ा स्थाम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12 जुलाई 1978

### प्ररूप माई० टी• एन० एस•----

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज 1, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एसं० म्रार०-1ाा/ 179/म्रक्टूबर-II (31)/78-79/1699—म्प्रतः भुझे, जे० एस० गिल

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीर नअन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्मिन, जिन्हा उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 39 है तथा जो लाजपत नगर-4 रिंग रोड, नई विल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 19 श्रक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिणा से प्रिकृत है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भविक् नियम के अभीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कार धिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उन्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरन में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः---  श्रीमती शिपरा घोष, पत्नी श्री० जे० घोष, निवासी ए०-40, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार गोयल, सुपुत्र श्री बिशन चन्द गोयल, निवासी : 2-फ्लेग स्टाफ रोड, दिल्ली । तथा श्री श्रोमेश कुमार गोयल सुपुत्र श्री प्रेम कुमार गोयल, निवासी कैथल रोड, पेहेवा, हरियाणा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उक्त भ्रक्षि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

बंगला जोकि 767 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० 39 है, लाजपत नगर-4, रिंग रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

> पूर्व : रोष्ट्र पश्चिम : सर्विस लेव उत्तर : प्लाट नं० 38

उत्तर: प्लाट न० ३४ दक्षिण: बंगला नं० ४०

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15 जुलाई, 1978

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०----म्रायकर भिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, दिक्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई, 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/जनवरी/1637 (38)/77-78/1703----- ग्रतः मुझे ए० एल० सूद धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है

**भौ**र जिसकी संख्या 21/60 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्बिधा के लिए;

अत: ग्रब, उक्त धिधनियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात:--

 श्री प्रेम कुमार नरूला तथा श्री सुभाष कुमार नरुला, सुपुत्नान श्री सोहन सिह नरूला, निवासी 41 तथा 29, नार्थ एवेन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. श्री मन मोहन सिंह, श्रवतार सिंह तथा सुरीन्द्र सिंह, सुपुत्नान श्री हरनाम सिंह, निवासी : 29/6, पंजाबी बाग, (ग्रन्तरिती)

नई दिल्ली ।

के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन को यह सूचना जारीकरके

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुधी

मकान जोकि 279.55 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० 21, रोड नं० 60, क्लास "डी०" में है, निवासी कालौनी पंजाबी बाग, मादीपुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

> पूर्व : रोड नं० 60 पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर: प्लाट नं० 19 पर मकान दक्षिण : प्लाट नं० 23 पर मकान

> ए० एल० सूद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 17 जुलाई, 1978

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस •---

श्रायक र श्रिशिन्यम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 29 जून, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/423—यत: मुझे एम० पी० वाशिष्ठ

. प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र रू॰ में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए०-28 व बी० 25 है तथा जो फतेहनगर, उदयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मावली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17 नवम्बर 1977

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्त्रह प्रतिशत मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मोर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है।——
  - (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उमर्प बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
  - (ख) ऐसी किनी प्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की श्रारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, धर्यात:—

- श्री गणेश लाल पुत्र श्री देवी लाल होंगड ग्राकोला । (ग्रन्तरक)
- श्री यशवन्त कुमार नाबालिग जिए पिता एवं संरक्षक श्री गोपीलाल जो ग्रग्रवाल निवासी फतहनगर तहसील मावली।
   (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दीं भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० ए०-28 एवं बी०-25 का हिस्सा जैसा कि उप पंजियक, मावली (उदयपुर) द्वारा कम संख्या 657/77 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भ्रौर मधिक विस्तृत रूप से विवरिणित है।

> एम० पी० वाणिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख**: 29-6-78

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जुलाई 1978

निर्देश सं० रा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/419—यतः मझे, एम० पी० वाणिष्ठ बामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28 नवम्बर, 1977

(1908 का 16) के अधीन ताराख 28 नवस्वर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का 
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके 
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमाभ प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत 
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) 
के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निस्थित 
उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कचित नहीं 
किया गया है:---

- (क) सन्तरम ते हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मिस-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में मुविधा के सिए:

धतः प्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269ग के **धनुसरण में**, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 भ की उपशारा (1) के ध्रधीन निम्मधिकित म्यक्तियों, प्रवृत्ति :--- (1) श्री सुन्दर लाल गोदिका पुत्र श्री कस्तूरजन्द गोदिका, निवासी बोरडो का रास्ता, जयपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भ्रोम प्रकाश कासट पुत्र नेनूराम जी, सी०-16, नई श्रनाज मण्डी, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्कोचरन:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम, के शब्दाय 20-क में यथा परिकाणित हैं, वही धर्म होगा, जो उस शब्दाय में विया गया है।

# **प्रमु**सूची

प्लाट नं ० 19, मधूबन कालोनी, रामपुरा रूपा, टोंक रोड के पास, जयपुर पर निर्मित मकान सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2248 विनांक 28-11-1977 पर पंजिबद्ध किय पक्ष में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> (एम० पी० वाशिष्ठ) सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ृैंश्वर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 4 जुलाई 1978।

प्रक्रप भाई० टी : एन० एस • -----

भायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जुलाई 1978

निर्देश मं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/420—श्रतः मुझे, एम० पी० वर्शिष्ठ श्रायकर ग्रिश्चिम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्चिम्म' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ३० से ग्रिषक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20 नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहय से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मृष्ट्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या सन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर झिंछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिंछिनियम या धन-कर झिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: प्रव उग्न ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रियीत्:—— 10—176GI/78

(1) श्री मुन्दर लाल गोदिका पुत्र श्री कस्तूर चन्द गोदिका निवासी बोरडी का रास्ता, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीण चन्द्र कासट पुत्र श्री नेनाराम जी कासट, निसी-15, नई ग्रनाज मंडी, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी ख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब क्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वां, मधोहस्ता अरी के पास लिखित में किये आ सकेंग।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्लाट नं० 19 पर निर्मित मकान सम्पत्ति का भाग, मधूबन कालोनी, रामपुरा रूपा, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 2250 दिनांक 28-11-1977 में पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> (एम० पी० विशष्ट) स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 जुलाई, 1978

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 जुलाई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा०ग्रर्जन/421—-यतः, मुझे एम० पी० विशिष्ठ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इक से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसा प्राय या किसी घर या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, स्थितने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—  श्री सुन्दर लाल गोदिका पुत्न श्री कस्तूरचन्द गोदिका निवासी बोरड़ी का रास्ता, जयपुर ।

(श्रन्तरक)

 श्री सोहन लाल कासट पुत्र श्री नेनूराम जी, सी०-6, न्यू श्रनाज मण्डी, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारीकरकेपृयों≢उ संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### प्रमुसूची

प्लाट नं० 19, मधूबन कालौनी, रामपुरा रूपा, टोंक रोड केपास, जयपुर, पर निर्मित मकान सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2249 दिनांक 28-11-1977 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाणिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)**, ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4 जुलाई, 1978।

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 4 जुलाई 1978

निर्देश स० राज०/सहा० ग्रा०/ग्रर्जन/422—यतः मुझे, एम०पी० वाशिष्ठ

गायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28 नवम्बर, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसो भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग कं प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात ~

- (1) सुन्दर लाल गोदिका पुन्न श्री कस्तूर चन्द गोदिका निवासी बोरडी का रास्ता, जयपुर । (स्रन्तरक)
- (2) श्री जेठमल कासट पुत्न नेनूराम जी, सी०-16, नई भ्रनाज मंडी, जयपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ता गरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन्न नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही शर्थ होगा नो उस प्रध्याः में दिया गया है।

### ग्रमुची

प्लाट न० 19, मध्वन कालोनी, रामपुरा रूपा, जयपुर पर निर्मित मकान सम्पत्ति में से हिस्सा, जो उप पंजियक जयपुर, द्वारा कमाक 2247 दिनाक 28-11-1977 पर पजीबद्ध विकय पद्म में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० व्यक्तिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 जुलाई, 1978।

### प्रक्ष प्राई• टी• एन• एस•---

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/425—यसः मुझे, एम०पी० विशिष्ठ

श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दं से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ए०-28 व बी०-25 है तथा जो पतेहनगर स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य पे कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे बक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है—

- (त) श्रन्तरण से हुई किसो प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी घन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त भविनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269 भ की उपधारा (1) के भवीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों भवीत्: --- (1) श्री मदन लाल (पागल) द्वारा संरक्षक श्री देवीलाल महाजन श्रीसवाल हीगड निवासी स्नाकोला तहसील कपासन जिला चित्तोडुगढ़।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुणवन्ती देवी पत्नि श्री पुरेशचन्द्र स्रग्रवाल, निवासी फतेहनगर, तहसील मावली । जिला चित्तोङ्गढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिर्धानियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० ए०-28 एवं बी०-25 पर स्थित मकान का भाग, जो मवाली तहसील में पतेहनगर में स्थित है श्रोर उप पंजियक मावली द्वारा कम संख्या 656 दिनांक 17 नवम्बर, 1977 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० विशव्छ, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 1 जुलाई, 1978

### प्रक्य भाई•टी•एन०एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 जुलाई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० श्रर्जन/7/424—श्रतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- ४० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए० 28 व बी० 25 है तथा जो पतेहनगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मावली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 नवस्वर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता श्रव, उक्त श्रीवितयम की घारा 269-ग के ग्रानुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के प्रधीन निस्मलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्.—-  श्री ग्रमृत लाल पुत्र श्री देवीलाल महाजन ग्रोसवाल हिंगद निवासी श्राकोला तहसील कपासन, जिला चित्तोङ्गढ ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सम्पत्ति देवी पत्ति श्री सत्यानारायण श्रग्रवाल, निवासी पतेहनगर, तहसील मावली, जिला उदयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.प. सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हिलबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रम्नोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० ए०-28 श्रीर बी० 25 पर पतेहनगर में स्थित मकान नं० सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजियक मावली द्वारा कम संख्या 765 दिनाक 18-11-1977 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० बाशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीख: 1 जुलाई, 1978।

### प्रारूप ग्राई० टी॰ एन० एस०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
यर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन 16
कोचीन, दिनांक 13 जुलाई, 1978

निदेश सं० एल० सी० 213/78-79—स्त. मुझे पी० श्रो० जोर्ज

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-छ० से अधिक है,

श्रौर जिसकी सं० प्रनुसूची के श्रनुसार है, जो द्रिवानड्रम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय शास्तमंगलम मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17 नवस्वर, 1977

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रात्मकल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से घधिक है और घन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथिन उही किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण ये हुई किया आय का बाबन उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ोसी किसी भ्राय या किसी धन या भरा ग्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्राधिनियम, या धनकर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अर्थ उक्त ग्रिधिनियम ही धारा 269-ग के **अनु**-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अथीत :-- 1. श्री सी० के० नारायणन नायडू,

(श्रन्तरक)

2. श्री षाजी बी० जोग

(भ्रन्तरिती)

की यह मूबना जारो करक (शीम प्रानि के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घनिध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की धन्नधि, जो भी धनिध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम मूचना के राजपत म प्रकाणन की तारीख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित भे किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परि-भाषित े, वही श्रर्थ होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### **श्रनुस्**ची

13.125 cents of land with building in Jawahar Nagar, Trivandrum vide Schedule to Document No. 2654/77.

पी० श्रो० जोर्ज सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 13 जुलाई, 1978

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकूलम, कोच्चिन-16

कोचीन, दिनांक 13 जुलाई, 1978

निदेश सं० एल० सी० 212/78---यत मुझे पी० ग्रो० जोर्ज यायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका बाजार मृह्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी संख्या ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो ट्रिवानडम में स्थित है (ग्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 7 नवस्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फन के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्नरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे नास्त्रविक रूप में कथिया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसो धन या अन्य आस्तियो को जिन्हे भारतीय भायकर ऋधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त प्रधितियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उका अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारत (1) के अधीन निम्नलिखित त्यक्तियों अर्थातु:---

1. श्रीमती सरोजिनी श्रम्मा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती (1) ग्रेम के उम्मन (2) एबी फिलिप

(श्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की धवंधि, जो भी धवंधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त ग्रिश्चितियम कं श्रह्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

13 cents 832 Sq. links of land with building vide Schedule to Document No. 2496/77.

(पी० ग्री० जोर्ज) सक्षम प्राधिकारी मह्(यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) राम अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 13 जुलाई, 1978।

### प्रकप माई० टी० एन० एस०-

### धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज बंगलूर का कार्यालय बंगलूर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निवेश सं० 62/13824/78-79/एक्यु०/बी०---यतः मुझे, जे० एस० राव

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६पए से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० पुराना सं० 458, श्रोर नया सं० 15 है तथा जो IV 'टी॰' ब्लाफ जयानगर, बेंगलूर-11 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नयानगर, बेंगलूर, दमताबेन सं० 1890/77-78 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5 नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या धन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्हारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: श्रव उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिम्नसिचित अ्यतियों अर्थीत्:— ा. श्री भ्रो० के० वेंककाटाचला बट्टी, पुन्न भ्रो० वेंककाटाचलामयह बट्टी, सं० 458/15, 18वीं मेन रोड, IV टी० $^{\prime\prime}$  ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

2. डाक्टर एम० पी० कुनाहल्ली, पुत्र पी० सी० कुनाहल्ली, सं० 94, IV 'टी०' ब्लाक, 16वी मेन रोड, 34, बी०, काम, जयानगर, बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो श्री शविध बाद में समान्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यक्ति में हिसबक्क किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पद्यों का, जो उक्त शक्षितियम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1890/77-78 तारीख 5 नवम्बर, 1977) सम्पत्ति मृतिसपल सं० पूराना 458 ग्रीर नया सं० 15, 18वीं मेन रो।, IV बी "टी०" ब्लाक, जटानगर, बंगलूर।

बानडारीम : पूरब ' साइट सं० 471

पश्चिम : रोड

उत्तर: साइट सं० 457 ऋौर दक्षिण: साइट सं० 469।

> (जे० एस० राव) सक्षम प्राधिकारी सहायक **गायकर श्रायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 11 जुलाई, 1978।

प्रकप माई • टी • एन • एस • ----

जायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269 (1) के समीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक प्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जुन रेंज बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 11 जुलाई, 1978

निदेश सं० 62/13868/78-79/ए० सा० कियो०/बी०---यत: मुझे जे० एस० राव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं013, MNKTH पुराना सं0 2493/2494 भीर नया सं0 2494 है तथा जो विनायाकानगर, दुमकुरटोन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्न रूप से वर्णित र), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दमकर दस्तावेज सं0 2666/77-78 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 2 नयम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारज है कि गंबापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्ष, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रविक्त है भीर अन्तर्क (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया बया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उन्त प्रक्षिनियम की बारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रक्षिनियम की बारा 269ण की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री जी० बी० सिददावीरयह पुल श्री वीराभदरयह
  - (2) श्रीमती गंगम्मा, पत्नी श्री जी० पी० सिददावी रयह स्रौर

- (3) कुमारी सुषीलम्मा)
- (4) कुमारी अनुसुया देवी
- (5) श्री रमेश
- (6) कुमारी सरवामंगला
- (7) कुमार श्रोवर कुमार (3) से (7) माइनर्स सब स्व० जयाम्मा के बच्चे श्रौर रेपरजनटेंड वर्ड फादर ग्रंड नयचुरल गारिडयन श्री जी० वी० सिददा-वी० रयह सब विनायकानगर टुमकर में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- (1) श्रीमती एस० शारदय्या
  पत्नी श्री जी० के० वेषागिरी,
  मालिक उडीपी क्रश्रणा भावन
  पिजगुराला विलेज, गुरजाला तालुक
  गुनेटूर डिस्ट्रीकट (ग्रो० पी०)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के लक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

### घनुसूची

(दस्तावेग सं० 2666/77-78 ता० 1 नवम्बर, 1977)। सम्पत्ति सं० 13 एम० एन० के० टी० एच० पुराना सं० 2493/2494 और नया सं० 2494 विनायकानगर, टुमकूर टौन।

बौनडारीस: पूरब: श्री जी० के० षेषागिरी की सम्पत्ति

पश्चिम : श्री एल० पदमाराध्

उत्तर: रोड ग्रीर

दक्षिण : श्री के० नारायना पट्टी की सम्पत्ति ।

जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 11-7-1978।

मोहर

11-176GI[78

### प्ररूप भाई० टी • एस० एस०---

### आयकर मिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज धारवाड़
धारवाड़-580004, दिनांक 7 जुलाई 1978

निदेश सं० 217/7-8-79/म्रर्जन म्रतः मुझे डी०सी०--राजागोपालन ,

श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- रू॰ से श्रीक है और जिसकी सं० एच० नं० 265 है, जो राय गांव में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मारगांव कैंट श्रंडर, डाकुमैंट नं० 987 दि० 29-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, 'उक्त ग्रीविनियम' के ग्रश्चीन कर देने के ग्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त प्रधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था विश्वा जाना चाहिए था, छियान में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रवं, उक्त ग्रिधिनियम की भारा 269-ग के ध्रनुकरण में, में उक्त ग्रीधिनियम की भ्रारा 269-ग की उपधारा (1) में के अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों प्रथित्--- चीमती मारिया जूलिया, डी० अश्र लोनी सिल्बा पावर श्राफ ग्रटोणीं : डॉ० एरिको दास डोरर्स संतान डा० सिल्बा, घर नं० 8, दामोदर कामर्स कालेज के सामने, बोडी, मारगांव (गोवा)। 2. श्री ग्रलेकजेंडर मेनिनी कनडेस, (श्रन्तरक) 4वां वार्ड, कोलवा, सालकेड (गोवा) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरचा:—इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रीध-नियम', के शब्साय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस शब्साय में दिया गया है।

#### अनुसुन्धी

स्थानिक फ्रास्ति रेवा गांव के यहां है। ग्रीर "फेसल" था "ग्रालेंम" के नाम से जाना जाता है। इसका सं० 265 सब खिवीजन नं० 1 एकन्न जगाही 957 स्कार मीटर है।

> डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्रधिकारी, सहामक श्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, धारवाड़ ।

तारीख: *7-7*-1978।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th June 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Jagdish Lal, Assistant Superintendent (Holl.) in the office of Union Public Service Commission to officiate on an ad loc basis as Section Officer (D.P.) in the Commission's office for the period from 19-6-1978 to 31-8-1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Dy. Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

#### New Delhi, the 30th June 1978

No. A38014/8/76-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri O. P. Gupta, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on ad-hoc basis, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th June 1978 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

P. N. MUKHERJEE,

Dv. Secv.

(Incharge of Administration), Union Public Service Commission.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT. OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

Now Delhi, the 6th July 1978

F. No. Λ-19021/7/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Tyagi, IPS (1964-Maharashtra) as Supdt. of Police in the Central Bureau of investigation (Special Police Establishment) with effect from the forenoon of 26.6.1978 on deputation basis and until further orders.

K. K. PURI, Deputy Director (A).

#### New Delhi, the 11th July 1978

No. Y-11/72-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation to the Central Burcau of Investigation the services of Shri Y. P. Sabharwal, Technical Advisor (Accounts and Income Tax) have been placed back at the disposal of Central Board of Direct Taxes with effect from the forenoon of 22.6.1978.

M. K. AGARWAL, Administrative Officer (A), Central Bureau of Investigation.

### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Delhi-110001, the 7th July 1978

No. D-II-1070/77-Fstt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mrs) Sushila Bagdi, JMO (GDO; Gd. II) of Group Centre CRPF Avadi (Madras) with effect from the afternoon of 6th May, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm).

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 5th July 1978

No. F—38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Hardwar Shri R. R. Bhardwaj relinquished the charge of post of Asstt: Comdt. CISF Unit, Bokuro Steel Ltd with effect

from the after-noon of 29th April, 1978 and assumed the charge of Asstt. Comdt, CISF Unit, BHEL (HEEP), Hardwar with effect from the fore-noon of 9th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Mukherjee, to officiate as Asstt: Comdt, CISF Unit, HFCL, Namrup (Assam) on ad hoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the forenoon of 25th May, 1978.

2. On transfer from Namrup Shri P. P. Mitra relinqhished the charge of Asstt: Comdt, CISF Unit, HFCL, Namrup (Assam) with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Luke to officiate as Asstt: Comdt, CISF Unit, Visakhapatnam Port Trust on ad hoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the forenoon of 26th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from ISRO Thumba Shri Inder Mohan assumed the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, BHEL (HEEP), Hardwar with effect from the forenoon of 24th April, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from CISF Unit, HMT, Srinagar, Shri J. R. Gupta assumed the charge of the post of Assistant Commandant (Recett), CISF HQrs, New Delhi with effect from the Fore-noon of 29th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Calcutta Port Trust, Shri K. P. Nayak assumed the charge of post of Assistant Commandant, CISF Unit, FCI, Newjalpaiguri with effect from the afternoon of 6th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri L. V. Joseph to officiate as Assistant Commandant, CISF Unit, ISRO Thumba on adhoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the afternoon of 25th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Jauhal to officiate as an Asstt: Commeasant, CISF Unit, IOC, Barauni on ad-hoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the Fore-noon of 28th May, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri N. G. D. Gupta to officiate as Asstt: Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia on adhoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the forenoon 25th May, 1978.

#### The 6th July 1978

No. E-32015(1)/4/78-Pers.—On expiry of his term of reemployment in the CISF, Lt Col S S Deshpande (Retd.) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, FCI (now RCF), Trombay on 18.5.78 (A.N.).

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Barauni Shri Ashok Darbari, IPS assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the forenoon of 5th June, 1978 and relieved Lt Col, S. M. Lal with effect from the same date.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Pimpri Shri V. K. Agnihotri, IPS assumed the charge of Group Commandant CISF, Bombay with effect from the afternoon of 15th May, 1978.

R. C. GOPAL, Inspector-General.

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th July 1978

No. 10/13/76Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri D. P. Khobragade as Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis, in a temporary

capacity in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra at Bombay, with his headquarters at Bombay, with effect from the forenoon of 15th May, 1978, until further orders.

No. 11/1/77Ad I.—The President is pleased to appoint Shri B. D. Sharma, an Office Superintendent in the Office of the Director of Census Operations Himachal Pradesh, and presently working as Assistant Director of Census Operations, on *ad-lioc* basis in the office of the Director of Census Operations, Chandigarh UT at Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Chandigarh UT at Chandigarh, with his headquarters continue to be at Chandigarh, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 27 May, 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Majumdar, an Office Superintendent in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, and presently working as Assistant Director of Census Operations, on ad-hoc basis in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh at Lucknow, as Assistant Director of Census Operations, Uttar Pradesh at Lucknow, with his headquarters continue to be at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 27 May, 1978, until further orders.

No. 11/1/77-Ad-1.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Pathak, Office Superintendent in the Office of the Director of Census Operations, Bihar at Patna, as Assistant Director of Census Operations, on regular basis, in a temporary capacity, in the Office of the Director of Census Operations, Manipur at Imphal, with his headquarters at Imphal, with effect from the forenoon of 31 May, 1978, until further orders.

#### The 10th July 1978

No. 2/1/75Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Dange, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations. Tamil Nadu & Pondicherry and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad hoc basis in the Office of the Director of Census Operations, Sikkim at Gangtok, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Sikkim at Gangtok, with his headquarters continue to be at Gangtok, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75-RG(Ad.1).—The President is pleased to appoint Shri M. Thangaraju, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Kerala, and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu & Pondicherry at Madras, as Deputy Director of Census Operations in the office of the D.C.O., Tamil Nadu & Pondicherry, at Madras, with his headquarters continue to be at Madras, on regular basis, in a temporary capacity, with effect for the forenoon of 5 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Singh, Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Orissa, and at present working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the Office of the Director of Census Operations, Delhi, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Delhi, with his headquarters continue to be at Delhi, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 5 June, 1978, until further orders.

No. 2/1/75Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Rajendran, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka and at presen working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, in the Office of the D.C.O., Goa, Daman & Diu at Panaji, as Deputy Director of Census Operations in the office of the D.C.O., Goa, Daman & Diu at Panaji, with his headquarters continue to be at Panaji, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th June, 1978, until further orders.

No. 10/23/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Kathuria, Investigator in the office of the Registrar General, India at New Delhi, as Research Officer in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of six months with effect from 24 May, 1978 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

No. 10/23/77-Ad,I.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Chaturvedi, Investigator in the office of the Registrar General, India at New Delhi, as Research Officer in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of six months with effect from 24 May 1978, or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

No. 10/23/77-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Pandey, Investigator in the office of the Registrar General India at New Delhi, as Research Officer in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of six months with effect from 24th May, 1978, or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

P. PADMANABHA, Registrar General, India.

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

#### BANK NOTES PRESS

Dewas, the 8th July 1978

Tile No. BNP/E/Spl/34.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 22-8-76, the deputation of Shri C. N. Laxman Rao as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) is extended upto 16-2-78 on the existing terms and conditions.

P. S. SHIVARAM, GENERAL MANAGER.

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE A.G.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 6th July 1978

No. Admn.I/5-5/Promotion/77-79/0.0,179/593.—Shri Brij Bhushan, an officiating Accounts Officer of this office has retired from Govi. Service, Voluntarily, with effect from 30.6.78 (AN) after completion of 20 years qualifying service, in terms of G.I. Ministry of Home Affairs O.M. No. date of birth is 17.10.1928.

Shri Bhushan entered Govt. Service on 11.5.1949 and his date of birth is 17.10.1928.

No. Admn.I/5-5/Promotion/0.0-180/595.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri R. C. Sharma, a permanent Section Officer & officiating Accounts Officer, of this office has retired from Govt. service in the after-noon of 30th June, 1978.

His date of birth is 12.6,1920.

Sd. ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH-I,

Allahabad, the 29th June 1978

No. Admn.J/11-144(XIV)/68.—The Accountant General, U.P.-I, Allahabad has appointed Sri Daya Nand Joshi, Section Officer to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from 5.6.1978 F.N.

U. RAMACHANDRA RAO, Sr. Deputy Accountant General(A).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 6th July 1978

No. Admn.1/60(57)/78-79/1428-29.—The Accountant General Jammu & Kashmir has appointed Shri Bansi Lal Chaku (Date of birth 22-1-1933) a permanent section officer of this office, to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 3rd July, 1978 until further orders.

M. M. MUBARAKI,

Sr. Deputy Accountant General (A&E).

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 24th June 1978

No. FSI/A4/78-79/211.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent/officiating Section Officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of their semors, if any, with effect from the date of their taking charge.

S/Shri

- 1. R. Veeraswamy.
- 2. S. Anantharaman.

M. A. SOUNDARARAJAN,

Senior Deputy Accountant General, (Admn.)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA Trivandrum, the 3rd July 1978

No. Estt.A.VII/9-86/Vol.II/108.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri A. Padmanabha Iyer, permanent Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 1st July, 1978 forenoon, until further orders.

S. JAYARAMAN,

Deputy Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, RAJASTHAN

Jaipur, the 6th July 1978

No. Admn.II/G-G-Notification/455.—The Accountant General is pleased to appoint Shri Om Narain Nag, Section Officer of this office as officiating Accounts Officer until further orders with effect from 12.6.78 (F.N.).

Sd. ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General/Admn.

# OFFICE OF THE CHEIF AUDITOR, NORTHERN RAILWAY

New Delhi-1, the 7th July 1978

No. Admn. 17-14/778898,—S/Shri Ram Kishan Gupta and Mulk Raj Kapur, Section Officers (Audit) and permanent members of Subordinate Railway Audit Service are appointed to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in this office with effect from 14.4.78 and 14.6.78 respectively until further orders.

R. JOSHI, Chief Auditor.

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Sion Bombay, the 4th July 1978

No. 5/11/78-Adm.—Director General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri D. C. Das Substantively, to the post of Administrative Offi-

cer in the Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute organisation with effect from 14th June,

> DR. S. S. RAMASWAMY, Dy. Director General.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 24th June 1978

No. 12(53)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri D. R. Malhotra, an Officer permanent as Assistant Director (Gr. I) and officiating as Deputy Director in the S.I.D.O. to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. the afternoon of 31.5.78.

No. 12(182)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Chakraborty, Director (Gr. II) (Chemical) in the S.I.D.O. as Director (Gr. I) (Chemical) in the S.I.D.O. w.c.f. the forenoon of 31.5.78, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Chakraborty has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Chem.) in Br. SISI, Ranchi w.e.f. the forenoon of 31.5.78 and assumed charge of the post of Director (Gr. I) (Chem.) in Br. SISI, Ranchi w.e.f. the forenoon of 31.5.78.

No. A-19018(346)/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. Raveendran, Deputy Director Field Operations Division, National Sample Survey Organisation, Calcutta as Deputy Director (Data Bank) (Gr. III of IAS) Small Industry Development Organisation w.c.f. the forenoon of 15.5.78, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri G. Raveendran, has assumed charge of the post of Deputy Director (Data Bank) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi w.e.f. the Iorenoon of 15.5.78.

#### The 30th June 1978

No. 12(186)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Srinivasan, Assistant Director (Gr. 1) (L/F) in the Small Industries Service Institute, Madras as Deputy Director (L/F) in S.I.D.O. w.e.f. the forenoon of 12,6.78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri R. Srinivasan, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the SISI, Madras w.e.f. the afternoon of 5.6.78 and assumed charge as Deputy Director (L/F) in the Small Industries Service Institute, Trichur w.e.f. the forenoon of 12.6.78.

#### The 22nd June 1978

No. 12(676)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. Raman, Director (Gr. 1) (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (SSI) New Delhi as Industrial Adviser (Modernisation) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi, on ad hoc basis w.c.f. the forenoon of 1.1.78 and upto 12.3.78.

- 2. Consequent upon his appointment, Shri G. Raman, relinquished charge of the post of Director (Gr. 1) (Mech.) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1.1.78 and assumed charge of the post of Industrial Adviser (Modn.) in the same office w.e.f. the forenoon of 1.1.78.
- 3. The President is further pleased to appoint Shri G. Raman as Industrial Adviser (Modn.) w.e.f. 13-3-78 on a regular basis and until further orders,

#### The 30th June 1978

No. 12(93)/61-Admn.(G).—On return from deputation with Central Tool Room & Training Centre, Calcutta, Shri S. K., Ghosh, assumed charge of the post of Director (G1. II) in Small Industries Service Institute, Patna w.c.f. the forenoon of 16.6.78.

No. 12(324)/62-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri V. Venkatrayulu, Deputy a permanent Assistant

Director (Gr. II) and officiating Deputy Director (GAD) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi, to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. the afternoon of 30,6.1978.

#### The 1st July 1978

No. 12(568)/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. D. Mayec, Assistant Director (Gr. 1) in the S.I.D.O. as Deputy Director (Glass/Ceramics) in the S.I.D.O. w.e.f. the forenoon of 8.5.78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri P. D. Mayee relinquished charge of the post of Assistant Director in Small Industries Service Institute, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1.5.78 and assumed charge of the post of Deputy Director (Glass/Ceramics) in Small Industries Service Institute, Ahmedabad w.e.f. the forenoon of 8.5.78.

#### The 4th July 1978

No. 12(233)/61-Adma.(G).—Consequent upon his appointment as Expert in Match Industry to the Royal Government of Bhutan on deputation basis for a period of six months Shii K. C. Narayanan, relinquished charge of the post of Director (Gr. 11) at Small Industries Service Institute, Hyderabad w.e.f. the afternoon of 19.6.78.

2. The services of Shri K. C. Narayaman are placed at the disposal of the Royal Government of Bhutan w.e.f. 19.6.78 (AN)-

M. P. GUPTA, Deputy Director (Admn.)

# OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 30th June 1978

No. 50011/30/76-DCH(Admn.II).—The President is pleased to allow Shii D. S. V. Iyer, an Officer re-employed as Director in the Weavers' Service Centre, Bombay, under the

Office of the Development Commissioner in the Deptt. of Industrial Development, Ministry of Industry to relinquished charge of the post of Director in the same Centre, on completion of the term of re-employment, with effect from the afternoon of 30th June. 1978.

(Km.) R. SAHNI Dy. Development Commissioner

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 5th July 1978

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group 'B' (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an ad-hoc officiating capacity in this office w.e.f. 28-6-78 (F/N) vice Shri K. P. Das promoted as Assistant Director (Economic).

K. K. BANERJEE Administrative Officer

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 5th July 1978

No. C-5388/707.—Shri R. I. Kapruwan, Surveyor Scl. Gde. is appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B post), Survey of India in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 /with effect from 28th February 1978 (FN) and posted to No. 70 (Forest) Party (NC), Dehra Dun.

No. C-5389/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Map Curator, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad hoc basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 27th April 1978 (FN) vice Shri N. R. Bose, Fstablishment and Accounts Officer proceeded on leave from 27-4-78 (FN).

No. C-5837/707:—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad hoc provisional basis.—

SI. No.	Name and Designation				Unit Office	with effect from		
(1)	(2)				(3)	(4)		
1.	Shri Kumud Ranjan Choudhury, Surveyor Sel, Gde.			,	No. 62 Party (EC), Calcutta.	10th Match 1978 (FN)		
2.	Shri G. L. Sharma Draftsman Div. I. Sel. Gde.				No. 1 D. O. (M.P.), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).		
3.	Shri P. V. Ganesh Draftsman Div, I. Sel. Gde,	•	٠		No. 4 D. O. (S.C.), Bangalore.	7th April, 1978 (FN)		
4.	Shri B. S. Bist	÷	•		No. 15 Party (STI), Hyderabad.	1st March, 1978 (FN)		
5.	Shri N. Srmivasa Surveyor Sel. Gd.				S.C.C.O., Hyderabad.	13th March, 1978 (FN).		
6.	Shri D. P. Ghosh, Surveyor Sel. Gde.				No. 11 Party (EC), Ranchi,	31st March, 1978 (FN).		
7.	Shri Bansidhar Ghildiyal Surveyor Sel. Gde.				No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	31st March, 1978 (FN).		
8.	Shri Santi Ranjan Mukherjee Surveyor Sel. Gde.				No. 77 (Photo) Party (SEC), Bhubaneswar.	31st March, 1978 (FN).		
9.	Shri Jaiprakash Singh Tomar Surveyor Sel. Gdc.	•		•	No. 20 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	31st March, 7978 (FN).		
10.	Shri Subodh Ranjan Biswas . Surveyor Sel. Gde.				No. 30 (Photo) Party (EC), Calcutta.	10th March, 1978 (FN).		
11.	Shri Sukumar Das Surveyor Sel. Gde.	•	•		R & D Dte, Hyderabad.	7th April, 1978 (AN).		
12.	Shri Johnson H. Das Surveyor Sel. Gdo.				No. 4 Party, (WC), Ajmer.	3rd March 1978, (F.N.)		

	2				_	3	4
		<del>_</del>	:				
13.	Shri Dilip Kumar Chowdhu Surveyor Sel. Gdc.	ıry	•	•	•	No. 30 (Photo) Party (EC), Calcutta.	30th March, 1978 (FN).
14.	Shri Mrinal Kanti Guha Surveyor Scl. Gde.		•		•	No. 10 D. O. (SEC), Bhubaneswar.	31st March, 1978 (FN).
15.	Shri I. M. Ganapathy, Surveyor Sel. Gde.		-			R & D Dte., Hyderabad.	1st March, 1978 (FN).
16.	Shri K. K. Khera Surveyor Sel. Gde.			٠		No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
17.	Shri Prem Sagar Chopra Surveyor Sel. Gde.	-	•			Boundary Cell, (SGO), New Delhi.	28th February, 1978 (FN).
18.	Shri S. G Agarwal Surveyor Sel. Gde.			•		No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	31st March, 1978 (FN).
19.	Shri Pramod Chandra . Surveyor Scl. Gde.			-		No. 45 (Party (CC), Jabalpur.	28th March, 1978 (FN).
20.	Shri Ramadas Chakraborty Surveyor Se1. Gde.	,	•	•	ı	No. 62 Party (EC) Calcutta	10th March, 1978 (FN).
21.	Shri B. S. Rawat Surveyor Sel. Gdc.		•			No. 46 Party (CC), Jabalpur.	30th March, 1978 (FN).
22.	Shri B. L. Chowdhury . Surveyor Sel. Gdc.		1			No. 74 (Party) (SEC), Ranchi.	29th April, 1978 (FN).
23.	Shri Pritam Singh , Surveyor Sel. Gde.	•				No. 73 (APFPS) Party, (Surair), New Delhi.	30th March, 1978 (FN).
24.	Shri Ram Pal Gupta . Surveyor Scl. Gde.			•		No. 58 Party (WC), Ajmer.	6th March, 1978 (FN).
25.	Shri T. N. Naithani . Surveyor Sel. Gde.					No. 20 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
26.	Shri Chiman Lal Surveyor Sel. Gde.					No. 68 (Tidal) Party (G & RB), Dehra Dun.	27th February, 1978 (FN).
27.	- T	-				No. 23 Party (NC), Mussoorie.	13th March, 1978 (FN).
28.	Shri Kundan Lal Kararha Surveyor Sel. Gde,	•				G & R. B., Dehra Dun.	10th March, 1978 (FN).
29.	Shri Jiban Krishna Das Surveyor Sel. Gde.		•			No. 11 D. O. (SEC), Bhubaneswar.	31st March, 1978 (FN).
30.	Shri N. Iyyadurai Draftsman Div. I, Sel. Gde			,		No. 4 D. O. (SC), Bangalore.	1st March, 1978 (FN).
31.	Shri Jacob Kuzur Draftsman Div. I Sel. Gde			-		No. 11 D. O. (SEC), Bhubaneswar.	3rd March, 1978 (FN).
32.	Shri C. V. Kutty Krishnan Survey Assistant, Scl. Gde.			,		No. 17 Party (SC), Bangalore.	1st March, 1978 (FN).
33.		•	-			G. & R. B., Dehra Dun.	30th March, 1978 (FN).
34.	Shri Samarendra Nath Datts Surveyor Scl. Gde.	a	•			No. 10 D. O. (SEC), Bhubaneswar.	31st March, 1978 (FN).
35.	Shri Chaman Lal Surveyor Sel, Gde.				•	No. 75 Party (SEC), Madhupur.	30th March, 1978 (FN).
36.	Shri Rakhal Chandra Chake Draftsman Div. I, Sel. Gde		7			No. 1 D. O. (MP), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
37.		ı	•	1		No. 1 D. O. (MP), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
38.	Shri D. B. Wylie Draftsman Div. I, Sel. Gde					No. 3 D. O. (WC), Jaipur.	1st March, 1978 (FN).
39.	Shri Hari Ram Singh. Draftsman Div. I, Scl. Gde.	•				M. P. Die., Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
40.	Shri Sudarshan Lal Surveyor Scl. Gde.	•	•			No. 26 (Photo) Party (NC), Dehra Dun.	31st March, 1978 (FN).
41.			1	-		C. C. O., Jabalpur.	29th April, 1978 (FN).
42.						R & D Dte., Hyderabad.	23rd April, 1978 (FN).
43.	Shri S. N. Kumar Surveyor Sel. Gde.	1		•		No. 51 Party (SCC), Hyderabad.	20th March, 1978 (FN).
44.	Shri D. R. Sharma Surveyor Sel, Gde.		٠	•		R & D Dte. Hydcrabad.	20th March, 1978 (FN).

-				د ایرستانههای با در ایرستان به دارای با در ایرستان به دارای با در ایرستان این با در این این این این این این ای	
1	2			3	4
45.	Shri S. D. Chatterjee Surveyor Sel, Gde.			. No. 34 Party (PMP), Hyderabad.	1st March , 1978 (FN).
46.	Shri G. Mukherjee, Surveyor Sel. Gde.		-	. No. 18 Party (EC), Ranchi.	31st March, 1978 (FN).
47.	Shri Udai Singh Surveyor Sel. Gdc.		•	. No. 46 Party (CC), Jabalpur.	6th March, 1978 (FN).
48.	Shri S. D. Semwal Surveyor Sci. Gde.	•		. No. 13 Party (WC), Mussoorie.	3rd March, 1978 (FN).
49.	Shri M. S. Ball Survey Assistant, Sel. Ode.		•	. No. 33 Party (NC), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
50.	Shri S. K. Kar Draftsman Div. I, Scl. Gdc.			No. 2 D. O. (NC), Dehra Dun.	28th February, 1978 (FN).
51.	Shri Ajit Kumar Sarkar . Surveyor Sel. Gde.	•	•	. No. 37 Party (EC), Calcutta.	10th March, 1978 (FN).
52.	Shri John Mundu, Draftsman Division I, Sel. Gde.	-	٠	. No. 10 D. O. (SEC), Bhubaneswar.	6th March, 1978 (FN).
53.	Shri N. L. Hasija Surveyor Sel. Gde.			. No. 14 Party, (G &RB), Dehra Dun.	12th May 1978, (F.N.).
54.	Shri S. P. Goyal	•	•	. G. & R. B., Dehra Dun.	27th February, 1978 (FN).
55.	Shr i M. S. Nagarajan, Scientific Assistant, Ord. Gde.		•	. No. 68 (Tidal) Party (G&RB), Dehra Dun.	27th February, 1978 (FN).
56.	Shri J. S. Uberoi Geodetic Computer, Sel .Gde.	•		. G. & R. B., Dehra Dun.	27th February, 1978 (FN).
57.	Shri Malkhan Singh Verma . Geodetic Computer, Scl. Gde.	•		. No. 68 (Tidal) Party (G &RB), Dehra Dun.	27th February, 1978 (FN).
58.	Shri Teeka Ram Joshi . Scientific Assistant, Ord. Gde.	•	•	. No. 19 Party (G&RB), Dehra Dun.	12th May 1978 (FN.)
59.	Shri Santokh Singh	•		. No. 19 Party (G&RB), Dehra Dun.	12th May, 1978 (FN).
					K. I. KHOSI A

K. L. KHOSLA, Major General, Surveyor General of India

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th July 1978

No. 10/141/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. K. Aggarwal to officiate as Assistant Engineer at High Power Transmitter, All India Radio, Aligarh with effect from 7-6-78 (FN).

HARJIT SINGH

Dy. Director Administration for Director General

New Delhi, the 5th July 1978

No. 4(111)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Tsering Dolkar Kawoo, as Programme Executive, All India Radio, Leh in a temporary capacity with effect from the afternoon of 12th June, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ Dy. Director Administration for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 5th July 1978

No. A-12026/1/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri G. D. Madan, a permanent Senior Accountant to officiate as Accounts Officer on ad-hoc basis in this Division vice Shri K. C. Singhai Accounts Officer, granted leave for a period of 40 days w.ef.. 3rd July, 1978 to 11-8-78.

This ad-hoc appointment will not bestow on Shri Madan a claim for regular appointment in the grade of Accounts

Officer. This service will also not count for the purpose of seniority in the grade.

INDRAJ SINGH Dy. Director Administration for Director

#### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 4th July 1978

No. A-19012/1/78-Est.I.—Shri Dev Raj, an Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi, has been appointed to officiate as Accounts Officer in the Films Division, Bombay on deputation basis for a period of three years with effect from the forenoon of the 26th June, 1978.

#### The 6th July 1978

No. A-24013/18/78-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri B. V. Krishnan, Officiating Selection Grade Asstt. Maintenance Engineer, Films Division Bombay to officiate as Maintenance Engineer, in the same office with effect from the forenoon of the 15th May, 1978. vice Shri T. Krishnan, Permanent Maintenance Engineer granted leave.

M. CHANDRAN NAIR Administrative Officer for Chief Producer

# DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 5th June 1978

No. A-20012/3/70-Exh(A).—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Stri Amal Mukherji as Field Exhibition Officer in this Directorate in a purely

temporary capacity on ad hoc basis with effect from 30-4-78 (Afternoon) until further orders,

S. K. MUKERJI Dy Director

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1978

No. A.19019/23/76(HQ)Admn.I.—Consequent on his transfer to Government Medical Stores Depot. Madras, Shri D. S. Desikan relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (Stores), Directorate General of Health Services on the forenoon of 16th June, 1978.

2. Shri Y. K. Aggarwal assumed charge of the post of Deputy Assistant Director General (Stores), Directorate General of Health Services on the forenoon of 16th June, 1978.

#### The 7th June 1978

No. A.12025/2/77(CRI) Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Bhoop Singh to the post of Veterinary Officer in the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 2nd June, 1978, in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

#### New Delhi, the 10th July 1978

F. No. A. 12026/7/78-SI.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Shri M. V. Nerurkar, Office Superintendent, Govt. Medical Store Depot, Bombay to the post of Assistant Depot Manager (Group B nongazetted) in the same depot with effect from the forenoon of 23-6-1978 and until further orders.

SANGAT SINGH

Deputy Director Admn. (Stores)

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPTT. OF RURAL DEVELOPMENT)

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 4th July 1978

No. A.19025/61/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Bhabani Prasad Pattnaik has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Bombay with effect from the 31st May 1978 (F.N.), until further orders.

No. A.19025/75/78-A.III.—Shri Syed Tayyab Raza, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Chirala with effect from 12-6-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA

Director of Administration

for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 26th June 1978

No. PA/79(6) /78-Est.II/2336.—The Controller, Bhablia Atomic Research Centre appoints Shri Nechikot Balakrishnan, a permanent U.D.C. and officiating Assistant in Bhabha Atomic Research Centre to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in this Research Centre with effect from 20-6-1978 (FN) until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 5th July 1978

No, DPS/A/32011/3/76/Est./17407.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated June 16, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Ravendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad loc basis for a further period upto July 19, 1978, vice Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

#### (HEAVY WATER PROJECTS)

Bombay-400008, the 6th July 1978

No. HWPs/Estt/1/M-13/3115.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on an ad-hoc basis, from April 17, 1978 to June 17, 1978 vice Shri A. M. Vaidya, Assistant Accounts Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tapp, the 26th June 1978

No. TAPS/1/20(1)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri A. P. Patil, a temporary Assistant Security Officer, Tarapur Atomic Power Station as Security Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 an ad-hoc basis with effect from 15-6-1978 to 15-7-1978 vice Shri D. D. Banerjee, Security Officer proceeded on leave.

A. D. DESAI Chief Administrative Officer

#### MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi-3, the 7th July 1978

No. E(1)03734.—On attaining the age of superannuation Shri K. Venkatachalam, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1978.

No. E(1)04159.—On attaining the age of superannuation Shri H. S. Roy Burman, Officiating Assistant Meteorologist, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, India Meteorological Department retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1978.

G. R. GUPTA Meteorologist for Director General of Observatories

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th July 1978

No. A.38015/9/78-EC.—The Director General of Civil Aviation regrets to announce the death of Shri S. A. Xavier, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta Dum Dum on 2-4-1978.

(This Department Notification No. A.38015/9/78-EC. dated 20-5-1978 is hereby cancelled).

S. D. SHARMA Dy. Director of Administration

#### New Delhi, the 6th July 1978

No. A.19014/147/72-E.I.—Shri S. Dayal, Technical Officer. Air Safety. Civil Aviation Department, New Delhi, died while in service on the 9th June, 1978.

No. A.31013/1/77-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri R. V. Ranadive, Officiating Director, Regulation and information, Civil Aviation Deptt. in a substantive capacity in the same post with effect from 10th June, 1976.

P. C. JAIN

Assistant Director of Administration

### New Delhi, the 6th July 1978

No. A.32013/3/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Senior Aerodrome Officer to the post of Regional Controller of Aerodromes, Delhi Region, New Delhi with effect from the 26th May 1978 on purely ad-hoc basis, till Shri Jagdish Chandra who has been transferred to

Hqrs. as Deputy Director (Tarrif Examination) resumes charge of the post of Regional Controller of Aerodromes.

. V. V. JOHRI Assistant Director of Administration

### MINISTRY OF RAILWAYS RAILWAY BOARD

New Delhi, the 30th June 1978

No. 78/W6/TK/2.—The Ministry of Railways (Railway Board) have approved of the transfer of the maintenance of the following portion of track from the South Central Railway to the Central Railway alongwith all the connected assets:—

Track from Km. 134.25 to 135.00 between Balharshah and Manikgarh stations on Balharshah-Kazipet Section. The inter-Railway boundary point would now be Km. 135.00.

2. This adjustment has been made in the interest of proper maintenance of the railway track.

P. N. MOHILF Secy., Railway Board and Ex-officio Joint Secy.

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Office of the Director-General (Works)

New Delhi, the 1st July, 1978

No. 23/2/77-EC. II—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have retired from Government service on 30-6-1978 (A.N.):—

	Name			 	Presen	designati	ion			
1.	Shri R. G. Gokhale .	-			Chief Engineer (Civ	l) on dep	utation to B	P. E. as	Adviser (C	onstruction).
2.	Shri E. K. Vishwanathan		•		Executive Engineer Madras.	(Electrical)	, Madras	Aviation	Electrica	Division,

#### The 3rd July 1978

No. 27-E/B(39)/73-ECII.—The President has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri K. S. Balasubramaniam, Executive Engineer, Central Public Works Department, who was on deputation with the Director General, All India Radio (Civil Construction Wing), Samachar Bhalwan, Parliament Street, New Delhi and to permit him to retire from Service with effect from the 22nd June, 1978 A.N.

S. S. P. RAU

Dy. Director of Admn.

for Director General Works

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 4th July 1978

No. 2/178/73-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri G. C. Joshi, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.ef. 25-5-78 (forenoon) until further orders

M. C. JOSHI Under Secy.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

(OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES)

Gwalior, the 5th July 1978

No. 916/Liq/3625.—Whereas M/S Trust Association of Christian Institutions Raipur is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting and that the Statement of Affairs required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/S Trust Association of Christian Institutions will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh

In the Matter of Companies Act, 1956 and of East India Satsang Stores Private Limited

#### Patna, the 4th July 1978

No. (133)3/560/77-78/2491.—Notice is hereby given pursuent to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the East India Satsang Stores Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Bokaro Gear Industries Private Limited

Patna, the 4th July 1978

No. (1215) 560/77-78/2494.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Scc. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bokaro Gear Industries Private

Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. BANERJEE

Registrar of Companies, Bihar

In the matter of Companies Act, 1956 and of Foot Prints Private Limited

#### Kanpur, the 5th July 1973

No. 6737/3537-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Foot Prints Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN Registrar of Companies Uttar Pradesh

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and In the Matter of M/s Goalondo Ice Co. Limited (In Liqn)

#### Calcutta, the 7th July 1978

No. L/F/968/H-D(1804).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 29-1-1976 and the Official Liquidator High, Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

in the Matter of Companies Act 1 of 1956 and In the Matter of M/s. National Metal Industries Limited (In Liqn)

#### Calcutta, the 7th July 1978

No. L/7130/H-D(1823).—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 17-6-1976 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MOULIK Assistant Registrar of Companies West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Alloy and Special Steel Products Limited

#### Bangalore, the 7th July 1978

No. 3164/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Alloy and Special Steel Products Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies, Karnataka

### INCOME TAX DEPARTMENT (CENTRAL) BOMBAY

#### Bombay-400020, the 28th March 1978

No. R-17/77-78.—Following is the list of assesses (i) being Individuals or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than 2 lakhs of Rupecs and (ii) being Firms, Companies or other Association of Persons, who have been assessed on an income of more than 10 lakhs of Rupecs, during the Financial year 1976-77, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired without an appeal having been presented, indicating: (i) Status 'I' for Individual, 'HUI' for Hindu Undivided Family, 'C' for Company, 'F' for Registered Firm. (ii) Assessment year, (iii) Figures of income returned. (iv) Income assessed, (v) Tax payable by the

assessee inclusive of interest and charged (v1) Tax paid by the assessee inclusive of interest charged.

#### SCHEDULE-I

- Shri Agarwal Satyanarain Bishwanath, 35/39, Mirza Street, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 24,000, (iv) Rs. 4,66,000, (v) Rs. 4,11,000, (vi) NIL.
- Shti Abba Issa Abdul Gani, Nawab Manzil, 107, Janjikar Street, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 8,000, (iv) Rs. 12,20,000, (v) Rs. 14,74,260, (vi) NIL.
- 3. Shri Bawazi Abdul R. Abdul R., 20, Tardeo, A. C. Market, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 2,00,000, (v) Rs. 1,75,170, (vi) NIL.
- Shri Bhatia I. H., 101, Commerce House, Medows Street, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 5,68,394, (iv) Rs. 9,78,827, (v) Rs. 9,41,750, (vi) Rs. 9,35,649.
- 5. Smt. Jyotsna Vikramsinh—L/h of late P. Vikramsinh Shoorji, Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera house, Bombay. (i) 1, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 3,26,020, (iv) Rs. 4,90,635, (v) Rs. 4,30,237, (vi) NIL. (ii) 1975-76, (iii) Rs. 1,89,470, (iv) Rs. 2,24,310, (v) Rs. 1,60,199, (vi) NIL.
- Shri Kamani H. R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay, (i, 1, (i) 1974-75, (iii) Rs. 1,24,290, (iv) Rs. 2,08,750, (v) Rs. 1,60,354, (vi) Rs. 79,631.
- 7. Shri Kapadia Kantilal Magaulal, Nishant, Linking Road, Khar, Bombay. (i) I, (ii) 1962-63, (iii) Rs. 31,400, (iv) Rs. 5,36,900, (v) Rs. 4,18,361, (vi) Rs. 4,18,361. (ii) 1963-64, (iii) Rs. 31,066, (iv) Rs. 3,15,570, (v) Rs. 2,40,443, (vi) Rs. 1,54,691.
- Smt. Karim Begumbi N., 61/1 Baitul Sirur, Warden Road, Bombay. (i) I, (ii) 1969-70, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 8,00,000, (v) Rs. 9,93,972, (vi) NIL.
- 9. Shri Karim Nasurddin Abdul 61/1 Baitul Sirur, Warden Road, Bombay. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 59,000, (iv) Rs. 3,63,000, (v) Rs. 4,68,807, (vi) Rs. 42,457. (ii) 1974-75, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 4,10,000, (v) Rs. 5,85,609, (vi) NIL.
- 10. Shri Patel J. V., Mewan, 40-A, Peddar Road, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,54,464, (iv) Rs. 2,87,487, (v) Rs. 2,29,425, (vi) Rs. 1,35,201.
- 11. Smt. Patel Leelaben M., 67-C, Pradeep Kunj, Wulkeshwar, Bombay. (i) 1, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 2,65,820, (iv) Rs. 2,69,210, (v) Rs. 1,83,335, (vi) Rs. 1,83,335. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 1,86,902, (iv) Rs. 2,74,810, (v) Rs. 3,07,963, (vi) Rs. 1,01,721. (ii) 1975-76, (iii) Rs. 12,83,798, (iv) Rs. 13,14,410, (v) Rs. 10,12,572, (vi) Rs. 9,14,773.
- Shri Rupani J. B., 184, Shaikh Mcmon Street, Bombay,
   (i) I, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 2,42,270, (iv) Rs. 2,53,010, (v) Rs. 82,909, (vi) Rs. 81,880.
- 13. H.U.F. of late H. H. Sir J. M. Scindia, Neville House, Ballard Estate, Bombay. (i) HUF, (ii) 1973-74, (iii) NIL, (iv) Rs. 6.09,045, (v) Rs. 3,04,380, (vi) Rs. 3,04,380.
- Mrs. Scindia Vijaya Raje., Neville House, Ballard Estate, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 1,41,774, (iv) Rs. 3,60,890, (v) Rs. 2,84,002, (vi) Rs. 1,02,889. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 1,31,037, (iv) Rs. 3,55,108, (v) Rs. 3,67,168, (vi) Rs. 1,68,958.
- Shri Shah D. N., Krishna Niwas, 212, Walkeshwar Road, Bombay. (i) 1, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 17,500, (iv) Rs. 3,15,000, (v) Rs. 3,17,144, inclusive of interest charged, (vi) NJL.
- Shri Sharma M. L., 61-61A, Abdul Rehman Street, Bombay. (i) I, (ii) 1974-75. (iii) Rs. 41,154, (iv) Rs. 6,35,470. (v) Rs. 7,84, 309, (vi) NIL. (ii) 1975-76, (iii) Return of income not filed, (iv) Rs. 3,96,130, (v) Rs. 3,56,972, (vi) NIL.

- 17. Shri Shoorji Dilip Vallabhdas, Executor of the Estate of Jate (Smt.) Jayalaxmi, Cutch Castle, 4th floor, Opera house, Bombay. (i) 1, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 4,04,300, (iv) Rs. 5,40,804, (v) Rs. 5,03,427, (vi) NIL.
- Shri Shoorji Pratap Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera house, Bombay. (i) 1, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 3,48,830, (iv) Rs. 5,10,912, (v) Rs. 4,27,882, (vi) Rs. 5,874, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 2,05,820, (iv) Rs. 2,46,363, (v) Rs. 1,57,443, (vi) NIL.
- Shri Shoorji Dilip Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera House, Bombay. (i) 1, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 3,54,320, (iv) Rs. 5,15,109, (v) Rs. 4,34,234, (vi) Rs. 49,311. (ii) 1975-76, (iii) Rs. 2,27,750, (iv) Rs. 2,64,150, (v) Rs. 1,72,225, (vi) Rs. 25,000.

#### SCHEDULE-II

- 1. M/s. Amartara Pvt. Ltd., Saki Vihar Road, Pawai, Bombay. (i) I, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 24,64,713, (iv) Rs. 25,54,520, (v) Rs. 14,82,712, (vi) Rs. 14,82,712, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 11,36,160, (iv) Rs. 11,12,840, (v) Rs. 6,31,431, (vi) Rs. 6,31,431. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 19,25,110, (iv) Rs. 19,65,380, (v) Rs. 11,48,591, (vi) Rs. 11,48,591.
- M/s. Bajaj Auto Ltd., Dr. Annie Besant Road, Bombay. (1) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 2,33,88,970, (iv) Rs. 2,74,10,710, (v) Rs. 1,57,13,347, (vi) Rs. 1,47,767.
- 3. M/s. Bralco Metals Industries P. Ltd., Gupta Mills Estate, Reay Road, Bombay. (i) C, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 11,48,750, (iv) Rs. 11,50,107, (v) Rs. 7,20,393, (vi) Rs. 7,20,393.
- 4. M/s. Cable Corporation of India Ltd., Laxmi Building, 6, S. V. Marg, Bombay. (1) C, (ii) 1965-66, (iii) Rs. 1,48,44,261, (iv) Rs. 1,48,61,900, (v) Rs. 57,59,558, (vi) Rs. 57,59,558, (ii) 1966-67, (iii) Rs. 1,60,06,298, (iv) Rs. 1,60,46,660, (v) Rs. 88,42,874, (vi) Rs. 88,42,874. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 72,76,450, (iv) Rs. 81,35,090, (v) Rs. 46,80,563, (vi) 46,80,563. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 37,06,300, (iv) Rs. 38,52,610, (v) Rs. 21,86,725, (vi) 21,86,725.
- M/s. Indabrator Ltd., N.S.E. Estate, Goregaon (E), Bombay. (i) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 17,63,990, (iv) Rs. 18,72,270, (v) Rs. 11,14,116, (vi) Rs. 11,14,116.
- 6. M/s. Kamani Metals & Alloys Ltd., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 40,09,117, (iv) Rs. 42,26,656, (v) Rs. 26,10,294, (vi) Rs. 25,82,753.
- 7. M/s. Kamani Metallic Oxides Ltd., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) C, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 17,72,430, (iv) Rs. 17,89,262, (v) Rs. 10,25,200, (vi) Rs. 10,13,680.
- 8. M/s. Kamani Tubes Pvt. Ltd., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) C, (ii) 1971-72 (iii) Rs. 20,76,630, (iv) Rs. 22,59,644, (v) Rs. 13,05,786, (vi) Rs. 12,96,206. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 64,41,660, (iv) Rs. 74,14,685, (v) Rs. 46,18,752, (vi) Rs. 46,18,752.
- M/s. Mohanlal Raichand & Sons, 311, Mehta Bhavan, 5th floor, Charni Road, Bombay, (i) F, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 10,39,060, (iv) Rs. 10,39,060, (v) Rs. 2,57,812, (vi) Rs. 2,57,812.
- M/s. Mukund Iron & Steel Works, Kurla Bombay. (i)
   C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 2,03,63,170, (iv) Rs. 2,87,98,730, (v) 1,63,99,550, (vi) Rs. 1,47,22,954.
- 11. M/s. New Standard Engineering Co. Ltd., N.S.E. Estate, Goregaon (E), Bombay. (i) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 16,86,947, (iv) Rs. 17,91,000, (v) Rs. 10,23,767, (vi) Rs. 10,23,767.
- 12. M/s, Piramal Spg. & Wvg. Mills Ltd., Army & Navy Building, M. G. Road, Bombay. (i) C, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 38,69,000, (iv) Rs. 36,32,000, (v) Rs. 22,35,584, (vi) Rs. 22,35,584.

- M/s. Shreeniwas Cotton Mills Ltd. Shreeniwas House, Hazarimal Somani Marg, Fort, Bombay, (i) C, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 15,02,770, (iv) Rs. 15,10,530, (v) Rs. 8,30,792, (vi) Rs. 5,30,792.
- 14. The West Coast Paper Mills Ltd., Shreeniwas House, Hazarimal Somani Marg, Fort, Bombay. (i) C, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1,24,60,247, (vi) Rs. 1,25,01,320, (v) Rs. 68,73,958, (vi) Rs. 68,73,958.
- 15. The Western India Spg. & Mfg. Co. Ltd., (In liquidation), C/o. Official Liquidator, 5th floor, Bank of India Building, M.G. Road, Bombay. (i) C, (ii) 1973-74, (iii) NIL, (iv) Rs. 29,81,240, (v) Rs. 17,46,917, (v) NIL. (ii) 1974-75, (iii) (Loss) Rs. 38,43,020, (iv) Rs. 1,14,87,370, (v) Rs. 84,91,450, (vi) NIL.
- No. R. 18/WT/1977-78.—The Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars relating to the assesses who have been assessed under Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on the not wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the Financial year 1976-77 and has therefore in exercise of the powers conferred by Section 42A of the said Act, and all other powers enabling it in this behalf, directed that the names and other particulars of the assesses aforesaid be published, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired where an appeal has not been presented, indicating (i) Status 'I' for Individual, 'HUF' for Hindu Undivided Family, (ii) Assessment year, (iii) figures of wealth returned, (iv) wealth assessed, (v) wealth-tax payable by the assessee and (vi) wealth-tax paid by the assessee, the same are hereby published:
  - 1. Shri Bhatia I.H., 101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay. (i) I, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 1090,256, (iv) Rs. 18,63,000, (v) Rs. 24,300, (vi) Rs. 24,300, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 9,92,372, (iv) Rs. 11,27,237, (v) Rs. 10,181, (vi) Rs. 10,181, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 9,68,866, (iv) Rs. 17,96,560, (v) Rs. 26,914, (vi) Rs. 26,914, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 8,95,351, (iv) Rs. 16,20,169, (v) Rs. 61,229, (vi) Rs. 61,229, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 7,60,620, (iv) Rs. 15,54,705, (v) Rs. 34,376, (vi) Rs. 34,376, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 7,26,804, (iv) Rs. 18,19,755, (v) Rs. 55,580, (vi) Rs. 7,26,804, (iv) Rs. 18,19,755, (vi) Rs. 7,31,834, (iv) Rs. 14,77,870, (vi) Rs. 29,300, (vi) Rs. 29,300.
    - 2. Smt. Bhatia Mohini I., 101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 14,06,596, (iv) Rs. 18,99,615, (v) Rs. 61,960, (vi) Rs. 61,960, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 12,60,148. (iv) Rs. 19,51,270, (v) Rs. 47,051, (vi) Rs. 47,051. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,80,807, (iv) Rs. 18,33,859, (v) Rs. 56,712, (vi) Rs. 56,712. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 12,98,870, (iv) Rs. 19,18,389, (v) Rs. 63,488, (vi) Rs. 63,488, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 12,38,940, (iv) Rs. 19,99,676, (v) Rs. 79,970, (vi) Rs. 79,970.
  - 3. Shri Bhatia Prakash I., 101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 9,72,898, (iv) Rs. 11,93,185, (v) Rs. 19,795, (vi) Rs. 19,795. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 8,77,081, (iv) Rs. 12,25,971, (v) Rs. 21,780, (vi) Rs. 21,780.
  - 4. Smt. Jalan Bhagwanidevi, 139, Medows Street, Fort, Bombay. (i) I, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 1,14,743, (lv) Rs. 10,70,966, (v) Rs. 8,419, (vi) Rs. 74. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 98,511. (iv) Rs. 12,03,746, (v) Rs. 11,075, (vi) NIL. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 1,03,550, (iv) Rs. 11,72,736, (v) Rs. 11,318, (vi) Rs. 18. (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1,74,410, (iv) Rs. 12,12,707, (v) Rs. 12,318, (vi) Rs. 373.
  - 5. Smt. Jalan Geetadevi, 139, Mcdows Street, Fort, Bombay, (i) I, (ii) 1963-64, (iii) Rs. 4,50,573, (iv) Rs. 10,16,413, (v) Rs. 8,287, (vi) NIL. (ii) 1965-66, (iii) Rs. 2,36,211, (iv) Rs. 10,12,353, (v) Rs. 7,247, (vi) NIL. (ii) 1967-68, (iii) Rs. 2,67,109, (iv) Rs. 10,46,471, (v) Rs. 7,929, (vi) NIL. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 1,214, (iv) Rs. 11,69,020, (v) Rs. 10,380, (vi) NIL. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 23,589 (Deficit), (iv) Rs. 11,42,829, (v) Rs. 10,521, (vi) NIL. (ii) 1970-71, (iii) Rs. 39,729 (Deficit), (iv) Rs. 10,32,878, (v) Rs. 7,822, (vi) NIL.

- 6. Smt. Jalan Ginnidevi, 139, Medows Street, Fort, Bombay. (i) I, (ii) 1966-67, (iii) Rs. 1,39,180, (iv) Rs. 10,06,754, (v) Rs. 7,135, (vi) Rs. 525. (ii) 1967-68, (iii) Rs. 1,48,495, (iv) Rs. 11,12,496, (v) Rs. 9,249, (vi) Rs. 243. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 1,29,131, (iv) Rs. 12,52,181, (v) Rs. 12,043, (vi) Rs. 146. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 1,53,082, (iv) Rs. 12,37,006, (v) Rs. 12,926, (vi) Rs. 266. (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1,92,014, (iv) Rs. 12,39,189, (v) Rs. 12,979 (vi) Rs. 461.
- 7. Smt. Jalan Jankidevi, 139, Medows Street, ort, Bombay. (i) I, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 71,736, (iv) Rs. 10,07,951, (v) Rs. 7,159, (vi) NIL. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 65,011, (iv) Rs. 11,38,045, (v) Rs. 9,761, (vi) NIL. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 91,280, (iv) Rs. 11,50,146, (v) Rs. 10,754, (vi) NIL. (ii) 1970-71, (iii) Rs. 68,415, (iv) Rs. 10,19,036, (v) Rs. 7,476, (vi) NIL.
- 8. Smt. Jalan Kuntidevi, 139, Medows Street, Fort, Bombay. (i) I, (ii) 1969-70, (iii) Rs. 6,586, (Deficit), (iv) Rs. 10,63,703, (v) Rs. 8,593, (v) NIL. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 34,865, (iv) Rs. 13,77,203, (v) Rs. 14,544, (vi) NIL.
- 9. Smt. Jalan Shardadevi, 139, Medows Street, Fort, Bombay, (i) I, (ii) 1966-67, (iii) Rs. 1,98,637, (iv) Rs. 10,09,700, (v) Rs. 7,196, (vi) NIL. (ii) 1967-68, (iii) Rs. 1,21 107, (iv) Rs. 11,05,981, (v) Rs. 9,120, (vi) NIL. (ii) 1968-69, (iii) Rs. 1,12,972, (iv) Rs. 12,04,594, (v) Rs. 11,092. (vi) NIL. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 1,12,221, (iv) Rs. 12,15,785, (v) Rs. 12,395, (vi) NIL. (ii) 1970-71, (iii) Rs. 1,67,068, (iv) Rs. 12,33,087, (v) Rs. 12,827, (vi) NJL.
- 10. Shri Kamani H. R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) HUF, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,69,600, (iv) Rs. 13,67,670, (v) Rs. 26,030, (vi) Rs. 24,824, (ii) 1974-75 (iii) 10,95,700, (iv) Rs. 13,45,881, (v) Rs. 52,670, (vi) Rs. 38,749.
- 11. Shri Kamani Navin R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (1) HUF, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,03,400, (iv) Rs. 12,97.775, (v) Rs. 23,933, (vi) Rs. 22,677. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 10,42,000, (iv) Rs. 12,90,454, (v) Rs. 48,236, (vi) Rs. 28,364.
- 12. Shri Kamani Navnit R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road Bombay. (i) HUF, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,64,400, (iv) Rs. 13,62,694, (v) Rs. 25,881, (vi) Rs. 24,160, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 10,88,200. (iv) Rs. 13,34,602, (v) Rs. 51,768, (vi) Rs. 32,055.
- 13. Shri Kamani P. R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) HUF, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,55,400, (iv) Rs. 13,37,153, (v) Rs. 25,115, (vi) Rs. 23,854. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 10,52,600, (iv) Rs. 12,89,008, (v) Rs. 48,120, (vi) Rs. 29,209.
- 14. Shri Kamani R. H., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) HUl, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 17,56,000, (iv) Rs. 18,67,820, (v) Rs. 59,426, (vi) Rs. 52,981, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 15,48,400, (iv) Rs. 18,87,202. (v) Rs. 95,976, (vi) Rs. 68,870.
- 15. Shri Kamani R. R., Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Bombay. (i) HUF, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,74,300, (iv) Rs. 13,73,305, (v) Rs. 26,199, (vi) Rs. 25,119. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 11,12,000, (iv) Rs. 13,57,394, (v) Rs. 53,592, (vi) Rs. 37,020.
- Shri Maganlal C. Kapadia, 391, Linking Road, Khar, Bombay.
   I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 8,08,660, (iv) Rs. 10,18,120, (v) Rs. 7,453, (vi) NIL.
- 17. Shri Manuel Mendis, 15, Hughes Road, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 14,11,915, (iv) Rs. 18,36,430, (v) Rs. 40,824, (vi) Rs. 40,824. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 14,41,484, (iv) Rs. 15,16,860, (v) Rs. 29,619, (vi) Rs. 29,619.
- 18. Shri Shah M. I., 25-B, Podar Chambers, S. Brelvi Road, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 1,29,889 (Deficit), (iv) Rs. 10,77,816, (v) Rs. 16,124, (vi) NIL.

- 19. Shri Shah Samir P., C/o. M/s. Indo French Time Ind. Ltd., 12, Udyognagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay, (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 25,40,070, (iv) Rs. 25,43,880, (v) Rs. 76,200. (vi) Rs. 76,200. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 24,89,162, (iv) Rs. 24,89,177, (v) Rs. 1,09,138, (vi) Rs. 71,067. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 24,84,279, (iv) Rs. 24,83,570, (v) Rs. 1,08,690, (vi) NIL. (ii) 1974-75, (ii) Rs. 25,68,790, (iv) Rs. 24,61,850, (v) Rs. 1,06, 940, (vi) NIL. (Protective assessments).
- No. R. 18/77-78.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the period from 1-4-1976 to 31-3-1977:
  - (a) for concealment of income or for furnishing estimate of advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue,
  - (b) for failure to file returns of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts.
  - (c) for non-payment of tax;

and has therefore, in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), directed that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published, the same are hereby published in Schedules-I, II and III, hereto annexued, indicating (1) Status 'I' for Individual, 'C' for Company, 'F' for Registered firm, 'URF' for Un-registered firm, (ii) Assessment year and (iii) amount of penalty imposed:

Schedule-1.—Assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for concealment of income or for furnishing estimates of Advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue during the period from 1-4-1976 to 31-3-1977, where no appeal was presented within the time allowed for the same or where the appeal against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

- M/s. Ajay Plastics, C/o. M/s. Laxmi Bangle Industrics. 6th Carter Road, Borivali (E), Bombay. (i)
   F, (ii) 1971-72 (iii) Rs. 2,69,178. Names of Partners (1) Shri C. P. Shah, (2) Shri H. P. Shah and (3) Shri S. B. Shah.
- Shri Charania Feroz Ismail, 47 Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 39,270.
- 3. M/s, Kalol Bone Mills, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay, (i) F, (ii) 1972-73, (ni) Rs. 75,500. Names of Partners: (1) Shri Ferozali Ismailbhai, (2) Shri Ismailbhai Jamalbhai and (3) Shri Shokatali Ismailbhai.
- Shri Kapadia Babubhai Laljibhai, Dane's House, Inkalab Lane, Gulab Takara Amboli Navrangpura, Ahmebadad. (i) I, (ii) 1970-71, (iii) Rs. 11,000.
- Shri Karim Nasruddin, 61/1, Baitul Sirur, Warden Road, Bombay. (i) I, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 1,19,030. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 31,800.
- M/s. Maganlal Chaganlal Pvt. Ltd., Govanpada Village, Corridor Road, Chembur, Bombay. (i) C, (ii) 1967-68, (iii) Rs. 1,00,000. Name of the Director: Shri Kantilal M, Kapadia.
- Master Patel Ashok Kumar M., through Natural Gardian (Mother) Smt. Patel Leelaben M.67C Pradeep Kunj, Walkeshwar Road, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 12,105.
- 8. M/s. Ratlam Bone & Fertilizer Co., 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) F, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 42,500. Names of the Partners: (1) Shri Ferozali Ismailbhai, (2) Shri Karimbhai Ismailbhai and (3) Shri Shokatali Ismailbhai.
- M/s. Stretch Fibre India I td., 20. Hains Road, Mahalaxmi, Bombay. (i) C, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 7,163.

M/s. Stretchlon Pvt. Ltd., Bombay Cotton Mills Estate, Dattaram Lad Path, Bombay (i) C, (ii) 1965-66, (iii) Rs. 82,200. (ii) 1966-67, (iii) Rs. 10,300. Name of the Director: Shri Harkishore Jain.

Schedule-II.—Assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for failure to file returns of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period from 1-4-1976 to 31-3-1977, where no appeal was presented within the time allowed for the same or where the appeal against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

- Shri Ashraf-ur-Rehman Azımullah, Rajab Mahal, 144, Queens Road, Bombay. (i) l, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 17,960. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 10,460.
- Shri Charania Feroz Ismail, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) 1, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 6,472.
- 3. M/s. Kalol Bone Mills, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (1) F, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 6,695.
- M/s. Khemka & Co. (Agencies) Pvt. Ltd., 2D, Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay.
   C. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 12,460 (ii) 1974-75, (iii) Rs. 7,400.
- M/s. Mahendra Electric Works, 25-B, Podar Chambers, S. A. Brelvi Road, Bombay, (i) F, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 10,640.
- 6. M/s. Medichen Laboratories (P) Ltd., Beach View, Chowpatty Sca Face, Bombay. (i) C, (ii) 1964-65, (ui) Rs, 7,935. (ii) 1965-66, (iii) Rs. 12,958. (ii) 1969-70, (iii) Rs. 11,970. (ii) 1971-72, (iii) Rs. 33,656 U/s. 271 (1)(a). (ii) 1971-72, (iii) Rs. 11,293 U/s. 271(1)(b). (ii) 1972-73, (iii) Rs. 23,188. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 13,224. (ii) 1974-75, (iii) Rs. 6.512.
- M/s. Rajputana Textiles Agency Pvt. Ltd., 346, Hornby Road, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii)

- Rs. 16,656, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 17,062, (ii) 1974-75, (iii) Rs. 5,460.
- 8. M/s. Reliable Traders, 47, Pydhonie Road, Khadak, Bombay. (i) URI., (ii) 1972-73, (iii) Rs. 8,83,637.
- M/s. Saraswati Commercial Trading Co. (P) Ltd., C/o. Official Liquidator Bank of India Building, M.G. Road, Bombay. (i) C, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 8,328.
- M/s. Stretch Fibre India Ltd., 20 Hains Road, Mahalaxmi, Bombay. (i) C, (ii) 1968-69, (iii) Rs. 21,013.

Schedule-III.—Assesses on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for non payment of tax during the period from 1-4-1976 to 31-3-1977 where no appeal was presented within the time allowed for the same or where appeal against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

- 1. Smt. Jyotsna Viktamsinh, L/H of late (Shri Vikramsinh Shoorji Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera House, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 27,200.
- Shri Shoorji Dilip Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera House, Bombay. (1) 1, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 27,900.
- Shri Shoorji Dilip Vallabhdas, Executor of the Estate of late (Smt.) Jayalaxmi, Cutch Castle, 4th floor, Opera House, Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 6,800. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 34,000.
- 4. Shri Shoorji Pratap Vallabhdas, Cutch Castle, 4th floor, Opera House, Bombay. (i) I, (ii) 1973-74, (iii) Rs. 27,300.
- M/s. Universal Textile Agencies, Cutch Castle, 4th floor. Opera House, Bombay. (i) F, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 8,700. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 14,900.

J. C. LUTHER, Commissioner of Income Tax, Central, Bombay

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOM. AX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4.

Dharwar-4, the 7th July 1978

Notice No. 217/78.79/Acq.—Whereas, I. D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Rang, Dharwar,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 265 situated at Raia Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, Under document No. 987 on 29-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion con the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Maria Julia De Abreu Lobo Silva, by power of attorney holder Dr. Eurico Das Dores Santana Da Silva, House No. 8, Opposite Damodar Commerce College, Borda, Margao.

(Transferor)

(2) Shri Alexandra Menino Fernandes, 4th Ward Colva, Salcete (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Immovable property situated at Raia village known by the Name of "Faial" or "Arlem" bearing No. 265 sub-division No. 1. land measuring 957 sq. metres.

D. C. RAJAGOPALAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date · 7-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th July 1978

Ref. No. Acq/1503-A/MRT/77-78/2075.--Whereas, I, R. P. BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawona on 19-10-77

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Singh s/o Lakh Raj R/o Vill. Khajuri Aleyarpur, Present Address: Vill. Rajpura, P.O. Kharkhauda, Teh. & Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Sheo Dutt. Sharma S/o Bahadur Sharma, R/o Vill. Khajurl Aleyarpur, Parg, Kithaur Teh. Mawana Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Bigha 2 Biswa 19 Biswansı situated at Vill. Khajuri Aleyarpur, Teh. Mawana, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFIFCE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE; LUCKNOW 57 RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th July 1978

Ref. No. 13-O/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of the House No. 578. Sahukara Bareilly situated at Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 30-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13--176GI/78

(1) Shri Sahu Jagdish Kumar Agarwal.

(Transferor)

(2) Smt. Omwati w/o Kailash Narain.

(Transferee)

(3) Seller as per 37 G.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Kisan Lal Varshney & others.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of House No. 578, Sahukara, Bareilly area—Aarazi 660 Sq. yards and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37-G No 5139 duly registered in the office of the Sub-Registrar Bareilly on 30-11-77.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 13-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009 -

Ahmedabad-380 009, the 12th July 1978

No. PR. No. 594. Acq.23-1006/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 1469, land and building (adm. 1015 sq. yds.) situated at 58, Adarsh Society Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Thakorbhai Maganlal Desai, Adarsh Sahakari Gruh Mandali, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Guttamkumai Jhakorbhai Desai, Power of Attorney Holder; Thakorbhai Maganlal Desai, Adaish Shahkari Gruh Mandali, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property being land and building bearing C.S. No. 1469 admeasuring 1015 sq. yds. situated at 58, Adarsh Society. Athwa Lines, Surat is described in the sale-deed registered under No. 3042 by registering Officer Surat in the month of November, 1977.

D. C. GOEL,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Da\*e: 12-7-1978

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA,

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 11th July 1978

Ref. No. AP-1811.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule dituated at Green Park Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harbhajan Kaur D/o Ujagar Singh V. & P.O. Shankar Teh : Nakodar through (Sh. Ujagar Singh).
  - (Transferor)
- (2) Major Rajinder Singh S/o Sh. Charan Singh Mandi Road, Kapurthala.
- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'APIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot situated in 8-A Green Park Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4832 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-7-78

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th July 1978

Ref. No. AP-1812.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-anl bearing No. •

No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

- (1) Sh. Santa Singh S/o Sadhu Singh Basti 'Sheikh, Jullundur.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur W/o Jasbir Singh, 2, Sundershan Kaur W/o Lakhbir Singh, 3, Mohinder Kaur W/o Rajinder Singh R/o New Jawahar Nagar, Jullundur.
  - (Transferee)
- (3) An per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House situated in Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5043 of November, 77 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-7-78

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 11th July 1978

Ref. No. AP-1813.—Whereas, I, B S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hakim Singh S/o Jai Singh Sh. Amrit Singh S/o Hakim Singh 328-Adarsh Nagar, Juliundur.

  (Transferor)
- (2) Smt. Asha Sharma W/o R. K. Sharma, Advocate 455-A, New Jawahar Nagar, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at New Jawahar Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale-Deed No. 5155 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullandur.

Date: 11-7-78

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 257/BT1/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Kot Shameer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bhatinda on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gajjan Singh s/o Sh. Ruru Singh, R/o village Kot Shameer, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

 Sh. Sajjan Singh s/o Sh. Waryam Singh, R/o village Tungwali, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 3 marlas m village Kot Shameer as mentioned in sale deed No. 4238 of Nov., 1977 registered with the SR. Bhatinda.

O. P. MADAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Rcf. No. A.P. 258/FDK/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Faridkot on Dec., 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Waryam Singh s/o Sh. Malla Singh s/o Sh. Jawahar Singh, Village Rampur, Distt. Jind.

(Transferor)

(2) Shri Labh Singh s/o Sh. Kehar Singh s/o Shu Gurdit Singh, R/o Fatidkot.

(Transfered)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

52 Kanals and 19 mails of agricultural land in Faridkot as mentioned in sale deed No. 2794 of Dec., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

O. P. MADAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 259/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

 S/Shri Ajaib Singh, Suhel Singh ss/o Sh. Uttam Singh s/o Sh. Wasakha Singh, village Mothan Wala, Distt. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Sh. Santosh Singh, Sh. Fauza Singh ss/o Sh. Săudagar Singh s/o Sh. Chanda Singh, village Mothan Wala.

(Transferee)

(3) Λs per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 76 Kanals and 18 mails situated in village Guru Har Sahai as mentioned in sale deed No. 1430 of Dec., 1977 registered with the S. R. Ferozenur.

O. P. MADAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda,

Date: 22-6-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 260/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Guru Har Sahai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the t ansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14---176GI/78

(1) Sh. Bagicha Singh s/o Sh. Kehat Singh s/o Sh. Gurdit Singh, R/o Guru Har Sahai, Teh. Feroze-pur.

(Transferor)

(2) M/s Chawala Motor Co., Jullundur, S/Sh. Surinder Kumar, Krishan Lal, Kashmiri Lal ss/o Sh. Maghi Mal s/o Sardari Lal, R/o Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals and 18 marlas in Guru Har Sahai as mentioned in sale deed No. 1461 of Dec., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

O. P. MADAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P 261/NWS/78-79.—Whereas, I. O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at V. Palli Jhikki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nawan Shehar on March, 1978 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mangal Singh s/o Sh. Bal Singh, vill. Pallı Jhikki, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Singh 5/0 Sh. Gurdit Singh & Sh. Sohan Singh, Lashkar Singh, Satuam Singh and Santokh Singh ss/0 Sh. Sarwan Singh, vill. Palli Jhikki, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Kanals and 18 marlas in village Palli Jhikki as mentioned in sale deed No. 4469 ot March, 1978 registered with the S. R. Nawan Shehar.

O. P. MADAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 262/BT1/78-79.—Whereas, I. O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Jhanduwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whicho ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurdial Kau d/o Sh. Sarwan Singh s/o Sh. Dharam Singh, R/o village Jhanduwala, Teh. Bhatinda (Near Goniana).
  - (Transferor)
- (1) S/Sh. Santokh Singh, Balwinder Singh and Harjinder Singh, 88/0 Sh. Jagjit Singh 8/0 Sh. Sarwan Singh, R/0 village Jhanduwala (Near Goniana) Teh. Bhatinda.
- (3) As per S No 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 127 Kanals and 44 marlas in village Jhanduwala as mentioned in sale deed No. 4423 of Dec., 1977 registered with the S. R. Bhatinda

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 263/BTI/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Ihanduwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Guro d/o Sh. Sarwan Singh s/o Dharam Singh, R/o village Jhanduwala, (Near Goniana), Teh. Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Sh. Santokh Singh, Balwinder Singh and Harjinder Singh, ss/o Sh. Jagjit Singh s/o Sh. Sarwan Singh, R/o village Jhanduwala, Near Goniana, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 127 Kanals and 15 marlas in village Jhanduwala as mentioned in sale deed No. 4422 of Dec., 1977 registered with the S. R. Bhatinda.

O. P. MADAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhutinda.

Date : 22-6-1978

Scal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P. 264/KPR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Jan., 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Mohan Lal, Sohan Lal, Hira Lal ss/o Sh. Kanshi Ram, Opposite D. C. Residence, Kapurthala.

(Transferor)

 Smt. Satya Rani w/o Sh. Ram Krishan, Opposite D. C. Residence, Kapurthala.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot measuring 30 marlas situated at Kapurthala as mentioned in sale deed No. 2592 of Jan., 1978 registered with the S. R. Kapurthala.

O. P. MADAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.265/MGA/78-79.—Whereat, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at

Village Indergarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bachan Singh s/o Shri Mangal Singh s/o Shri Baghel Singh, R/o Village Indergarh, Teh. Zira. (Transferor)
- (2) Shri Balraj Singh s/o Shri Balwant Singh S/o Shri Bachittar Singh, R/o Moga. (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 15 marlas in village Indergarh as mentioned in sale deed No. 4216 of Nov., 1977 registered with the S.R. Zira.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Batinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.266/MGA/78-79,---Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at

Village Indergarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Bachan Singh s/o Shri Mangal Singh Shri Baghel Singh, R/o Village Indergarh, (1)8/0 Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Shri Bahaj Singh s/o Shri Balwant Singh s/o Shri Bachittar Singh, R/o Moga.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 14 marlas in village Indergarh as mentioned in sale deed No. 4217 Nov., 1977 registered with the S.R. Zira.

> O, P. MADAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Batinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref No. Λ.P.267/FZR/78-79.—Whereas, I. O. P. MADAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at

Ferozepur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Lal Singh s/o Shri Sunder Singh, Smt. Vecro d/o Shri Sunder Singh s/o Shri Chattar Singh R/o Ferozepur City.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Mehtab Singh s/o Shri Santa Singh s/ (1) Shri Mentab Singh and
  (2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Atma Singh R/o Gobind Nagri, Ferozepur.

  (Transferce)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 Kanals and 131 marlas in Nizamudin as mentioned in sale deed No. 3686 of November, 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

> O, P. MADAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatiada, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.268/FZR/78-79 —Whereas, I, O. P. MADAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No

As per schedule situated at

V. Mansooi Deva

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Fetozepui on November, 1977

for ah apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely (—

15—176GI/78

 Shri Rikhi Ram s/o Shri Devi Chand, Shri Ved Vayas s/o Shri Hans Raj, Sirki Bazar, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) S/Shri Sukhchain Singh, Jamail Singh s/o Shri Mal Singh, Roshan Singh s/o Shri RajInder Singh, Ferozepui City.

(Transferce)

(3) As per S. No 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals and 6 marlas in village Mansoor Deva as mentioned in sale deed No. 3641 of November, 1977 registered with the S. R. Ferozepur,

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda

Date: 22-6-1978

(1) Shri Lachhman Singh S/o Shri Anokh Singh, R/o Village Wara Waryam Singh Wala.

(2) Shri Baljinder Singh s/o Shri Karnail Singh

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.269/MGA/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule situated at V. Wara Waryam Singh Wala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S/o Shri Lachhman Singh and
(2) Shri Gurcharan Singh s/o Shri Mangal Singh
S/o Shri Karnail Singh,
R/o Village Wara Waryam Singh Wala.
(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 94 Kanals and 12 marlas situated in village Wara Waryam Singh Wala as mentioned in sale deed No. 5472 of February, 1978 registered with the S.R. Zira.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.270/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at

V. Chak Kala Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Guru Har Sahai on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Mukhtiar Singh s/o Shri Lal Singh S/o Shri Harnam Singh Village Chak Kala Singh, Teh. Guru Har Sahai.

(Transferor)

(2) Sh. Swaran Singh s/o Shri Darshan Singh S/o Shri Phoola Singh, Village Ladhu Wala Uttar, Teh. Fazilka.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Chak Kala Singh as mentioned in sale deed No. 1291 of December, 1977 registered with the S.R. Guru Har Sahai.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatingal

Date: 22-6-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

AC YUPTION RANGI, BHATINDA

Bhatinda, the, 22nd June 1978

Ref. No. A.P.271/MGA/78-79.—Whereas, I, O. P Madan being the Comp. at Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market valu. exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at

Kot Ise Khan

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Zire on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said sot, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Sat Parkash S/o Shri Labhu Ram, Self and Mukhu-i-am Shri Balraj Kumar S/o Shri Sat Parkash s/o Shri Labhu Ram, Village Kot Ise Khan, Teh. Zha.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Kehar Singh S/o Shri Gurdit Singh, R/o Village Galoti, Teh. Zira.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 27 Kanals and 16 marlas in village Kot Ise Khan as mentioned in sale deed No. 5224 of January, 1978 registered with the S.R. Zira.

O. P. MADAN Competent Authority, sioner of Income-tax,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhatinda.

Date: 22 6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Chatinda, the, 22nd June 1978

Ref. No. AP272/NWS/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

As per schedule situated at

Village Charan

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nawan Shehai on March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have least not believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys c. other assets which have not been or which ought to be disclosed by r transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afgressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy:—

(1) Smt. Charan Kaur w/o Shri Asa Singh and Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Bhagat Singh,

R/o Village Bhagaran, Teh. Nawan Shehar, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Chanan Singh s/o Shri Darbara Singh and Smt. Mohinder Kaur w/o Shri Chan m Singh, R/o Village Charan, Teh. Nawan Shehar (Hoshiarpur).

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Kanals and 11 marlas in village Charan as mentioned in sale deed No. 4515 of March 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the, 22nd June 1978

Ref. No. A.P.273/NS/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Village Rehon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(1) Smt. Birj Rani w/o Shri Harparkash, R/o Village Rahon, Teh. Nawan Shehar. (Transferor)

(110001100)

(2) Shri Shingara Singh s/o Sh. Siri Ram Singh Village Jethu Muzena.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Kanals and 8 Marlas in village Rahon as mentioned in sale deed No. 4563 of March, 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

O. P. MADAN
Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the, 22nd June 1978

Ref. No. A.P.274/FZR/78-79.--Whereas, I, O. P. Madan being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereunder referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule cituated at Village Baghuwala (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guru hor Sahai on December, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Kuldip Raj, Advocate S/o Shri Dewan Chand S/o Shri Sunder Dass, R/o Ferozepur City thruogh Shri Ruldu Ram s/o Shri Tehal Singh, Village Baghuwala, Teh. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh s/o Shri Dhara Singh S/o Shri Fateh Singh, Village Suba Kadim, Teh. Ferozepur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 14 marlas in village Baghuwala as mentioned in sale deed No. 1476 of December, 1977 registered with the S.R. Guru Har Hahai.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the, 22nd June 1978

Ref. No A.P.275/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Village Mohan-ke-Uttar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering Officer at Guru Har Sahai on December, 1977

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facil'tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manjit Singh s/o Shu Jagat Singh S/o Gian Singh, R/o Rohtak Road, New Delhi Through Guru Gurmit Singh S/o Guru Haijit Singh, Guru Har Sahai.

(Transferor)

(2) Shri Shamer Chand, Shri Chaman Lal, Shri Jagir Chand, Shri Baldev Chand, Sa/o Shri Sunder Ram a/o Shri Chamba Ram, Village Nurpur Sethan.

(Transferee)

(3) A<sub>5</sub> per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 53 Kanals and 6 marlas situated in village Mohan Ke Uttar as mentioned in sale deed No. 1401 of December, 1977 registered with the S.R. Guru Har Sahai

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 22-6-1978

SeaI :

#### FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P 276/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
16—176GI/78

(1) Shri Amrik Singh 5 to Bedi Sher Singh S/o Bedi Ganga Ram, Thoke Road, Ferozepus Cantt.

(Transferor)

(2), Smt. Rajinder Kaur d/o Shri Sant Singh Sayal Jhoke Road, Ferozepur Cantt.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9 Kanals, I mada and 7 Sarsai on Mahnu Road, Ferozepur as mentioned in sale deed No. 3722 of November, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda

Date: 22-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 22nd June 1978

Ref. No. A.P.277/KPR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 S/Shri Mohan Lal, Sohan Lal and Hira I al Ss/o Dewan Kanshi Ram, Opp. D. C. Residence, Kapunthala,

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh s/o Shri Kirpal Singh and Smt, Davinder Kaur w/o Shri Gurdip Singh, R/o Opp. D. C. Residence, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE'

Plot measuring 1 Kanal and 8 marlas in Kapurthala as mentioned in sale deed No. 2881 of January, 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

O. P. MADAN Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhatinda.

Date: 22-6-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.278/HSR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at

Balachaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Balachaur on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Shanti Devi wd/o Shri Sham Lal, Village Balachaur, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) Shri Harbans Singh s/o Shri Jagat Singh, Village Darapur, Teh. Garh Shankar. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals and 17 marlas in Balachaur as mentioned in sale deed No. 1521 of January, 1978 registered with the S.R. Balachaur.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.279/NWS/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Village Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vishwa Mittar s/o Shri Mela Ram, Smt. Shakuntla Rani d/o Shri Basant Ram, Smt. Sudetshan Kumari Utf Darshna Kumori D/o Smt. Ram Piari and Shri Baldev Rai s/o Smt. Ram Piari, Village Rahon, 'Ich. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Dilbag Singh s/o Shri Bakhshi Singh, Village Rahon, Teh. Nawan Shehat.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals in village as mentioned in sale deed No. 4199 of February, 1 gistered with the S.R. Nawan Shehar.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.280/PHL/78-79,—hereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Village Shamsabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dalip Singh 1/0 Shri Wadhawa Singh S/o Shri Narain Singh, Village Shemsabad, Teh Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Phumon Singh s/o Shri Attar Singh (2) Shri Harbhajan Singh, Charan Singh and Mohinder Singh Ss/o Lal Singh S/o Shri Attar Singh, Village Fatehpur, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals in village Shamsabad as mentioned in sale deed No. 3811 of January 1978 registered with the S.R. Phillaur,

O. P. MADAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P. 281/PHL/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Fatchpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Singh s/o Shri Sunder Singh, R/o Fatchpur, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Tarsem Singh, Shri Jaswant Singh etc. Ss/o Shri Ram Sngh, Village Kukarpind, Distt. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Fatchpur as mentoned in sale deed No. 4002 of Jan., 1978 registered with the S.R. Phillaur.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhatinda.

Date: 26-6-1978

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhafinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.282/PHL/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. as per schedule situated at

Village Gannapind

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 5mt. Pattni vodao Shri Ethani S/o Shri Gian, R/o village Gannapind Teh. Philaur.

(Fransferor)

(2) Shri Mangal Singh s/o Sri Rodda Singh, R/o village Gannapind Teh. Philliam.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals and 10 marlas in village Gannapind as mentioned in sale deed No. 3846 of January, 1978 registered with the S.R. Phillaur.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 26-6-1978

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. 283/HSR/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at

Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Shri Hem Raj s/o Shri Baij Nath S/o Shri Sita Ram through Shri Baij Nath Hem Raj-Kanak Mandi, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Deputy Lal Margai s/o Shri Hans Raj S/o Shri Shiv Ram, House No. BIV/420-A, Mohalla Ghumeran, Nai Abadi, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house in Mohalla Ghumaran, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 3183 of December, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.284/NWS/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at

Village Tajewal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth- tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
17—176GI/78

(1) Shri Ram Parkash s/o Shri Karam Chand, R/Tajowal, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shti Sohun Singh s/o Shti Sawan Singh, Village Khardehran, Distt Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Kanals in village Tajowal as mentioned in sale deed No. 4479 of March, 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

O, P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.285/NWS/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at

Village Tajowal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nawan Shehar on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1952) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Chand s/o Shri Mela Ram, R/o Village Tajowal, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Shri Sawan Singh and Smt. Parsini w/o Shri Sohan Sngh, Village Khardeharai, Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) Λ<sub>S</sub> per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 77 Kanals and 9 marlas in village Tajowal as mentioned in sale deed No. 4568 of March, 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P.281/NKD/78-79.—Whereas, I, O. P. Madan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at

Village Adraman

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rattan Lal s/o Shri Nanak Chand S/o Shri Puran Chand, Village Adraman, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Saroop s/o Shri Devinder Dass, S/o Shri Lal Chand, Village Adraman, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 13 marlas in village Adraman as mentioned in sale deed No. 2365 of January, 1978 registered with the S.R. Nakodar.

O. P. MADAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Ref. No. A.P. 287/NKD/78-79,—Whereas, I, O. P. MADAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at

Village Uggi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Bachan Singh s/o Shri Saudagar Singh S/o Shri Natha Singh, Village Uggi, Teh. Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kulbir Singh, Shri Sukhbir Singh

Ss/o Shri Tara Singh

2. Shri Harbhajan Singh s/o Shri Ram Singh

3. Shri Gurcharan Singh s/o Shri Chanan Singh
S/o Shri Harnam Singh,
Villag Rahempur, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 Kanals and 10 marlas in village Uggi as mentioned in sale deed No. 2394 of January 1978 registered with the S.R. Nakodar.

> O. P. MADAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th June 1978

Rcf. No. A.P.288/GSR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at Vill. Moran Wali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Garh Shanker on Feb., 1978

for an apparent

PART III—SEC. 1]

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Chinta Singh, R/o Vill. Moran Wali, Mukhtiar-i-am Sh. Chinta Singh s/o Sh. Jaimal Singh Jaat, vill. Moran Wali (Now in England).

(Transferor)

- (2) Sh. Darshan Singh s/o Sh. Ishar Singh s/o Sh. Jassa Singh, Vill. Moran Wali, Tch. Garh Shanker.

  (Transferee)
- (3) Sh. Darshan Singh s/o Sh. Ishar Singh s/o Sh. Jassa Singh, Vill. Moran Wali, Teh. Garh. Shanker. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 12 marlas in village Moran Wali as mentioned in sale deed No. 3168 of Feb., 1978 registered with the S. R. Garh Shanker.

O. P. MADAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition range BHATINDA.

Date: 26-6-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th July 1978

Ref. No. A.P.289/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Khuban

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Diki Raj (minor) s/o Sh. Vinod Kumar s/o Sh. Gulab Rai, R/o Lajpat Rai Nagar, Abohar. (Transferor)
- (2) (1) Sh. Piara Singh s/o Sh. Mukhtiar Singh s/o Sh. Karam Singh,
  - (2) Sh. Kartar Singh, Sh. Jarnail Singh ss/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Narain Singh, Vill. Khuban, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) (1) Sh. Piara Singh s/o Sh. Mukhtiar Singh s/o Sh. Karam Singh,
  - (2) Sh. Kartar Singh, Sh. Jarnail Singh ss/o Sh. Karam Singh s/o Sh. Narain Singh, Vill. Khuban, Teh. Fazilka.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 Kanal and 8 marlas in village Khuban as mentioned in sale deed No. 1678 of Nov., 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 6-7-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 11th July 1978

Ref. No. 257/78-79/Zira.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

As per schedule situated at Zira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Zira on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Parkash s/o Sh. Telu Ram & Shmt. Phulan Devi w/o Sh. Surinder Kumar Zira.

  (Transferor)
- (2) Sh. Rajinder Kumar s/o Sh. Mukand Lal, Shmt. Santosh Rani w/o Sh. Tulsi Ram, Shmt. Amarjit Kaur d/o Sh. Satnam Sinugh, Zira. (Transferee)
- (3) Sh. Rajinder Kumar s/o Sh. Mukand Lal, Shmt. Santosh Rani w/o Sh. Tulsi Ram, Shmt. Amarjit Kaur d/o Sh. Satnam Singh, Zira.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A cinema property at Zira as mentioned in sale deed No. 4226 of Nov., 1977 registered with the Sub-Registrar. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, BHATINDA.

Date: 11-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 11th July 1978

Ref. No. 258/78-79/FZR.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Faqir Chand s/o Sh. Ghamandi Mal, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Sh. Kundan Lal s/o Sh. Ghamandi Mal, R/o Inside Mori Gate, Ferozepur City.

(Transferce)

(3) Sh. Kundan Lal s/o Sh. Ghamandi Mal, R/o Inside Mori Gate, Ferozepur City. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Rothi, inside Mori Gate, Ferozepur as mentioned in sale deed No. 3852 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 11-7-1978.

'Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1316/78-79/1701.--Whereas I, N S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 26/70 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-11-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, 18—176GI/78

- (1) Shri R. P. Sharma s/o Pt Ram Chand, 36, Mohan Kothi, Siri Nagar Colony, Near Bharat Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Mittal syo Sh, Tailok Chand r/o 5-F Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No 70 Block No 26 (No 26/70) measuring 176 sq. yds situated at Shakti Nagar (Roshanara Extension Scheme) Delhi and bounded as under:

North: Lane South: Road

East: House No. 26/69 West: House No. 26/60

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Hyderabad.

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT \( \)\( \)961 \( \)\( \)43 OF 1961\( \)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi the 15th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1315/78-79/1701.—Whereas I, N S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 832 situated at Mohalla Jatwara, Kucha Pati Ram, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Delhi on 28-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other are its which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate provedings for the avauisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the vaid Act, to the following persons. namely:---

(1) Smt. Sarla Devi w/o Sh. Lakhimi Chand r/o 832 Kucha Pati Ram, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bala w/o Sh. Rameshwar Dayal r/o 8987 Shidipura, Karol Bagh, N. Delhi,

(Transferee)

(3) Shri Subhash Chand 2. Mahesh Chand, 3. Ram Dhari Jain 4. Om Parkash 5. Mukat Behari 6. Rajinder Kumar 7. Rameshwar Dayal.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A) three storeyed building constructed on a plot of land measuring 157 sq. yds bearing No. 832 (cld No. 509) situated at Mohalla Jatwara, Kucha Pati Ram, Delhi & bounded as under:

North: Property of others South: Property of others
East: Property others. West : Gali.

> N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 15th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1214/78-79/1701,---Whereas I, N. S. CHOPRA

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6 situated at Birhampur Siri Ram Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tak Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samoly :--

(1) Shri Chaman Lal s/o Sh. Nursing Dass, Siri Ram Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi 196/A/6

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur w/o Sh. Gurbux Singh 2478/9 Dashmesh, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this posice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Alays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 sq. yds bearing No. 6 part of khasra No. 414 situated at Birhampuri, Siri Ram Nagar, Illaga Shahdara, Delhi and bounded as under .—
North: Property of others.

South: Property No. 196/6-A

East: Gali 15 ft.

West: Gali 20 ft.

N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, New Delhi.

Date: 15-7-1978

(Transferor)

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s Beenj Raj Bulaqi Ram 1809 Katra Bansi Dhar, Khari Baoli, Delhi through Sh. Mohan Lal, Partner. (Transferee)

(1) Smt. Krishna Devi w/o Sh. Durga Prasad r/o 662-

B/3 Pandit Park, Ghondly, Shahdara, Delhi-51.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DFLHI-110001

New Delhi, the 15th July 1978

Ref. No. IAC/Acq. 11/1313/78-79/1701 -- Whereas I, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 23 Mup. No. 662-B/3 situated at Pandy Park, Shahdara, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed house with land approximately 195 sq. yds. bearing plot No. 23 Municipal Corporation No. 662/B/3 situated at Pandin Park, Gondli, Shahdara, Delhi and bounded as under :-

North: Land of others South: Road

East: Property built on Plot No. 22 West: Property biult on plot No. 24

> N. S. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITIO RANGE II

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-1 (110001)

New Delhi, the 12th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1312/73-79/1701.—Whereas I, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-16 situated at Kamia Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 19-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Shri Jagdish Lal Mehta s/o Sh. Ram Nath Mehta r/o D-16 Kamla Nagar Delhi through Smt. Pushpa Mehta w/o Sh. Mohan Lal Mehta r/o 16-D Kamla Nagar, Delhi as Gen. Attorney.

(Transferors)

(2) S/Shri Ramesh Kumar Mchta and Naresh Kumar Mehta s/o late Sh. Mohan Lal Mchta r/o 16-D Kamla Nagar,

(Transferee)

(3) M/s. Gupta Industries.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One half share of house No. D-16 Kamla Nagar, Delhi Back Portion double storeyed with miani constructed on a freehold land underneath 323 sq. yds. and bounded as under:—

North: Road

West: Property No. 17-D South: Service Lane East: Open.

N. S CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 12th July, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001
New Delhi, the 12th July 1978

Ref. No. IAC/Acq II/1311/78-79/1701,---Whereas 1, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25/75 situated at Shakti Nagar, Delht

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Boor Chand s/o Lala Bahali Ram, r/o Kadar Building, Mukim Pura, Mun. No. 957, Malka Ganj, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Agarwal s/o Sh. Kishan Saroop r/o 8247 New Delhi Anaj Mandi, Near Filmistan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land measuring 200 sq. yds bearing plot No. 75 in Block 25 situated at Shakti Nagar, Delhi and bounded as under:—

North: Road South: Gali East: Road

West: Plot No. 74

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 12th July, 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/179/Oct.II(31)/78-79/1699.—Whereas I, J. S. GILL

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 39 situated at Lajpat Nagar-IV, Ring Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-10-1977

for an apparent consideration whic is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt, Shipra Ghosh, w/o Sh. I. Ghosh r/o, A-40, Chitranjan Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Goyal, s/o Sh. Bishan Chand Goyal, r/o 2, Flag Staif Road, Delhi & Shri Omesh Kumar Goyal, s/o Sh. Prem Kumar Goyal, r/o Katthal Road, Pehowa, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A bungalow built on plot No 39 measuring 767 sq. yds siwated at Lajpat Nagar-IV, Ring Road, New Delh, and bounded as under:—

East: Road

West: Service Lane North: Plot No 38 South: Bungalow No 40

J. S. GILT.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date: 15-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME TAX, OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE III, NE WDŁLHI

New Delhi, the 17th July 1978

Ref. No. IAC-Acq.III/Jan /1637(38)/77-78/1703,—Whereas I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 21/60 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30th January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely :-

(1) Prem Kumar Narula & Sh. Subhash Kumar Narula sons of Sh. Sohan Singh Narula, deceased, r/o 41 & 29. North Avenue, Punnibi Bagh Delhi respectively.

(2) Shri Man Mohan Singh, Avtar Singh Surinder Singh sons of Sh. Harnam Singh, 29/6, Bagh New Delhi. Punjabi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House on plot No. 21 on Road No. 66, in Class 'D' measuring 279.55 sq.yds. situated in the residential colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi

nnd bounded as under:—
North: House on Plot No. 19
South: House on Plot No. 23
East: Road No 60

West: Service Lane

A. L. SUD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III, New Delhi

Date: 17th July 1978.

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japur, the 29th June 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/423 —Whereas, I, M. R. VASISH-THA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the jmmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-28 & B-25 situated at Fathenagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayali on 17-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—176GI/78

(1) Shri Ganeshial 8/0 Devilal Hingad, Akola Teh. Kabasan, D'ett Chiffornich

(Transferor)

(2) Shri Yaswant Kumu mmor through Gaurdian, Sh. Gopilal Agaiwsh chith mayur, Teh, Mavli Distr Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same occaning as given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

Part of house situated on plot No A-28 and B-25 at Lathernogar more fully discribed in even deed by S. R. Navlivide No. 657 dated 17-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-6-78

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Sunderlal Godika s/o Sh. Kastoorchand Godika resident of Bordi ka Rasta, Jaipur

(Transferor)

Shri Omprakash Kasat -/o Nenurama C-16 New Anamandi, Jaipur (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th July 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./420.—Whereas, I, M. P. VASISH-THA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 19 situated at Jaiput

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Officer at Jaipur on 28-11 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 XPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property constructed upon Plot No. 19 Madhuan Colony, Rampura Ruph, near Tank Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Laipur vide his No. 2248 dt. 28-11-77.

M. P. VASISHTHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-7-78

Scal:

#### FORM ITNS ----

 Shri Sunderlal God'ka s/o Sh. Kastoorchand Godika, resident of Bordi ka Basta, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shi Jagdish Chandra Kasat s to Sh. Nenuramji C-16 New Anajmandi, Jaipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

OFFICE OF THE LA.C. ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 4th July 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./420.--Whereas, I M P VASISH-THA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19 situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 28-11-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farianation s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property constructed upon plot No. 19 Madhuvan Colony, Rampura Rupa, near Tonk Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 2250 dated 28-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 4-7-78

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Sundailal Godika s/o Sh. Kastoorchand Godika, resident of Bordi ka Basta, Jaipur.

(Transletor)

(2) Shri Sohantal Kasat 5/0 Sh. Nenutamji C-16 New Anajmandi, Jaipur.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th July 1978

Ref. No Rai/IAC//Acq /421. - Whereas, I. M. P. VASISH-THA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloded by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house property constructed upon plot No. 19 Madhuvan Colony, Rampura Rupa, near Tonk Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 2249 dated 28-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date . 4-7-78

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th July 1978

Ref. No Raj. IAC/Acq/422.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sunderlal Godika s/o Sh. Kastoorchand Godika, resident of Bordi ka rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Jethamal Kasat s/o Sh. Nenuramji, C-16 New Aanajmandi, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property constructed upon plot No. 19 Madhuvan Colony. Rampura Rupa, near Tonk Road, Jaipur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide his No. 2247 dt. 28-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 1st July 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./425.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  $\Lambda$ -28 & B-25 situated at Fatchpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mavali on 17-11-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madanlal lunatic through Guardian Sh. Devilal Mahajan Oswal Hingad, Akola Tehsil Kapasan, Distt. Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Smt. Gunwanti Devi wife of Sh. Sureshchander Agarwal resident of Fathenagur, Teh. Mavli, Distt. Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of house property situated on plot No. A-28 & B-25 at Fathenagar, more fully described in conveyance deed registered by S. R. Mavli vide No. 656/77 dt. 17-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 1-7-78

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Amritlal 9/0 Shri Devilal Mahajan Oswal Hingad resident of Akola Tehsil, Kapasan Distt. Chottorgarh.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 1st July 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/424.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-28 & B-25 situated at Fathenagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mavli on 18-11-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Sampati Devi w/o Sh. Satyanarain Agarwal, resident of Fathenagar Tehsil Mavli Distt., Udaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house property situated on plot No. A-28 & B-25 at Fathepur more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Mavli vide No. 765 dt. 18-11-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 1-7-78

(1) Sri C. K. Narayanan Nair.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sci Shaji B. John.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, FRNAKULAM

Cochin-682016, the 13th July 1978

Ref. No. I C.213/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sasthamangalam on 17-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

13.125 cents of land with building in Jawahar Nagar, Trivandrum—vide schedule to Document No. 2654/77.

P. O. GEORGE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-7-1978

#### FORM ITNS ----

(1) Smt. Sarojini Amma

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) (1) Mrs. Grade K. Oomen (2) Aby Philip

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MARFENA BUILDINGS M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 13th July 1978

Ref. No. L.C.212/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chalai on 7-11-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 55 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 55 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

13.832 cents of land with building in Jagathy Trivandrum—vide schedule to Document No. 2496/77.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 13-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 11th July 1978

C.R. No. 62/13824/78-79/Acq./B.—Whereas, I, J. S RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. Old No. 458, & New No. 15 situated at IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jayanagar, B'lore, Doc. No. 1890/77-78 on 5-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. K. Venkatachalu Setty, S/o A. Venkataramalah Setty, No. 458/15, 18th Main Road, IV "T" Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

(2) Dr. MP. Konanhalli, S/o P. C. Konanhalli, No. 94, IV 'T' Block, 16th Main, 34B, Cross, Jayanagar, B'lore-11.

( lansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THTFT TSCHEDULE

[Registered Document No. 1890/77-78. Dated 5-11-77.]
All that the premises bearing Municipal Old No. 458 & New No. 15, 18th Main Road, IVth T Block, Jayanagar, Bilore-11.

Boundaries.

**Cast**: Site No. 471,

West : Road,

North: Site No. 457 and South: Site No. 459

J. S. RAO,

Compotent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 11-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (3 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-1

Bangalore-1, the 11th July 1978

C.R. No. 62/13868/78-79/Acq/B.—Whereas, I, J. S. RAO. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2493/2494 and New No. 2494. situated at Vinayakavagar, Tumkur Town.

(and more fully described in the Schedul annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur, Doc. No. 2666/77-78, on 2-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Wow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) (1) Shri G. V. Siddaveeraiah, S/o Sri Veerabhadraiah.
  - (2) Smt. Gangamma, W/o Shri G. V. Siddaveeraiah.
  - (3) Kum. Sushcelamma
  - (4) Kum Anasuya (5) Kumar Ramesh Kum Anasuya Devi

Kum. Sarvamangala

(Minors)

(7) Kumar Shivakumar

Children of late Smt. Jayamma, rep. by their father & natural Gaurdian Srl G. V. Siddaveeraiah. All are residing at Vinayakanagar, Tumkur Town.

(Transferors)

(2) (1) S. Sharadamma, W/o Sri G. K. Seshagiri Proprietor of Udipi Krishna Bhavan, Pidugurala Village, Gurujala Taluk, Gundur Dist. (A.P.) Pidugurala

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Doc. No. 2666/77-78 Dated: 2-11-77. Property of site No. 13 MNKTH Old No. 2493/2494 and New No. 2494, Vinayakanagar, Tumkur Town.

Bounderies :

East . Property belonging to Sri G. K. Sheshagiri. West: Property belonging to Sri G. L. Padmaraju, North: Road and

South: Property belonging to Sri K. Narayana Shetty

J. S. RAO,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore

Date . 11-7-1978